हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शनिवार • 31.01.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 186 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

तीसरी बार भाजपा सरकार बनी तो एक-एक घुसपैठिया बाहर जाएगा : अमित शाह

एजेंसी

डिब्रूगढ़ (असम) : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को डिब्रूगढ़ में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तीसरी बार असम में सत्ता में आती है, तो राज्य से एक-एक बांग्लादेशी घुसपैठिये को बाहर किया जाएगा। अपने संबोधन में अमित शाह ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि कांग्रेस ने केवल अपने वोट बैंक की राजनीति के लिए असम को बांग्लादेशी घुसपैठियों की चरागाह बना दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान काजीरंगा जैसे संरक्षित क्षेत्रों और गुरुजन की पवित्र भूमि तक पर अवैध कब्जेदारों को बसने का साहस मिला।

गृह मंत्री ने कहा कि असम की जनसांख्यिकी में हो रहे बदलाव को रोकने के लिए भाजपा को दोबारा सत्ता में लाना बेहद जरूरी है। उन्होंने डिब्रूगढ़ में दूसरी राजधानी के निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा द्वारा लिए गए निर्णय की सराहना की और असम की जनता की ओर से मुख्यमंत्री को धन्यवाद भी दिया।

असम की चाय को लेकर अमित शाह ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम की चाय को पेरिस से लेकर बर्लिन तक वैश्विक पहचान दिलाई है। उन्होंने बताया कि यूरोपीय यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौते के बाद असम की चाय को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई ऊंचाइयां मिलेंगी और यूरोप में बिना किसी शुल्क के असम की चाय पहुंचेगी। इससे चाय उद्योग और चाय बागान श्रमिकों को बड़ा लाभ होगा। कांग्रेस शासन पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा कि उनके लंबे शासनकाल में असम को केवल गोली, बम और युवाओं की मौत मिली। इसके विपरीत भाजपा के शासन में राज्य में शांति स्थापित हुई है। उन्होंने कहा कि आज असम में बम और गोलियों की आवाज नहीं, बल्कि भूपेन हजारिका (भूपेन दा) के गीत गूंजते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि आजादी के बाद दशकों तक शासन करने वाली कांग्रेस ने कभी असम के विकास के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा। भाजपा सरकार के कार्यकाल में असम में 27 हजार करोड़ रुपये का सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट आया, कई कैंसर अस्पताल स्थापित हुए और विकास के क्षेत्र में आज असम प्रधानमंत्री की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके साथ ही गृह मंत्री ने 26 जनवरी को कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा उत्तर-पूर्वी परिधानों के कथित अपमान को लेकर भी कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी असम और असमिया अस्मिता के प्रतीक गमोछा तथा विभिन्न जनजातियों के पारंपरिक परिधानों को गर्व के साथ पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत करते हैं, जबकि राहुल गांधी असम और उत्तर-पूर्व की संस्कृति एवं परिधानों का सम्मान नहीं करते।

अमित शाह का यह भाषण आगामी चुनावों से पहले असम की राजनीति में एक मजबूत संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें घुसपैठ, अस्मिता, विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया।

ईयू-भारत व्यापार समझौता से असम की चाय पहुंचेगी यूरोप : शाह

डिब्रूगढ़ (असम) : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रस्तावित ईयू-भारत मुक्त व्यापार समझौता यह सुनिश्चित करेगा कि असम की चाय बिना किसी टैरिफ के यूरोपीय देशों तक पहुंचे, जिससे राज्य के चाय उद्योग और निर्यात को काफी बढ़ावा मिलेगा। डिब्रूगढ़ के खानिकर परेड ग्राउंड में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने इस समझौते को असम की बागान अर्थव्यवस्था और उसके श्रमिकों के लिए एक बड़ा अवसर बताया। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले ही प्रमुख यूरोपीय देशों के साथ बातचीत करने के लिए पेरिस और बर्लिन का दौरा कर चुके हैं और व्यापार संबंधों को मजबूत करने के लिए यूरोपीय ब्लॉक के अन्य देशों के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक बार अंतिम रूप देने के बाद यह व्यापार समझौता असम की चाय के लिए यूरोपीय बाजारों को खोल देगा, जिससे इसकी वैश्विक पहुंच और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। मोदी सरकार के तहत भारत की विदेश नीति का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि यूरोपीय संघ भारत के लिए एक भरोसेमंद व्यापार भागीदार के रूप में उभरा है, जो एक संतुलित वैश्विक व्यवस्था के साझा दृष्टिकोण को साझा करता है।

रांची में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर आज मोरहाबादी मैदान, बापू वाटिका स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार एवं माननीय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बापू वाटिका स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा स्थल पर भजन मंडली के कलाकारों ने बापू के प्रिय भजन एवं रामधुन प्रस्तुत किये। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री सहित सभी गणमान्य लोग राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रिय भजनों की आत्मीयता में मंत्रमुग्ध हो गये।

मौके पर मीडिया के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि आज हम सभी लोग महात्मा गांधी को स्मरण करते हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का जीवन समस्त देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है। हम सभी उनके आदर्शों पर चलें ये हमारा विश्वास है। मौके पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने भारत सरकार के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री स्मृति शेष-दिशोम गुरु स्व० शिबू सोरेन जी को पद्मभूषण सम्मान से अलंकृत करना पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु स्मृति शेष-स्व० शिबू सोरेन जी को सम्मानित करना झारखंड राज्य के प्रति भारत सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। दिशोम गुरु स्मृति शेष-स्व० शिबू सोरेन जी का नाम सदैव अमर रहेगा। इस राज्य को बनाने में उनका अहम योगदान रहा है।

मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें पूरा देश याद कर रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का व्यक्तित्व, उनका जीवन दर्शन, उनका त्याग, संघर्ष एवं आदर्श पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दिखाए मार्ग पर चलकर ही समृद्ध राज्य, विकसित देश एवं शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व वाली दुनिया की परिकल्पना को साकार किया जा सकेगा।

मंत्री दीपिका पांडे सिंह एवं राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने भी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

एक नजर

सुकमा में चार माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा : छत्तीसगढ़ राज्य के सुकमा जिले के किस्टाराम एरिया कमेटी में सक्रिय 8 लाख रुपये के इनामी चार माओवादी कैडरो ने शुक्रवार को ऑटोमैटिक हथियार पुलिस अधिकारियों को सौंप कर आत्मसमर्पण किया है। इनमें दो महिला नक्सली शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुकमा पुलिस एवं आंध्र प्रदेश के अल्लूरि सीताराम राजू जिला पुलिस के संयुक्त प्रयासों से 'पूना मारगेम - पुनर्वास से पुनर्जीवन' अभियान के अंतर्गत कुल 8 लाख रुपये के इनामी चार माओवादी कैडरों ने आत्मसमर्पण किया है।

कुवैत-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

नयी दिल्ली : कुवैत से दिल्ली आ रहे इंडिगो के एक विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद एहतियातन अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। इस फ्लाइट में सवार सभी 180 यात्री सुरक्षित हैं। हालांकि, एयरलाइन की ओर से काई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह कुवैत से दिल्ली आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया।

बाबा ग्रुप पर आयकर विभाग की कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी, नकदी और शराब की बोतलें बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

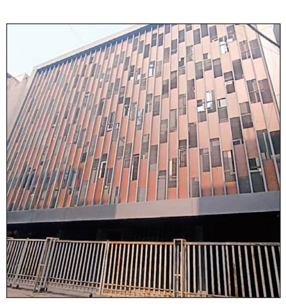

रांची : आयकर विभाग द्वारा बाबा ग्रुप से जुड़े व्यापारियों के ठिकानों पर की जा रही छापेमारी शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रही। इस दौरान विभाग की टीम को नकदी, कच्चे व्यापार से जुड़े अहम दस्तावेजों के साथ-साथ शराब की बोतलें भी बरामद हुई हैं, जिससे मामला और गंभीर हो गया है।

आयकर विभाग के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, बिहार के गयाजी स्थित एक चावल आढ़तिया के ठिकानों से कीमती शराब की बोतलें जब्त की गई हैं। बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू है, इसके बावजूद व्यापारियों के परिसरों से शराब की बरामदगी ने आयकर अधिकारियों को भी हैरानी में डाल दिया है।

आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा ने 29 जनवरी को बाबा एग्रो, बाबा फूड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड और चावल के आढ़तियों से जुड़े कुल 45 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की थी, जो शुक्रवार को भी जारी रही। दूसरे दिन की कार्रवाई में चावल व्यापारियों के कई ठिकानों से भारी मात्रा में नकदी और कच्चे व्यापार से संबंधित लेन-देन के दस्तावेज बरामद किए गए हैं। नकदी की गिनती के लिए बैंकों के अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया है। रांची में आयकर विभाग की टीम ने नगड़ी, कांके रोड, हरमू रोड और बरियातू इलाके में स्थित बाबा एग्रो फूड और बाबा फूड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े परिसरों की तलाशी ली।

राज्य के सभी प्रखंडों में खोले जाएंगे नए कौशल केंद्र : मंत्री

- झारखण्ड कौशल उत्कर्ष के विजेता राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने हुनर का मनवाएंगे लोहा
- झारखंड स्किल डेवलपमेंट मिशन सोसाइटी बना रहा है युवाओं को हुनरमंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि राज्य के सभी प्रखंडों में नए कौशल केंद्र खोले जाएंगे ताकि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को घर के पास ही उनकी जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण मिल सके। वे शुक्रवार को झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी के तत्वावधान में आयोजित 'झारखण्ड कौशल उत्कर्ष' के भव्य समापन समारोह में बोल रहे थे। मंत्री संजय प्रसाद ने झारखण्ड कौशल उत्कर्ष के 39 विजेताओं के सम्मानित करते हुए कहा कि आप केवल राज्य के विजेता नहीं हैं अपितु आप चीन में होने वाले India Skills Competition 2026 के लिए झारखंड के राजदूत हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने हुनर का लोहा मनवाएंगे और झारखंड को विश्व मानचित्र पर स्थापित करेंगे। बता दें कि प्रतियोगिता के स्वर्ण एवं रजत पदक विजेता आगामी माह में देश के विभिन्न राज्यों - ओडिशा, कर्नाटक एवं तमिलनाडु में होने वाले अगले राउंड के लिए रवाना होंगे। यहां से सफल होने वाले प्रतिभागी चीन में आयोजित होने वाली विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि यह दिन झारखंड के कौशल इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय है। JSDMS राज्य के युवाओं को हुनरमंद बनाने एवं उन्हें नियोजित/स्वनियोजित करने की दिशा में एक सतत सारथी के रूप में कार्य कर रहा है। कुशल युवाओं के नियोजन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए विभाग ने कई प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ नए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गये हैं। इन साझेदारियों से राज्य के प्रशिक्षित युवाओं के लिए वैश्विक कंपनियों में रोजगार के द्वार खुलेंगे। समारोह के दौरान कौशल प्रशिक्षण के अतिरिक्त अन्य उत्कृष्ट कार्यों और नवाचारों के लिए रांची के उप-श्रमायुक्त-सह-जिला कौशल पदाधिकारी एवं उनकी पूरी जिला टीम को मंत्री द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

'स्कूलों में मुफ्त मिले सैनेटरी पैड', सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश, नहीं तो मान्यता होगी रद

एजेंसी

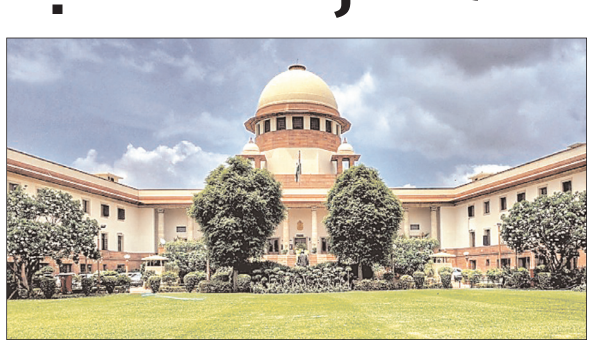

नयी दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को मुफ्त में बायोडिग्रेडेबल सैनेटरी पैड दिए जाएं। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि मेंस्ट्रुअल हेल्थ यानी मासिक धर्म स्वास्थ्य के अधिकार के तहत संविधान में दिए गए जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। स्कूली बच्चियों के स्वास्थ्य से जुड़े आदेश पर अदालत ने कहा है कि अगर सरकारें स्कूली छात्राओं को टॉयलेट और मुफ्त सैनेटरी पैड देने में फेल होती हैं, तो उन्हें भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। वरिष्ठ न्यायाधीश जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं के लिए सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में केंद्र सरकार की मासिक धर्म स्वच्छता नीति को पूरे देश में लागू करने पर यह आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अगर प्राइवेट स्कूल लड़कियों और लड़कों के लिए अलग-अलग शौचालय और सैनेटरी पैड देने में फेल होते हैं, तो उनकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी। कोर्ट ने कहा, 'मासिक धर्म स्वास्थ्य का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का हिस्सा है। अगर प्राइवेट स्कूल ये सुविधाएं देने में विफल रहते हैं, तो उनकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी।' इसी के साथ अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सभी स्कूलों में दिव्यांगों के लिए अनुकूल शौचालय उपलब्ध कराने के लिए भी कहा है। वहीं सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को स्कूलों में महिला और पुरुष छात्रों के लिए अलग-अलग शौचालय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

अजीत पवार के बाद कौन संभालेगा डिप्टी सीएम का पद, फैसला आज

एजेंसी

मुंबई : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने शुक्रवार को कहा कि शनिवार को पार्टी के विधायकों की बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में विधानसभा और विधान परिषद् के सदस्य विधिमंडल दल के नेता का चुनाव करेंगे। उनका कहना है कि सबकुछ ठीक रहा तो कल ही सुनेत्रा पवार उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकती हैं।

छगन भुजबल ने शुक्रवार को मुंबई में राकांपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों को बताया कि उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के आकस्मिक निधन के बाद पैदा हुई राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए आज पार्टी का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला था और इस संबंध में चर्चा की गई। अजीत पवार की धर्मपत्नी सुनेत्रा पवार को राकांपा विधिमंडल का नेता बनाए जाने और उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की जोरदार मांग की जा रही है। इसीलिए पार्टी की ओर से पार्टी के विधानसभा और विधान परिषद सदस्यों को कल पार्टी कार्यालय में उपस्थित रहने का संदेश दिया गया है। इस बैठक में विधिमंडल नेता का चुनाव होगा। भुजबल ने कहा कि अगर सबकुछ ठीक रहा तो कल ही उपमुख्यमंत्री पद की भी शपथविधि हो जाएगी।

एक नजर

अजीत पावर के निधन पर एनसीपी जिलाध्यक्ष महेश ठाकुर ने जताई शोक

भावपूर्ण श्रद्धांजलि
स्व अजीत पावर
महेश ठाकुर, जिलाध्यक्ष

बरही : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी एवं महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की प्लेन क्रेस में हुए निधन पर एनसीपी के जिलाध्यक्ष महेश ठाकुर ने शोक संवेदना प्रकट की है। प्रेस बयान जारी करते हुए महेश ठाकुर ने कहा कि दिवंगत अजीत पवार ने एनसीपी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। उनके मृदुलभाषी व्यक्तित्व, सभी कार्यकर्ताओं को सामान रूप से तवज्जो देना, कार्यकर्ताओं का मान सम्मान एवं स्वाभिमान को प्राथमिकता देना उन्हें अन्य नेताओं से अलग करता है। उनका निधन न केवल राष्ट्रवादी पार्टी के लिए अपूर्णीय क्षति है बल्कि देश की राजनीति में भी गहरा आघात है। उन्होंने श्रद्धांजलि प्रकट करते हुए कहा कि झारखंड में उनकी कमी खलेगी। उनके निधन पर दीपेश ठाकुर, महेंद्र सिंह, सहित कई लोगों ने शोक जताया है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत अफीम खेती मामले में आरोपी अनिल मुंडा गिरफ्तार

चौपारण : थाना कांड संख्या 27/26 से संबंधित अफीम की अवैध खेती के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त अनिल मुंडा उर्फ अनिल नाग को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त अनिल मुंडा उर्फ अनिल नाग पिता गणेश नाग, निवासी आँजन, थाना चौपारण, जिला हजारीबाग पर आँजन क्षेत्र में अफीम की खेती करने एवं करवाने का आरोप है। अभियुक्त के विरुद्ध धारा 17(बी) एवं 18(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि विधिसम्मत कार्रवाई के उपरांत गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मादक पदार्थों की अवैध खेती एवं तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और इस तरह के मामलों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

एडीएम लॉ एंड ऑर्डर ने महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

धनबाद : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद तथा अन्य पदाधिकारियों ने सिटी सेंटर पर स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर एडीएम ने कहा कि राष्ट्रपिता के विचार आज भी हमें आगे बढ़ने और कुछ अच्छा करने की प्रेरणा देते हैं। हमें शांति, अहिंसा, सादगी, साधनों की पवित्रता और विनम्रता के उनके आदर्शों का पालन करना चाहिए। इसके बाद सभी पदाधिकारियों ने गांधी सेवा सदन में राष्ट्रपिता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मौके पर एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, शांतनु सरकार, आलोक कुमार झा, अरुण कुमार धारी, रौनक खातून, नितेश कुमार साव, धर्मेन्द्र कुमार, तुलसी कुमार, उमेश कुमार नायक सहित समाहरणालय के विभिन्न विभागों के कर्मी मौजूद रहे।

रेनबो स्कूल बरही में शहीद दिवस पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : शिवपुर गडलाही स्थित रेनबो स्कूल बरही में शहीद दिवस के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक सादे एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही दो मिनट का मौन रखकर उनके बलिदान को नमन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के निदेशक सिकन्दर प्रसाद कुशवाहा ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य, अहिंसा और त्याग का प्रतीक है। उनके विचार आज भी समाज और राष्ट्र को सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से गांधीजी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने की अपील की। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों ने भी महात्मा गांधी के जीवन दर्शन एवं उनके सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि शहीद दिवस हमें राष्ट्रपिता के बलिदान को स्मरण करने के साथ-साथ उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। छात्रों को सत्य, अनुशासन, देशप्रेम और सामाजिक सद्भाव के मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मौके पर उपस्थित शिक्षकों में गौरी शंकर, अरमान आलम, परवीन कुमार, शुभम कुमार, उषा यादव, सुधा यादव, विशाल कुमार, पृथ्वीराज अंजली, कुमारी श्वेता कुमारी, पंकज कुमार, सुजीत कुमार, राहुल प्रजापति एवं विनय सकलदेव शामिल रहे। सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने भी गांधीजी के विचारों पर अपने विचार व्यक्त किए तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

चौपारण सीएचसी में स्थायी परिवार नियोजन को लेकर विशेष बंध्याकरण शिविर आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण में परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत बंध्याकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के माध्यम से इच्छुक दंपतियों को स्थायी परिवार नियोजन का विकल्प उपलब्ध कराया गया। शिविर के दौरान कुल 31 लाभार्थियों का बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया, जिनमें एक पुरुष तथा 30 महिलाओं के ऑपरेशन शामिल हैं। शिविर के सफल संचालन के लिए बाहर से आई चिकित्सकों की विशेष टीम ने अपनी सेवाएं दीं। ऑपरेशन प्रक्रिया में डॉक्टर एस. के. सिंह एवं डॉक्टर नागेंद्र प्रसाद सिन्हा की अहम भूमिका रही। सभी ऑपरेशन निर्धारित समय सारणी के अनुसार और स्वास्थ्य विभाग द्वारा तय मानकों का पालन करते हुए किए गए। अस्पताल परिसर में ऑपरेशन से पूर्व सभी लाभार्थियों की आवश्यक चिकित्सकीय जांच की गई। जांच के बाद ही उन्हें ऑपरेशन के लिए उपयुक्त पाया गया। ऑपरेशन के पश्चात मरीजों को आवश्यक दवाइयां दी गईं और कुछ समय तक चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया, ताकि किसी प्रकार की जटिलता न उत्पन्न हो। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी धर्मनाथ ठाकुर ने बताया कि शिविर का उद्देश्य परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को सुरक्षित एवं स्थायी साधन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि सभी मरीजों की स्थिति सामान्य है और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है।

झारखंड माध्यमिक व इंटर परीक्षा-2026 को लेकर बरही अनुमंडल में निषेधाज्ञा लागू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : झारखंड माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा-2026 को शांतिपूर्ण एवं कदाचार-मुक्त संपन्न कराने के उद्देश्य से बरही अनुमंडल में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। यह परीक्षा दिनांक 03 फरवरी 2026 से प्रारंभ हो रही है। परीक्षा केंद्रों के आसपास भीड़, असामाजिक तत्वों की गतिविधियों तथा विधि-व्यवस्था की संभावित समस्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। अनुमंडल दंडाधिकारी बरही जोहन टुडू द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 02 फरवरी 2026 से 23 फरवरी 2026 तक अथवा परीक्षा की समाप्ति तक निषेधाज्ञा लागू करने का आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, परीक्षा केंद्र के 100 मीटर की परिधि में परीक्षार्थियों एवं परीक्षा में प्रतिनियुक्त कर्मियों/पदाधिकारियों के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति का प्रवेश वर्जित रहेगा। साथ ही इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार के हरवे हथियार एवं आग्नेयास्त्र का प्रदर्शन, परिवहन एवं परिचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा, हालांकि प्रतिनियुक्त पुलिस कर्मियों को इससे छूट दी गई है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि परीक्षार्थी परीक्षा भवन में केवल प्रवेश-पत्र एवं परीक्षा-उपयोगी पेन/इंस्ट्रूमेंट ही साथ ले जा सकेंगे। किसी भी प्रकार का बैग, मोबाइल, टैबलेट, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, इलेक्ट्रॉनिक पेन अथवा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना पूर्णतः वर्जित रहेगा। परीक्षा केंद्रों के केंद्राधीक्षक एवं वीक्षक द्वारा विधिवत जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, परीक्षा अवधि के दौरान परीक्षा केंद्रों के आसपास ध्वनि-विस्तारक यंत्रों के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा तथा 5 या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने या भ्रमण पर रोक लगाई गई है। हालांकि यह आदेश शादी समारोह, बारात, सामाजिक संस्कारों एवं शवयात्रा जैसे कार्यक्रमों पर लागू नहीं होगा।

शिव मंदिर का होगा जीर्णोद्धार, पुरी जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर बनेगा भव्य स्वरूप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

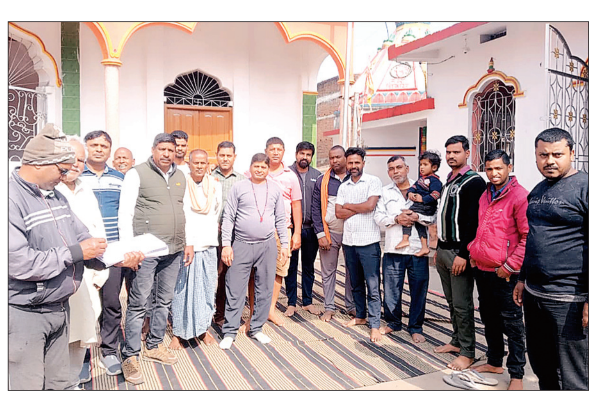

बड़कागांव : बड़कागाब क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को नई ऊँचाई देने के उद्देश्य से शुक्रवार, 30 जनवरी 2026 को एक महत्वपूर्ण पहल की गई। बादम मेन रोड स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में 'बापू ड्रामेटिक क्लब' के सदस्यों और स्थानीय ग्रामीणों की एक अहम बैठक संपन्न हुई, जिसमें मंदिर के कायाकल्प को लेकर बड़ा फैसला लिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मंदिर प्रांगण में स्थित शिव मंदिर का जीर्णोद्धार ओड़िशा के विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ पुरी मंदिर की स्थापत्य शैली के आधार पर किया जाएगा। क्लब के पदाधिकारियों के अनुसार, यह मंदिर न केवल श्रद्धा का केंद्र होगा, बल्कि अपनी विशिष्ट वास्तुकला के कारण पूरे हजारीबाग क्षेत्र के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। मंदिर निर्माण को भव्य रूप देने के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई है, निर्माण सामग्री, मिस्त्री और श्रम लागत मिलाकर कुल 20,00,000 का बजट निर्धारित किया गया है। आर्थिक व्यवस्था और तकनीकी बारीकियों पर चर्चा के लिए 10 फरवरी 2026 को सुबह 10:00 बजे अगली बैठक बुलाई गई है। यह पुनीत कार्य समाज के सहयोग से संपन्न होगा। हम चाहते हैं कि बादम का यह शिव मंदिर अपनी सुंदरता और आध्यात्मिकता के लिए पहचाना जाए। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य रूप से उमाशंकर गुप्ता, त्रिलोकी साव, विक्रम गुप्ता, खेलावन साव, सुरेंद्र गुप्ता, रंजू लाल गुप्ता, जितेंद्र कुमार गुप्ता, संतोष कुमार, दीपक साव, मुंशी साव, आशीष गुप्ता, हरी चरण गुप्ता समेत भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने इस निर्माण कार्य में तन-मन-धन से सहयोग करने का संकल्प लिया।

सवर्ण एकता मंच की महत्वपूर्ण बैठक प्रोवेश रिसॉर्ट में संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सवर्ण समाज की एकजुटता को मजबूत करने तथा भारत सरकार द्वारा लाए गए यूजीसी कानून के विरोध को लेकर शुक्रवार को सवर्ण एकता मंच की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन प्रोवेश रिसॉर्ट में किया गया। बैठक का उद्देश्य समाज को एक मंच पर संगठित कर, कानून के सामाजिक एवं शैक्षणिक प्रभावों पर विचार-विमर्श करना रहा। बैठक में समाज के कई गणमान्य व्यक्ति, बुद्धिजीवी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि वक्र्छ कानून से उच्च शिक्षा व्यवस्था एवं समाज के विभिन्न वर्गों पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। बैठक के दौरान सवर्ण समाज की एकता, संगठनात्मक मजबूती और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात सरकार तक पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने शांतिपूर्ण, संवैधानिक एवं संगठित आंदोलन के माध्यम से अपनी मांगों को रखने पर जोर दिया। सवर्ण एकता मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि आने वाले 1 फरवरी को बड़ा अखाड़ा में एक महत्वपूर्ण बैठक कर समाज के बीच जागरूकता अभियान चलाया जाएगा तथा प्रखंड व जिला स्तर पर बैठकें आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा, साथ ही 1 फरवरी को आहूत बैठक में सवर्ण समाज से अपील किया है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी भूमिका सुनिश्चित कर सवर्ण समाज को एक जुट करें, बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई और समाजहित में एकजुट होकर आगे बढ़ने का संकल्प लिया गया।

संगोष्ठी के दूसरे दिन आयोजित हुए भारत के ख्याति प्राप्त विद्वानों के व्याख्यान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विजन 2047: जनजातीय भाषाएं, संस्कृति और भारतीय ज्ञान परंपरा विषयक संगोष्ठी में अब तक आयोजित सात विशेष व्याख्यान और नौ तकनीकी सत्रों में देश भर से आए विषय विशेषज्ञों एवं पंजीकृत शोधार्थियों ने जनजातीय संस्कृति, भाषाओं एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयाम पर अपने उत्कृष्ट व्याख्यान और आलेख से संगोष्ठी के अकादमिक और बौद्धिक विमर्श को नया आयाम प्रदान किया। डॉ रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण संस्थान के निदेशक नरेंद्र ने आदिवासी दर्शन एवं उसके वैज्ञानिक आधार, वरिष्ठ साहित्यकार पंकज मित्र ने जनजातीय संस्कृति और समकालीन चुनौतियां, नागालैंड विश्वविद्यालय कोहिमा के प्रोफेसर रवि रंजन कुमार ने नागा लोक गीतों में अस्मिता और भारत, डॉ जिंदर सिंह मुंडा ने आदिवासी संस्कृति, भाषा और विश्व दृष्टि के परिपेक्ष में अपने विशिष्ट व्याख्यान से उपस्थित विद्वतजनों और शोधार्थियों को लाभान्वित किया। नॉर्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय मेघालय विश्वविद्यालय के प्रख्यात भाषाविद प्रो ओम प्रकाश ने एंडेंजर्ड लैंग्वेजेस और रिफॉर्मेशन का लिंग्विस्टिक आइडेंटिटी इन मल्टीलिंगुअल नॉर्थ ईस्ट इंडिया विषय पर अपने शोध आधारित गुणात्मक एवं परिमाणात्मक व्याख्यान से विषय की सार्थकता को पूर्ण रूपेण सिद्ध कर दिया। अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय के प्रो पंचानन मोहंती ने इस तथ्य पर संबलता प्रदान किया की मातृभाषा के संरक्षित और सुरक्षित रहने से ही संस्कृति और उसकी सांस्कृतिक चेतना जीवंत रह सकती है। मातृभाषा के संरक्षण से ही संस्कृति संरक्षित व पुष्पित हो सकेगी। प्रो ओम प्रकाश ने पूर्वोत्तर भारत के सभी जनजातीय भाषाओं के स्वरूप और उससे संबंधित आंकड़ों को वैज्ञानिक रूप से प्रस्तुत और विश्लेषित किया। प्रो पतंजलि मिश्रा ने भाषा की शिक्षा एवं शिक्षा की भाषा को मूल आधार बनाते हुए मातृभाषा, लोक भाषा, जनजातीय भाषाओं के विकास पर बल देने की बात कही।

संक्षिप्त खबरें

बसरिया में दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन, प्रमुख मनोज रजक हुए शामिल

बरही : बरही प्रखंड के बसरिया पंचायत स्थित पंचायत सचिवालय में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, हजारीबाग के तत्वावधान में आयोजित कृषक महिलाओं के लिए दो दिवसीय कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन शुक्रवार को किया गया। समापन अवसर पर प्रमुख मनोज रजक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रमुख मनोज रजक ने कहा कि कृषकों को जैविक खेती को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिससे न केवल लागत कम होगी बल्कि स्वास्थ्य एवं पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि जैविक खेती अपनाकर किसान आत्मनिर्भर बन सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान कृषकों को उन्नत बीजों के उपयोग, कीटनाशकों के सही प्रयोग, जैविक खेती की विधि तथा उन्नत पैदावार बढ़ाने के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के उपरांत सभी प्रशिक्षु महिलाओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप, बीटीएम राकेश कुमा, पौधा संरक्षण कर्मी दिलीप कुमार पांडेय, कुंदन कुमार, किसान मित्र राजेंद्र यादव सहित खुशबू कुमारी, सीमा देवी, अफसाना बानो, नीलम देवी, संगीता देवी, सरस्वती देवी, पार्वती देवी, कविता देवी एवं अन्य कृषि प्रशिक्षक व कृषक महिलाएं उपस्थित रहीं।

डीएवी पब्लिक स्कूल में कला प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का सफल आयोजन

बरही : डीएवी पब्लिक स्कूल बरही के प्रांगण में कला प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर हजारीबाग पश्चिम भाग के डीएफओ मौन प्रकाश की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही। उन्होंने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें सदैव अपने आसपास के वातावरण एवं पर्यावरण की रक्षा के लिए तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने बच्चों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित किया । ताकि उनके मन मस्तिष्क में सदैव कुछ न कुछ जानने की प्रक्रिया चरैवेति चरैवेति रहनी चाहिए। उनका मानना था कि यदि पर्यावरण बचेगा तभी हम मानव जाति इस ब्रह्मांड में खुद को व्याप्त कर पाएंगे।कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, सौंदर्यबोध एवं कलात्मक अभिरुचि का विकास करना था। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स, स्केच, क्राफ्ट, मिट्टी की कलाकृतियाँ एवं पुन: उपयोगी वस्तुओं से बनी रचनाएँ आकर्षण का केंद्र रहीं। सोहराय कला की मशहूर कलाकार अनीता देवी ने भी बच्चों को सोहराय कला सीखाने में अपने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञ कलाकारों ने विद्यार्थियों को चित्रकला की विभिन्न तकनीकों, रंगों के प्रयोग तथा कला के महत्व के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नए कौशल सीखे। विद्यालय के प्राचार्य डॉ आशुतोष कुमार मैढ़ ने कला शिक्षक ललन यादव के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास सदैव बच्चों को प्रोत्साहित करते हैं। यही बच्चे आगे चलकर अपने लिए, समाज के लिए, देश के लिए एक बेहतर विकल्प के रूप में प्रस्तुत होंगे। इस कार्यशाला में डीएवी पब्लिक स्कूल झारखंड जोन एफ के सभी विद्यालयों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया यह कार्यशाला दो दिनों के लिए आयोजित की गई है। जिसका समापन 31 जनवरी 2026 को किया जाएगा।

बीएम मेमोरियल स्कूल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

बड़कागांव : प्रखंड के हजारीबाग रोड स्थित अंग्रेजी माध्यम से संचालित बी.एम. मेमोरियल स्कूल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि शहादत दिवस के रूप में मनाई गई। अध्यक्षता प्राचार्य कैलाश कुमार व संचालन शिक्षक आनंद कुमार पासवान ने किया। इस दौरान शिक्षकों व विद्यार्थियों ने फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित किया।मौके पर उपनिदेशक दिनकर कुशवाहा ने राष्ट्रपिता को नमन करते हुए कहा कि सत्य, अहिंसा और अदम्य साहस के बल पर उन्होंने न केवल भारत को आजादी दिलाई,बल्कि पूरी दुनिया को मानवता, शांति और न्याय का मार्ग दिखाया। विचारों की ताकत सबसे बड़ा हथियार होती है और सत्य के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति अंतत: विजयी होता है।हमसब संकल्प लें कि उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारेंगे।विद्यालय के शिक्षा अध्यक्ष रंजीत कुमार ने कहां की राष्ट्रपिता गांधी जी राजनीतिज्ञ और महान स्वतंत्रता सेनानी थे। प्राचार्य कैलाश कुमार ने कहा कि गांधी जी अहिंसा और सत्य के सिद्धांतों को अपनाकर सामाजिक सद्भाव को मजबूत किया। मौके उपप्राचार्य पूनम कुमारी, एरिका टोप्पो, देवंती कुमारी, अंजली मिश्रा ,गंगा भारती, मनीषा कुमारी, अफसाना परवीन ,सावित्री टुडू आदी उपस्थित थे।

भदान के घने जंगलों में अवैध अफीम खेती पर प्रहार, वन विभाग ने आठ एकड़ फसल नष्ट की

चौपारण : प्रादेशिक वन क्षेत्र अंतर्गत भदान के कफार क्षेत्र स्थित घने जंगलों में वन विभाग ने अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 8 एकड़ में लगी अफीम की फसल को नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई वरीय पदाधिकारियों को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई। वनपाल संटू कुमार के नेतृत्व में वन कर्मियों की टीम कफार जंगल पहुंची, जहां डंडों से पीटकर जंगल में फैले अफीम के पौधों को पूरी तरह नष्ट किया गया। वनपाल संटू कुमार ने बताया कि जंगल क्षेत्र में अवैध रूप से अफीम की खेती की जा रही थी। कार्रवाई के दौरान फसल को नष्ट करने के साथ-साथ खेती में संलिप्त लोगों की पहचान की जा रही है। चिन्हित किए गए आरोपियों के विरुद्ध वन अधिनियम के तहत वन वाद दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वन विभाग की इस सख्त कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की खेती करने वालों में हड़कंप मच गया है। वनपाल संटू कुमार ने स्पष्ट किया है कि वन क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध खेती को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

एक नजर

झारखंड में मौसम ने बदला मिजाज, बादल और कुहासे से बढ़ी ठंड

रांची: राजधानी रांची सहित झारखंड के कई जिलों में मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला है। बादलों की आवाजाही और सुबह के समय कुहासा छाए रहने से ठंड में इजाफा हुआ है, जिससे लोगों को दिनभर कनकनी का एहसास हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, यह परिवर्तन देश के उत्तरी हिस्सों में हो रही भारी बर्फबारी के प्रभाव के कारण हुआ है। शुक्रवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से ही बादल और कुहासा छाया रहा, जिससे ठंडी हवाओं का असर बना रहा और दिनभर ठंड महसूस की गई। हालांकि, दोपहर बाद आसमान साफ होने पर लोगों को कुछ राहत मिली। मौसम विभाग ने बताया कि आगामी 3 फरवरी को राज्य के उत्तर-पश्चिमी जिलों—पलामू, गढ़वा, लातेहार और चतरा में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही सुबह के समय हल्के दर्जे का कुहासा छाए रहने की भी आशंका जताई गई है। मौसम में आए बदलाव का असर तापमान पर भी स्पष्ट रूप से देखा गया।

हैबिटेशन मैपिंग में लापरवाही, 804 विद्यालयों के हेडमास्टर पर कार्रवाई तय

रांची : समग्र शिक्षा के तहत आगामी बजट और वार्षिक कार्य योजना के निर्माण से पहले कराई जा रही हैबिटेशन मैपिंग में लापरवाही बरतने वाले विद्यालयों पर शिक्षा विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। राज्य के 804 सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों द्वारा निर्धारित समयसीमा तक हैबिटेशन मैपिंग का कार्य पूरा नहीं किए जाने पर संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई शुरू की जा रही है। इन सभी विद्यालयों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, राज्य के 96.6 प्रतिशत विद्यालयों ने लक्ष्य के अनुरूप हैबिटेशन मैपिंग का कार्य पूरा कर लिया है, जबकि शेष विद्यालयों की लापरवाही पर अब कार्रवाई तय मानी जा रही है। इसी क्रम में राज्य में 11 दिसंबर 2025 से शुरू हुए शिशु पंजी सर्वे की समयसीमा का विस्तार करते हुए इसे अब 15 फरवरी 2026 तक पूरा करने का निर्देश दिया गया है। अब तक 19,060 विद्यालयों ने शिशु पंजी सर्वे का कार्य पूरा कर लिया है, जो कुल लक्ष्य का 55.4 प्रतिशत है। वहीं 12,253 विद्यालयों में सर्वे कार्य जारी है, जबकि 3,065 विद्यालयों ने अब तक सर्वे शुरू नहीं किया है। विभाग ने सभी स्कूलों को मिशन मोड में कार्य करते हुए तय समयसीमा के भीतर सर्वे पूरा करने का निर्देश दिया है।

भू-माफियाओं की दबंगई से ठप पड़ी प्रधानमंत्री आवास योजना

रांची: नगर निकाय चुनाव की सरगर्मी के बीच विकास और जनकल्याण की असल तस्वीर वार्ड संख्या-7 के खोड़हाटोली-कठर कोचा में सामने आई है। जहां भू-माफियाओं की दबंगई और प्रशासनिक उदासीनता के कारण प्रधानमंत्री आवास योजना पूरी तरह ठप पड़ी हुई है। भू-माफियाओं ने रुकवाया काम यहां के 15 आदिवासी परिवार आज भी जर्जर मिट्टी के घरों में रह रहे है। जान जोखिम में डालकर दिन गुजार रहे है। पीड़ितों ने बताया कि उन्हें वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला था। घर निर्माण के लिए जैसे ही पिलर खड़ा किए, वैसे ही भू-माफियाओं ने काम रुकवा दिया।

झारखंड माइनिंग एंड कंस्ट्रक्शन शो में उमड़ी लोगों की भीड़, आधुनिक तकनीक रही आकर्षण का केंद्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के धुर्वा स्थित प्रभात तारा मैदान में ओलंपिया एग्जिबिशन प्राइवेट लिमिटेड के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय झारखंड माइनिंग एंड कंस्ट्रक्शन शो-2026 के दूसरे दिन शुक्रवार को आगंतुकों की भारी भीड़ देखने को मिली। खनन, निर्माण, भारी मशीनरी, उपकरण और अत्याधुनिक तकनीकों से जुड़े स्टालों पर दिनभर उत्साहपूर्ण चहल-पहल बनी रही। आगंतुकों ने विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों के स्टालों का भ्रमण कर नई मशीनों, आधुनिक तकनीकी समाधानों और उन्नत उत्पादों की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। प्रदर्शनी में भाग ले रही कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अपने उत्पादों की विशेषताओं, उपयोगिता और औद्योगिक क्षेत्र में उनके लाभों के बारे में विस्तार से बताया। उद्योग विशेषज्ञों, व्यवसायियों और छात्रों की भी शो में उल्लेखनीय भागीदारी रही। ओलंपिया एग्जिबिशन प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन लोकेश चौधरी और सीईओ एस.के. त्रिपाठी ने कहा कि झारखंड माइनिंग एंड कंस्ट्रक्शन शो-2026 का उद्देश्य राज्य को खनन और निर्माण क्षेत्र के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना है, जहां उद्योग, तकनीक और निवेश एक साथ जुड़ सकें। उन्होंने बताया कि देश-विदेश की अग्रणी कंपनियों को झारखंड जैसे संसाधन-समृद्ध राज्य में अपनी आधुनिक तकनीक, मशीनरी और नवाचार प्रदर्शित करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि शो को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया यह दशार्ती है कि झारखंड में खनन, अवसंरचना और निर्माण क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। यह आयोजन न केवल व्यापारिक नेटवर्किंग को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि स्थानीय उद्यमियों, युवाओं और तकनीकी छात्रों को उद्योग की नवीनतम प्रगति से भी रूबरू करा रहा है। भविष्य में ऐसे और बड़े आयोजनों के माध्यम से झारखंड को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक मानचित्र पर सशक्त पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा संचालित खरीद एवं विपणन सहायता योजना पर एक विस्तृत प्रेजेंटेशन भी दिया गया। इसमें एमएसएमई से जुड़े उद्यमियों, स्टार्टअप्स और प्रतिभागी कंपनियों को योजना के उद्देश्य, लाभ, पात्रता मानदंड और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी गई। साथ ही प्रदर्शनी में लगे स्टालों को हैंड-होल्डिंग सपोर्ट भी प्रदान किया गया, ताकि छोटे और मध्यम उद्यमी सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से उठा सकें। इस अवसर पर एमएसएमई मंत्रालय के सहायक निदेशक गौरव कुमार, शंकर लाल मीणा और यंग प्रोफेशनल कृष्णा राव उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने उद्यमियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें तकनीकी और प्रक्रियागत मार्गदर्शन भी दिया।

उल्लेखनीय है कि झारखंड माइनिंग एंड कंस्ट्रक्शन शो-2026 का समापन शनिवार को होगा। अंतिम दिन भी आगंतुकों के लिए प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा, जिससे अधिक से अधिक लोग खनन और निर्माण क्षेत्र से जुड़ी आधुनिक तकनीकों, मशीनरी और नवाचारों को करीब से देख और समझ सकें।

वीबी-जी रामजी रद करने को लेकर माकपा ने शुरू किया अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की राज्य कमिटी के आह्वान पर केंद्र सरकार की ओर से मनरेगा खत्म कर वीबी-जी रामजी लाए जाने के खिलाफ महात्मा गांधी की जयंति पर शुक्रवार को राज्यव्यापी अभियान शुक्रवार को शुरू किया गया। पार्टी के मेन रोड स्थित राज्य कार्यालय में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के रांची, गुमला, लोहरदगा, खुंटी और गुमला जिले से आए पार्टी के जिला सचिव सहित कार्यकताओं ने अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

इस अभियान के तहत झारखंड के सभी जिलों में पार्टी के कार्यकर्ता गांवों में जाकर मनरेगा जॉब कार्डधारी ग्रामीणों से मिलकर मनरेगा की उपलब्धियों को बताएंगे। साथ ही केंद्र सरकार की वीबी-जी रामजी को रद्द कर मनरेगा को वापस लाने के लिए जनमत तैयार करेंगे। यह अभियान 12 फरवरी तक चलेगा। इसके अलावा केंद्र सरकार के चार लेबर कोड रद करने की मांग पर संयुक्त ट्रेड यूनियन मंच की ओर से आयोजित देशव्यापी हड़ताल के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए झारखंड में भी दो घंटे का रास्ता रोको कार्यक्रम किया जाएगा। इसके पूर्व अभियान का उद्घाटन करते हुए माकपा के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि केंद्र सरकार मजदूरों की जीविका पर हमले कर रही है। एक ओर केंद्र सरकार कार्पोरेट घरानों को खुली छूट दे रही है। वहीं दूसरी ओर मजदूर और किसानों के अधिकारों को सीमित करते हुए उन्हें गरीबी में धकेल रही है।

स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान शुरू गांवों में गोष्ठी कर दी जाएगी जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यमक्षता में समाहरणालय में स्पूर्श कुष्ठण जागरूकता अभियान-2026 और कुष्ठ रोग खोज अभियान के दूसरे चरण 9 से 23 मार्च के क्रियान्वयन को लेकर शुक्रवार को बैठक की। बैठक में उपायुक्त और अन्य अधिकारियों ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर उन्होंने जिले के प्रखंड और ग्रामीण स्तथ पर गोष्ठी का आयोजन करने, आंगनवाडी, स्कूत और स्वास्थ्य केंद्रों में शपथ दिलाने एवं कुष्ठ रोग के प्रति लोगों को जागरूक करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। वहीं सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम 30 जनवरी से 13 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान और एवं कुष्ठ रोग खोज अभियान के दूसरे चरण (एलसीडी 2026) 9 मार्च से 23 मार्च तक चलाया जाएगा। घर-घर होगी जांच कार्यक्रम के दौरान जिन गांवों में पिछले पांच से सात वर्षों के भीतर कुष्ठ रोगी मिले हैं उन गांवों में सहिया और पुरूष कार्यकताओं की ओर से घर-घर जाकर लोगों की जांच की जाएगी और उन्हें कुष्ठ रोग के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस दौरान लोगों को बताया जाएगा कि कुष्ठं इलाज करने से इस रोग को ठीक किया जा सकता है। साथ ही दवा के खुराक का नियमित रूप से सेवन करने से यह रोग पूर्ण रूप से ठीक हो जाता है। गांवों में लोगों को बताया जाएगा कि इस बीमारी का इलाज और इसकी दवा सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में निशुल्क दी जाती है। बैठक में जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ सीमा गुप्ताा, जिला समाज कल्यााण पदाधिकारी, जिला सूचना और जन संपर्क पदाधिकारी, जिला बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य मौजूद थे।

निकाय चुनाव में भाजपा कार्यकर्ता जनकल्याण करने वाले उम्मीदवारों की जीत के लिए करेंगे काम : आदित्य साहू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष व सांसद आदित्य साहू की अध्यक्षता में शुक्रवार को महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई। बैठक में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, मधु कोड़ा, एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और विधायक उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि राज्य में होने जा रहे नगर निकाय चुनाव का श्रेय न्यायालय की सख्ती और भाजपा द्वारा सड़क से सदन तक चलाए गए निरंतर आंदोलन को जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में निकाय क्षेत्रों में लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर हुई है और प्रशासनिक तंत्र हावी है, जिससे आम जनता की समस्याएं अनसुनी रह जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आगामी निकाय चुनाव में सेवा भाव और जनकल्याण को समर्पित राष्ट्रवादी सोच वाले उम्मीदवारों को जीत दिलाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को संकल्पित होकर काम करना होगा। उन्होंने हेमंत सरकार पर आरोप लगाया कि चुनाव को दलीय आधार पर न कराने और बैलेट से कराने की घोषणा कर प्रशासनिक प्रभाव डालने की कोशिश की जा रही है, जिसे भाजपा कार्यकर्ता नाकाम करेंगे।

सेंट जेवियर्स स्कूल में 12वीं के विद्यार्थियों को दिया गया फेयरवेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सेंट जेवियर्स स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के सम्मान में फेयरवेल कम ब्लेसिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के प्रो. धर्मेंद्र कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि प्रो. धर्मेंद्र कुमार ने अपने संबोधन में विद्यालय से जुड़ी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि वे स्वयं सेंट जेवियर्स स्कूल, डोरंडा के पूर्व छात्र रहे हैं और कक्षा 4 तक यहीं अध्ययन किया.इसके बाद उन्होंने सेंट जेवियर्स, हजारीबाग तथा सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची से शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों एवं प्रबंधन को विद्यार्थियों में अच्छे संस्कार और मूल्य विकसित करने के लिए धन्यवाद दिया। विद्यालय के प्राचार्य फादर पुलदेव सोरेंग एस.जे. ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की। साथ ही उन्होंने यह घोषणा की कि जो विद्यार्थी 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करेंगे, उन्हें विद्यालय की ओर से लैपटॉप प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में ले. कर्नल शंकल्प शुक्ला के पिता शुक्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने बेस्ट स्पोर्ट्स पर्सन और बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द ईयर का पुरस्कार प्रदान किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी एक सैनिक के समान है और उसे अपने कर्मों से राष्ट्र को गौरवान्वित करना चाहिए।

झारखंड अब निवेश के लिए पूरी तरह तैयार झारखंड चैंबर की बैठक में मुख्यमंत्री की सराहना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के वर्तमान सत्र की कार्यकारिणी समिति की पांचवीं बैठक चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जामताड़ा, गिरिडीह, खूंटी, गुमला, रामगढ़ और डालटनगंज सहित विभिन्न जिलों के चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधि एवं सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम, दावोस के वैश्विक मंच पर पहली बार झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स को प्रतिनिधित्व प्रदान किए जाने पर व्यापारियों ने एक स्वर में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दूरदर्शी सोच की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि राज्य सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल में झारखंड चैंबर को शामिल किया जाना देश-विदेश के निवेशकों को यह स्पष्ट संदेश देता है कि झारखंड अब निवेश के लिए पूरी तरह तैयार है। सरकार के इस निर्णय से राज्यभर के व्यापारी एवं उद्यमी वर्ग में उत्साह का माहौल है। चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि झारखंड चैंबर राज्य सरकार के साथ मिलकर औद्योगिक विकास एवं रोजगार सृजन के लिए निरंतर सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। बैठक में आधुनिक पावर एंड नेचुरल रिसोर्सेस प्रा. लि. एवं ओरिएंट क्राफ्ट फैशन इंडस्ट्रीज को झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स की पैट्रौन सदस्यता प्रदान की गई। वहीं पंडरा टर्मिनल मार्केट यार्ड के मतगणना कार्यों में उपयोग पर झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा रोक लगाए जाने के निर्णय पर कृषि मंडी व्यापारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। चैंबर ने आगामी निगम चुनाव में मंडी परिसर के उपयोग से बचने के लिए जिला प्रशासन से वार्ता करने की बात कही। महासचिव रोहित अग्रवाल ने इस विषय में न्यायालय में याचिका दायर करने के लिए चैंबर के तत्कालीन अध्यक्ष दीपक कुमार मारू और तत्कालीन महासचिव कुणाल अजमानी के प्रयासों की सराहना की। महासचिव ने जिला स्तर पर पुलिस-व्यवसायी समन्वय समिति की बैठकों से मिल रहे सकारात्मक परिणामों को देखते हुए शीघ्र ही डीजीपी से मिलकर सभी जिलों के एसपी एवं जिला चैंबर पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित करने की बात कही। राज्य में निवेश अनुकूल नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु उद्योग सचिव के साथ बैठक करने की भी घोषणा की गई। चैंबर की गतिविधियां बढ़ाने के उद्देश्य से बैठक में सर्वसम्मति से राम बांगड व प्रवीण लोहिया ने संयुक्त रूप से नई उप समितियों का गठन किया । लैंड रिफॉर्म उप समिति के चेयरमैन किशोर मंत्री, खुदरा व्यवसाय उप समिति के चेयरमैन योगेंद्र पोद्दार तथा बैंकिंग उप समिति में विनय छापड़िया अतिरिक्त चेयरमैन मनोनीत किये गये।

संक्षिप्त खबरें

मंत्री दीपिका पांडेय ने महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि, किया नमन

रांची : मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। इस अवसर पर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और सेवा के आदर्श केवल ऐतिहासिक मूल्य नहीं हैं, बल्कि वे हमारे लोकतंत्र की आत्मा हैं। आज के समय में भी गांधी के विचार सामाजिक सद्भाव, न्याय और समावेशी राष्ट्र निर्माण की दिशा में हमारा मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के विचार आज भी जीवित है। दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि ग्रामीण विकास और पंचायती राज की अवधारणा महात्मा गांधी के स्वराज और ग्राम स्वराज के सपने से जुड़ी हुई है। उसी सोच के अनुरूप राज्य सरकार गांवों को सशक्त बनाने, स्थानीय स्वशासन को मजबूत करने और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने महात्मा गांधी के विचारों को आत्मसात कर आचरण में उतारने का संकल्प दोहराया। मौके पर कई लोग मौजूद थे।

अविनाश कृष्ण को उत्कृष्ट कार्य के लिए मिला अवार्ड

रांची : उपश्रमायुक्त रांची सह जिला कौशल पदाधिकारी रांची अविनाश कृष्ण को उत्कृष्ट कार्य के लिए विभाग की ओर से प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान किया गया। विभागीय मंत्री संजय प्रसाद यादव के द्वारा प्रदान किया गया। झारखंड कौशल उत्कर्ष 2026 कार्यक्रम में श्री कृष्ण को ये सम्मान दिया गया।

जेपीएससी अध्यक्ष ने राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

रांची: झारखंड लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एल. खियांग्ते ने शुक्रवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल ने अध्यक्ष को निर्देशित किया कि राज्य के विश्वविद्यालयों के शिक्षकों की लंबित प्रोन्नति मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रोन्नति प्रक्रिया में देरी शिक्षकों और शैक्षणिक संस्थानों के कार्य में बाधा डाल सकती है, इसलिए इसे प्राथमिकता के आधार पर निपटाना आवश्यक है। जेपीएससी अध्यक्ष ने राज्यपाल के निर्देशों के लिए आभार व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि आयोग इस दिशा में आवश्यक कदम उठाएगा।

रांची में 69वीं राष्ट्रीय स्कूली हॉकी प्रतियोगिता जारी, सेमीफाइनल में पहुंचा झारखंड

रांची : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की मेजबानी में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली हॉकी अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग प्रतियोगिता के 5वें दिन मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। प्रतियोगिता के मैच रांची के मोरहाबादी स्थित जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम, रेलवे एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम हटिया तथा खूंटी में हुए। रेलवे ग्राउंड, हटिया में हुए मैचों का शुभारंभ धीरसेन ए.सोरेंग, ध्यानचंद अवार्ड से सम्मानित अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी सुमराय टेटे, भारतीय हॉकी टीम की पूर्व कप्तान असुंता लकड़ा एवं पूर्व राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी प्रकाश ठाकुर ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और उन्हें जीत की शुभकामनाएं देकर किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन, खेल भावना और उत्कृष्ट तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित किया। संघर्षपूर्ण मुकाबलों के बाद प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची बालक एवं बालिका वर्ग की 16-16 टीमों के बीच कड़े मुकाबले देखने को मिले।

झारखंड में एंबुलेंस सेवा को मजबूती, दो माह में 237 नई एंबुलेंस होगी शामिल

रांची : झारखंड में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में राज्य सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। अगले दो महीनों के भीतर राज्य में 237 नई एंबुलेंस शामिल की जाएगी, जो पुरानी और जर्जर एंबुलेंस का स्थान लेंगी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, वर्तमान में 108 एंबुलेंस सेवा के तहत राज्य में 487 एंबुलेंस संचालित हैं, जबकि 100 से अधिक छोटी एंबुलेंस भी विभिन्न जिलों में कार्यरत हैं। इनमें से करीब 48 एंबुलेंस फिलहाल ऑफ रोड हैं, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि नई एंबुलेंस अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होंगी।

एक नजर

गुरहा के एक घर मे आग लगने से लाखों रुपए का नुकसान

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र के नावाडीह रेलवे स्टेशन के समीप गुरहा निवासी अमेरिका यादव के घर में गुरुवार देर शाम अचानक आग लग गयी। आग की लपटे इतनी तेज थी कि देखते ही देखते आग की लपटे पूरे घर में फैल गया। जिससे घर में रखे लगभग 200 बंडल पुआल जलकर राख हो गया। वही घर की छत व दीवार भी आग की तेज लपटों से फट गया। आग लगा देख अगल-बगल के लोगों में अफरा तफरी मच गयी। ग्रामीणों के द्वारा आग बुझाने के लिए काफी प्रयास किया गया, मगर आग पर काबु नहीं हो पाया।इसके बाद अग्निशामक यंत्र को फोन किया गया और अग्निशामक यंत्र पहुंचकर आग पर काबु पाया। गृह स्वामी ने बताया कि आग लगने से काफी नुकसान हुवा है।

बीएस सिटी कॉलेज के पास झाड़ियों में मिला अज्ञात महिला का शव

बोकारो : झारखंड के बोकारो जिले में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब सेक्टर छह थाना क्षेत्र अंतर्गत बीएस सिटी कॉलेज के समीप झाड़ियों में एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया। शव मिलने की सूचना से इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस के अनुसार, सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले स्थानीय लोगों की नजर झाड़ियों में पड़े शव पर पड़ी। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना सेक्टर छह थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सेक्टर छह थाना प्रभारी संगीता कुमारी और बीएस सिटी थाना प्रभारी सुदामा दास पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, महिला की पहचान छिपाने के उद्देश्य से उसके चेहरे को बुरी तरह क्षतिग्रस्त किया गया है, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। घटनास्थल से महिला के कपड़े बरामद किए गए हैं, जिन्हें जब्त कर फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया। फोरेंसिक विशेषज्ञों ने साक्ष्य जुटाए हैं, वहीं डॉग स्क्वायड की मदद से आसपास के इलाकों की छानबीन की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि महिला की मौत कब और किन परिस्थितियों में हुई।

आरसेटी ने हुटार में लगाया फ्री मोबाइल सर्विसिंग कैंप

खूंटी : ग्रामीण युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी की ओर से ग्राम हुटार में शुक्रवार को एक दिवसीय फ्री मोबाइल सर्विसिंग कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में स्थानीय ग्रामीणों और युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। कैंप का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को मोबाइल मरम्मत की बुनियादी जानकारी देना और खराब पड़े मोबाइल फोन की जांच और सर्विसिंग करना था। आरसेटी के प्रशिक्षित विशेषज्ञों ने मौके पर ही कई मोबाइल फोन ठीक किए और लोगों को मोबाइल की देखभाल, सामान्य तकनीकी समस्याओं की पहचान एवं समाधान के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी। सुबह से ही कैंप स्थल पर ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। हुटार और आसपास के गांवों से पहुंचे लोगों ने इस नि:शुल्क सेवा का भरपूर लाभ उठाया। ग्रामीणों ने बैंक ऑफ इंडिया और आरसेटी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के तकनीकी कैंप युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं और स्वरोजगार की दिशा में मार्गदर्शन करते हैं। आरसेटी अधिकारियों ने बताया कि संस्थान लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रहा है।

राज इंटरनेशनल स्कूल में शहीद दिवस पर महात्मा गांधी को दी गई श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा स्थित राज इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को स्कूल परिसर में आयोजित प्रार्थना सभा में प्रत्येक वर्ष के 30 जनवरी को मनाये जाने वाले शहीद दिवस के बारे में स्कूल के छात्रों को विस्तृत जानकारी दी गई सर्वप्रथम विद्यालय के प्रचार्य राहुल घोष और वरिष्ठ शिक्षक ए के लाल ने गांधीजी के चित्र पर पुष्पार्चन तथा दीप प्रज्वलन किया। इसके बाद प्रिंसिपल राहुल घोष ने शहीद दिवस के बारे में छात्रों को जानकारी देते हुए कहा कि आज ही के तारीख यानि 30 जनवरी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की हत्या गोली मारकर की गयी थी। देश में भारतीय संविधान लागू के पूर्व ही सिरफिरे युवक नाथूराम ने हत्या कर भारतीय इतिहास को रक्तरंजित किया था। उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वतंत्रता की लड़ाई में वे बढ़-चढ़कर हिस्सा बिना हथियार के लिए थे और इस क्रम में कई बार जेल भी गये थे। सत्य -अहिंसा के पुजारी थे। 'हे राम' उनकी अनमोल वचन थे। रघुपति राघव राजा राम सर्व धर्म आधारित भजन है जिसे स्वत: गाये भी और बच्चों से भी गवाने के लिए प्रेरित किया । परीक्षा प्रभारी मोहम्मद इकबाल ने कहा कि महात्मा गांधी को महात्मा की उपाधि रविन्द्रनाथ टैगोर और राष्ट्रपिता की उपाधि नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने दिया था। आज उनके विचारों और सिद्धांतो को आत्मसात कर ही देश को समुन्नत बना सकते हैं। बच्चों से उनकी जीवनी से संबंधित प्रश्न पूछे गये जिसे बच्चों ने जवाब दिया। इस अवसर पर कक्षा 5 द्वार विशेष असेंबली अयोजित की गई है जिसमें महात्मा गांधी के विषय में अंग्रेजी भाषण शादिया तनवीर ने तथा हिंदी भाषा साक्षी प्रिया ने प्रस्तुत किया। क्लास 5 के आदित्य राज, अरिबा फातिमा ने रघुपति राघव राजा राम समूह गीत की प्रस्तुति दी।

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शहादत दिवस पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को दी गई श्रद्धांजलि

कोडरमा : ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आंतरिक गुणवता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में शहादत दिवस के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य, सभी सहायक प्राध्यापक एवं प्रशिक्षुओं द्वारा उनके छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। बी॰एड॰ सत्र 2025-27 की प्रशिक्षु साक्षी कुमारी ने गांधी जी के जीवन वृतांत घटनाओं एवं सामाजिक योगदानों पर विचार साझा किया साथ ही उनके पदचिन्हों को आत्मसात करने हेतु प्रेरित किया। महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक सीताराम यादव ने गांधी जी के शैक्षिक दर्शन पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला और राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदानों से अवगत कराया।

जलडेगा में बीडीओ ने किया विद्यालय का निरीक्षण,एक शिक्षक अनुपस्थित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जलडेगा : प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ प्रवीण कुमार ने राजकीय कृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय हुटूटूआ जलडेगा के बच्चों को पढ़ाया भूगोल, साथ ही निरीक्षण के क्रम में विद्यालय में कुल नामांकन 120 में 102 बच्चे उपस्थित पाए गए। जबकि वर्तमान में कुल चार शिक्षक कार्यरत हैं, निरीक्षण के क्रम में अरविंद कुमार सिन्हा सहायक आचार्य बिना सूचना अनुपस्थित पाए गए। इन्हें स्पष्टीकरण करने का निर्देश प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी को दिया गया। इनके विषय में पूछने पर प्रधानाध्यापक द्वारा कोई भी स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। विद्यालय में मध्यान भोजन के तहत दाल भात सब्जी एवं अंडा बना था, विद्यालय के शौचालय की स्थिति सही नहीं थी। जिसे प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा मरम्मती करने का निर्देश दिया गया। मौके पर बीपीओ मनमोहन कुमार गोस्वामी एवं रिसोर्स शिक्षक प्रदीप कुमार पटेल,15 में वित्त के प्रखंड समन्वयक संजय कुमार आदि उपस्थित थे।

डीएवी कोडरमा में सड़क सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : डीएवी पब्लिक स्कूल, झुमरी तिलैया, कोडरमा के प्रांगण में सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक भव्य एवं प्रभावशाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के प्रशासनिक अधिकारियों, सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों एवं मीडिया प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिवहन पदाधिकारी, कोडरमा विजय कुमार सोनी उपस्थित रहे। अतिथि सम्मान के रूप में जोसेफ टोप्पो, मोटर वाहन निरीक्षक तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अभिषेक मरांडी, आईटी असिस्टेंट (रोड सेफ्टी) ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की मीडिया कवरेज अमरेश कुमार, वीडियोग्राफर (हमारा एंटरटेनमेंट कंपनी) द्वारा की गई। विद्यालय आगमन पर सभी अतिथियों का स्वागत वैदिक परंपरा के अनुसार तिलक लगाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि, विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह, सुपरवाइजरी हेड मौसमी मल्लिक एवं कुमार सतीश सिंह के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह ने स्वागत भाषण के माध्यम से सभी आगंतुकों का अभिनंदन किया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा के माध्यम से सड़क सुरक्षा जैसे गंभीर विषय को अत्यंत प्रभावशाली एवं सृजनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। समृद्धि एवं उनके समूह द्वारा प्रस्तुत स्वागत नृत्य ने कार्यक्रम की सुंदर शुरूआत की। इसके पश्चात सड़क सुरक्षा पर आधारित विशेष ड्रिल एवं नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

बीएफसीएल ने कर्मियों को प्रशिक्षण देकर पर्यावरण को लेकर किया जागरूक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : शहर का बिहार फाउंड्री और कास्टिंग लिमिटेड (बीएफसीएल) प्लांट पर्यावरण संरक्षण को सशक्त करने के लिए लगातार अभियान चला रहा है। शुक्रवार को कंपनी के कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रशिक्षण दिया गया। बीएफसीएल ने अपने हरित भविष्य रोडमैप के तहत एक व्यापक प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान की शुरूआत की है। ग्रीन माइंडसेट प्रशिक्षण से पर्यावरण संरक्षण के प्रति और अधिक संवेदनशील बनाया गया। कंपनी ने तकनीकी प्रशिक्षण के दौरान उत्सर्जन को न्यूनतम स्तर पर रखने के लिए इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर्स और डस्ट कैचर जैसी आधुनिक प्रणालियों के सटीक संचालन की जानकारी दी गई। वर्षा जल संचयन के महत्व और कचरे के वैज्ञानिक निपटान के लिए बताया गया। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान कंपनी ने वर्ष 2025 में हासिल किए गए परिणामों पर भी चर्चा की। प्रदूषण नियंत्रण, पारदर्शिता और निगरानी, प्राकृतिक संतुलन, पौधारोपण के कार्यों को महत्वपूर्ण बताया गया। धूल और उत्सर्जन को रोकने के लिए 5 एंटी-स्मॉग गन, 14 डस्ट कैचर और 67 वॉटर स्प्रिंकलर चलाने की बात कही गई। कार्यक्रम में शहर के प्रमुख स्थानों पर रीयल-टाइम एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने, तालाब के जरिए जल संरक्षण करने और 1200 पौधों का संकल्प लिया गया।

जेएलकेएम को प्रत्याशी घोषित करना पडा महंगा, प्राथमिकी दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निकाय चुनाव को गैर दलीय घोषित किया है। लेकिन झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी (जेएलकेएम) मोर्चा की रामगढ़ इकाई ने इस चुनाव को राजनीतिक रंग दे दिया। शुक्रवार को प्रेस वार्ता कर जेएलकेएम ने नगर परिषद के अध्यक्ष पद के लिए अपने उम्मीदवार अनीता कुमारी के नाम की घोषणा की। उनके नाम की घोषणा होते ही चुनाव आयोग के ऑब्जर्वर सक्रिय हो गए। जेएलकेएम की ओर से जारी किए गए पत्र के आधार पर रामगढ़ डीसी फैज अक अहमद मुमताज ने कहा कि इस मामले में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला बनता है। इस मामले में कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। डीसी के निर्देश पर रामगढ़ थाने में जेएलकेएम के नेताओं और उम्मीदवार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जेएलकेएम के लेटर पैड पर पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो का नाम भी मौजूद है। उन्हीं के निर्देश पर रामगढ़ नगर परिषद के अध्यक्ष पद पर उम्मीदवार की घोषणा की गई है। जिलाध्यक्ष देवानंद कुमार महतो ने कहा है कि केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो और केंद्रीय समिति के निर्देश पर अध्यक्ष पद के लिए अनीता कुमारी को उम्मीदवार बनाया गया है। जेएलकेएम ने नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए हुहुआ, वार्ड संख्या-27 निवासी अनीता कुमारी को प्रत्याशी बनाया है।

राष्ट्रीय कुष्ठ दिवस के अवसर पर पाकरटांड़ में विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : राष्ट्रीय कुष्ठ दिवस के अवसर पर शुक्रवार को पाकरटांड़ पंचायत भवन सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में विधिक जागरूकता फैलाने के साथ-साथ कुष्ठ रोग के प्रति फैली भ्रांतियों को दूर करना तथा सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हेतु लोगों को जागरूक करना रहा। शिविर के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यों,उद्देश्यों एवं नि:शुल्क विधिक सहायता से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि समाज के कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों को न्याय दिलाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार सदैव तत्पर है और आमजन इसके माध्यम से नि:शुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बाल विवाह से होने वाले सामाजिक,शारीरिक एवं मानसिक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित ग्रामीणों से बाल विवाह जैसी कुप्रथा को जड़ से समाप्त करने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में बाल विवाह की रोकथाम हेतु सभी उपस्थित लोगों को शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सिमडेगा जिले में 30 जनवरी से 14 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान तथा 9 मार्च से 23 मार्च तक कुष्ठ रोगी खोज अभियान संचालित किया जाएगा। इन अभियानों के तहत स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा घर-घर जाकर कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्तियों की पहचान की जाएगी,ताकि समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा सके और जिले को कुष्ठ मुक्त बनाया जा सके। शिविर में पारा लीगल वोलेंटियर लालचंद नायक एवं योगेंद्र पंडा सहित काफी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बीडीओ ने दिलाई सड़क सुरक्षा शपथ, नियमों के पालन पर जोर

जलडेगा: प्रखंड कार्यालय परिसर में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सभी कर्मियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। शपथ के दौरान कर्मियों ने यातायात नियमों का पालन करने, सुरक्षित वाहन संचालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग को बढ़ावा देने तथा आम नागरिकों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। मौके पर बीडीओ डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कर्मियों से अपील की कि वे स्वयं नियमों का पालन करें और समाज में भी इसके प्रति जागरूकता फैलाएं। कार्यक्रम में प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

आरक्षी देव कुमार दास ने किया रक्तदान

सिमडेगा : पुलिस अधीक्षक महोदय को सामाजिक कार्यकर्ता प्रभात कुमार के माध्यम से यह सूचना प्राप्त हुई कि पिथरा नवाटोली निवासी बिनोद कुल्लू की 9 वर्षीय पुत्री रोनिका कुल्लू थेलेसिमिया बीमारी से पीड़ित है तथा उसे तत्काल ओ-पॉजिटिव रक्त की आवश्यकता है। ब्लड बैंक में रक्त उपलब्ध नहीं होने के कारण पुलिस अधीक्षक महोदय से सहायता का आग्रह किया गया। उक्त सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशानुसार अपर समाहर्ता के अंगरक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त आरक्षी/502 देव कुमार दास द्वारा सदर अस्पताल, सिमडेगा के ब्लड बैंक में रक्तदान किया गया। आरक्षी देव कुमार दास ने इस मानवीय कार्य के माध्यम से अपनी सामाजिक एवं नैतिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट निर्वहन किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक महोदय ने आरक्षी देव कुमार दास की सराहना करते हुए कहा कि उनका यह कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत है तथा ऐसे मानवीय कार्यों से पुलिस और आम जनता के बीच विश्वास और सहयोग को मजबूती मिलती है। सिमडेगा पुलिस सदैव समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन हेतु प्रतिबद्ध है।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में 'आशीर्वाद समारोह' के साथ छात्रों को दी गई बोर्ड परीक्षा की शुभकामनाएं

कोडरमा : झुमरी तिलैया स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल के प्रांगण में शुक्रवार को कक्षा 10वीं के छात्र-छात्राओं के लिए एक भव्य 'आशीर्वाद समारोह' का आयोजन किया गया। आगामी 17 फरवरी से शुरू होने वाली सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर, छात्रों को मानसिक रूप से सुदृढ़ करने और उन्हें ईश्वरीय आशीर्वाद दिलाने के लिए यह विशेष कार्यक्रम रखा गया। समारोह का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार और पवित्र हवन के साथ हुआ। विद्यालय के शिक्षकों, छात्रों और उनके अभिभावकों ने इस आहुति में सम्मिलित होकर परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन और बच्चों के उज्वल भविष्य की सामूहिक प्रार्थना की। इस धार्मिक अनुष्ठान से पूरा वातावरण सकारात्मक ऊर्जा से भर गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में विद्यालय की डायरेक्टर संगीता शर्मा ने छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने परीक्षा में सफलता के लिए 'स्मार्ट स्टडी' और समय प्रबंधन के महत्वपूर्ण टिप्स साझा किए। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि परीक्षा एक पड़ाव है, जिससे डरने की नहीं बल्कि डटकर सामना करने की जरूरत है। विद्यालय के प्राचार्य गुरु चरण वर्मा ने छात्रों के लिए एक विशेष 'तनाव प्रबंधन' सत्र का संचालन किया। उन्होंने योग और एकाग्रता की सरल तकनीकों के माध्यम से छात्रों को समझाया कि परीक्षा के दबाव के बीच भी खुद को शांत कैसे रखा जाए। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे पर्याप्त नींद लें और आत्मविश्वास के साथ पेपर हल करें। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को विशेष उपहार और चॉकलेट्स प्रदान किए गए। शिक्षकों ने तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर बच्चों को 'ऑल द बेस्ट' कहा। स्कूल से मिले इस स्नेह और मार्गदर्शन से छात्र-छात्राएं अत्यंत उत्साहित नजर आए और उन्होंने बोर्ड परीक्षा में विद्यालय का नाम रोशन करने का संकल्प लिया।

कोडरमा में सामाजिक उत्थान को लेकर हुई अहम बैठक

कोडरमा : सावित्री सुंदर ट्रस्ट के कोडरमा स्थित कार्यालय में राधा स्वामी संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक कुमार शर्मा का शुभ आगमन हुआ। इस अवसर पर ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। भविष्य की योजनाओं पर विशेष मंथन इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य सामाजिक उत्थान और जन कल्याण से जुड़े कार्यों को गति देना था। बैठक के दौरान दीपक कुमार शर्मा ने ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ मिलकर भविष्य की महत्वपूर्ण योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने समाज के वंचित वर्गों की सहायता और क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर अपने बहुमूल्य सुझाव साझा किए। इस विशेष चर्चा के दौरान सावित्री सुंदर ट्रस्ट की पूरी टीम और कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से शामिल थे। उमाशंकर: अध्यक्ष, सावित्री सुंदर ट्रस्ट संदीप कुमार: सचिव रजनीकांत पाण्डेय: कोषाध्यक्ष नोखलाल दास: झारखंड राज्य समन्वयक किशन राणा: मीडिया प्रभारी अन्य सदस्य: बीरेंद्र चौधरी, सोनी कुमारी एवं अन्य। बैठक के अंत में ट्रस्ट की ओर से समाज सेवा के संकल्प को और अधिक दृढ़ता से आगे बढ़ाने की बात कही गई।

एक नजर

लाल वारंटी शिवा ठठेरा को आरपीएफ ने किया गिरफ्तार

सरिया : आरपीएफ पोस्ट हजारीबाग रोड के कांड संख्या 6/12 के लाल वारंटी अभियुक्त शिव साव उर्फ शिवा ठठेरा उर्फ बहरा पिता स्व.कृष्णा साव ग्राम लोको कॉलोनी गोमो वर्तमान पता कोलडीहा (गिरिडीह) को आफ ने गिरफ्तार किया। इस संबंध में निरीक्षक प्रभारी विश्वनाथ कुमार ने बताया कि उक्त व्यक्ति लगभग 15 वर्षों से फरार था। इसके विरुद्ध रेलवे न्यायालय से स्थाई वारंट निर्गत किया गया था.उसे गुप्त सूचना पर शुक्रवार को कोलडीहा गिरिडीह में गिरफ्तार किया गया। ज्ञात हो कि इनके विरुद्ध और बहुत सारे स्थाई वारंट पेंडिंग हैं। गिरफ्तार शिवा ठठेरा रेलवे डिब्बा का पार्सल वैन को तोड़कर उसके सामान की चोरी किया करता था। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया।

जमशेदपुर में राज्य स्तरीय बंगीय उत्सव एक फरवरी को

पूर्वी सिंहभूम : झारखंड में बांग्ला भाषा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से राज्य स्तरीय बंगीय उत्सव 2026 का आयोजन एक फरवरी को बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में किया जाएगा। यह जानकारी शुक्रवार को बंगीय उत्सव समिति के अध्यक्ष और योग गुरु अंशु सरकार ने बिष्टुपुर के मिलानी सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने बताया कि उत्सव सुबह 10 बजे से शुरू होगा और इसमें राज्यभर से कलाकार, साहित्यकार और संस्कृति प्रेमी शामिल होंगे। कार्यक्रम में सरकार योगा अकादमी की ओर से योग प्रदर्शन, चास के पूपिन्की आश्रम और अखंड मंडली की ओर से आध्यात्मिक संगीत, नटराज संगीत विद्यालय चाईबासा एवं मानसी म्यूजिक डांस अकादमी घाटशिला की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र होंगी। जमशेदपुर की सौमी बोस, संदीप बोस और सुदीप्ता दास बसंत थीम पर कथक और रवींद्र संगीत आधारित नृत्य पेश करेंगे। कार्यक्रम में मंत्री दीपक बिरुआ, मुख्य संरक्षक सुप्रियो भट्टाचार्य, डॉ सौरोज्योति दे, गौतम सूत्रधार, संदीप घोष चौधरी, रामकृष्ण मिशन के स्वामीजी और ब्रह्माकुमारी अंजू बहन सहित कई गणमान्य अतिथि शामिल होंगे। आयोजन के दौरान झारखंड की 25 सहयोगी संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा। मौके पर अध्यक्ष पार्थ सारथी चटर्जी, कार्यकारी अध्यक्ष अपर्णा गुहा, महासचिव उत्तम गुहा, इंद्रजीत घोष, पुरबी घोष, मिथिलेश घोष, शुभंकर चटर्जी सहित अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन, जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : शुक्रवार को समाहरणालय भवन स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त, सरायकेला-खरसावां नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार के दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं नगर क्षेत्रों से आए नागरिकों द्वारा प्रस्तुत जनसमस्याओं पर उपायुक्त द्वारा क्रमवार एवं गंभीरतापूर्वक सुनवाई की गई। जनता दरबार में प्रस्तुत प्रमुख प्रकरणों में खरसावां अंचल अंतर्गत हरिभांजा मौजा में सीमांकन के लंबित निष्पादन से संबंधित प्रकरण, नगर पंचायत सरायकेला अंतर्गत सिंदूरकुली टोला में पेयजल एवं स्ट्रीट लाइट से संबंधित समस्याओं का निराकरण, विद्युत खंभों पर एलईडी बल्ब अधिष्ठापन, उत्क्रमित मध्य विद्यालय विचार, कुचाई में शिक्षक के स्थानांतरण के पश्चात उत्पन्न शिक्षक अभाव को देखते हुए विषयगत शिक्षक की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने सहित विभिन्न विभागों से जुड़े अन्य विषय शामिल रहे। उपायुक्त द्वारा विभागीय, अंचल एवं नगर निकाय स्तर के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जनता दरबार में प्रस्तुत सभी प्रकरणों की विधिसम्मत, त्वरित एवं निष्पक्ष जांच करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन मामलों में स्थल निरीक्षण आवश्यक है, वहां अविलंब स्थल निरीक्षण कर तथ्यात्मक प्रतिवेदन समर्पित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को शीघ्र न्याय एवं राहत प्रदान की जा सके।

पर्यटन स्थलों के विकास के लिए सरकार कृतसंकल्पित : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : विधायक रामसूर्या मुंडा ने तिलमा पंचायत स्थित प्रसिद्ध रीमिक्स जलप्रपात क्षेत्र का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामसभा, पंचायत प्रतिनिधियों और पर्यटन मित्रों के साथ बैठक कर पर्यटकों की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था और मूलभूत आवश्यकताओं की समीक्षा की। मौके पर विधायक ने कहा कि झारखंड सरकार पर्यटकों को बेहतर सुविधा और सुरक्षित वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य को एक प्रमुख पर्यटन हब के रूप में विकसित करने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खूंटी जिला प्राकृतिक पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है, इसलिए यहां आने वाले पर्यटकों को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। निरीक्षण के दौरान रीमिक्स फॉल संचालन समिति की ओर से विधायक और पंचायत प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श किया गया। सभी ने जलप्रपात की प्राकृतिक सुंदरता का अवलोकन करते हुए पर्यटन व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर चर्चा की। इस मौके पर तिलमा पंचायत की मुखिया बालकू मुंडा, झामुमो पंचायत समिति सदस्य गंगा राम, वार्ड सदस्य चामू मुंडा, सोमारी मुंडा, श्यामलाल मुंडा, डेमाका मुंडा, राहुल मुंडा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। विधायक ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से अपील किया कि वे पर्यटन स्थलों की स्वच्छता, सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय सहयोग करें, ताकि खूंटी जिला राज्य और देश के पर्यटकों के लिए एक आकर्षक और सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में पहचान बना सके।

सरायकेला में पुलिस ने अवैध हथियार के साथ युवक को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिले के आरआईटी थाना क्षेत्र अंतर्गत इच्छापुर के लाइन टोला में पुलिस ने शुक्रवार को गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान अनिल सरदार उर्फ गोरे के रूप में हुई है, जो इच्छापुर लाइन टोला का ही निवासी बताया जा रहा है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) समीर कुमार सवैया ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि इलाके में एक युवक अवैध हथियार लेकर संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त है। सूचना की पुष्टि के बाद आरआईटी थाना प्रभारी संजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया और इच्छापुर इलाके में घेराबंदी कर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने युवक को मौके पर ही रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से लोहे और लकड़ी से बना एक देसी कट्टा बरामद हुआ। इसके साथ ही पुलिस ने दो जीपीएस सिस्टम और दो डेटोनेटर बॉक्स भी जब्त किए हैं। बरामद सभी सामग्री को जब्त कर लिया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आरोपित का संबंध पूर्व के आपराधिक मामलों से भी सामने आया है। उसके खिलाफ आरआईटी थाना में पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब बरामद जीपीएस सिस्टम और डेटोनेटर बॉक्स के स्रोत, उनके संभावित उपयोग और आरोपित के नेटवर्क की गहनता से जांच कर रही है। सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आरोपित को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद मामले में और भी खुलासे होने की संभावना है।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उपायुक्त ने दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर उपायुक्त आर रॉनिटा ने जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ शुक्रवार को दतिया पहुंचकर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए आलोक शिकारी कच्छप, नजारत उप समाहर्ता कोमल कुमारी, नगर पंचायत की कार्यपालक पदाधिकारी सृष्टि मिंज सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

मौके पर उपायुक्त ने कहा कि महात्मा गांधी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और हमें उनके बताए सत्य, अहिंसा और सेवा के मार्ग को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद उपायुक्त ने दतिया स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। यहां बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे पोषाहार, मेन्यु के अनुसार भोजन, पठन-पाठन की व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित सेविका को निर्देश दिया। इसके साथ ही नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 के मद्देनजर उपायुक्त ने दतिया स्थित मतदान केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने रैंप, पेयजल, शौचालय सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को समय पर दुरुस्त रखने के निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

कैरव गांधी अपहरणकांड में छह आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के सीएच एरिया निवासी युवा उद्यमी कैरव गांधी के अपहरण मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए छह आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। शुक्रवार को एसएसपी पीयूष पांडेय ने पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि इस कार्रवाई के दौरान दो देसी कट्टा, 315 बोर की चार जिंदा गोलियां, घटना में प्रयुक्त नंबर बदली हुई स्कॉर्पियो और कई मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपितों में नालंदा का गुड्डू सिंह, गया का उपेंद्र सिंह, अर्जुन सिंह उर्फ आर्यन, नालंदा सिलहरी का मो. इमरान आलम उर्फ आमिर, रमीज राजा तथा पटना अगमकुआं का मोहन कुमार प्रसाद शामिल हैं। 13 जनवरी को 24 वर्षीय कैरव गांधी का अज्ञात अपराधियों ने अपहरण कर लिया था। इसके बाद नगर पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष के नेतृत्व में विशेष जांच टीम का गठन कर लगातार छापेमारी की गई। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी सर्विलांस और अंतरराज्यीय समन्वय के जरिए अपराधियों की गतिविधियों का पीछा किया गया। पुलिस दबाव बढ़ने पर अपहरणकर्ता युवक को चौपारण और बरही के बीच जीटी रोड पर छोड़कर फरार हो गए, जहां से पुलिस ने उसे सकुशल बरामद कर परिजनों तक पहुंचाया। बाद में बिहार पुलिस के सहयोग से गया, पटना और नालंदा जिले में छापेमारी कर सभी आरोपितों को पकड़ा गया। पूछताछ में गुड्डू सिंह, मो. इमरान और रमीज राजा की निशानदेही पर सर्किट हाउस स्थित साईं मंदिर रोड के पास झाड़ियों से हथियार बरामद किए गए। वापसी के दौरान इन तीनों ने एक आरक्षी का सरकारी हथियार छीनकर फायरिंग की कोशिश की, जिस पर पुलिस की जवाबी कार्रवाई में तीनों के पैर में गोली लगी। उन्हें इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया और छीना गया हथियार भी वापस ले लिया गया। ऑपरेशन में डीएसपी मनोज कुमार ठाकुर, डीएसपी भोला प्रसाद सिंह, डीएसपी सन्नी वर्द्धन और थाना प्रभारी आलोक कुमार दुबे सहित कई पुलिसकर्मी शामिल रहे।

चिरुवां शरीफ में उर्स के दूसरे दिन जलसा आस्था और रौनक से सराबोर हुआ मेला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : गिरिडीह जिले का सरिया प्रखंड के दिल में बसा चिरुवाँ शरीफ एक बार फिर आस्था और मुहब्बत का केंद्र बन चुका है। जहां प्रत्येक वर्ष की तरह बीते गुरुवार को तीन दिवसीय मेले का आरंभ गुसूल के साथ किया गया। जहां देश के विभिन्न राज्यों से हजारों की तादाद में मेले का आनंद लेने जायरीन पहुंचते हैं। बताते चलें कि चीरुवां शरीफ में सूफी संत हजरत सैयद गौस अली शाह रहमतुल्लाह अलैह का प्रसिद्ध मजार शरीफ है।जहां प्रतिवर्ष तीन दिवसीय उर्स का आयोजन होता है। इस उर्स मेल के दौरान बाबा गौस अली शाह के मजार पर 3 दिनों तक चादर पोशी की जाती है। देश के कोने-कोने से आने वाले श्रद्धालु बाबा से देश में अमन चैन की दुआ मांगते हैं। इस संबंध में गौसिया कमेटी के रफीक अंसारी ने बताया कि मेले में जायरिनों की सुख सुविधा का पूरा ख्याल रखा गया है। दूर से आने वाले के लिए ठहरने, खाने-पीने की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। 24 घंटे लंगर की व्यवस्था जारी है।जिसमें लगभग 20 टन अनाज खपत होने के लक्ष्य हैं। मेला परिसर में रोशनी की भी पर्याप्त व्यवस्था है। सुरक्षात्मक दृष्टि से पर्याप्त वॉलिंटियर्स नियुक्त किए गए हैं। वहीं प्रशासन द्वारा भी पुलिस बल की व्यवस्था की गई है। बताया कि बीते 56 वर्षों पूर्व बाबा गौस अली शाह का मजार बना था जो जर्जर हो चुका था।आपसी सहयोग से उस मजार का जीर्णोद्धार कार्य जारी है। 1972 में दीन की तबलीग के लिए यहां तशरीफ लाने वाले और 1981 में परदे में जाने वाले इस महान सूफी संत के लाखों आशिकों का यह सबसे बड़ा आस्था का केंद्र अब नई चमक-दमक के साथ लौट रहा है। पुरानी जर्जर मजार को शहीद कर नई भव्य इमारत का निर्माण अनुयायियों के आपसी सहयोग, खुली दिली दान और समाजसेवियों जैसे नेक लोगों की मेहनत से तेजी से आगे बढ़ रहा है। हर ईंट में आस्था की महक और हर पत्थर में हुजूर की यादें बसी हैं। इस बार उर्स का मेला तो जैसे दोहरी रौनक लेकर आया है। 29 जनवरी को उर्स का पहला दिन गुस्ल-ए-शरीफ के साथ शुरू हुआ।जबकि दूसरे दिन जुम्मे के रोज देर शाम जलसे की महफिल का आयोजन किया गया है। तीसरे दिन भव्य कव्वाली का शानदार मुकाबला होने जा रहा है। जहां गुलाम हबीब पेंटर और अजहर सबरी जैसे मशहूर कव्वाल अपनी आवाज से हुजूर की बारगाह को महका देंगे।मेले की चमक-दमक देखते ही बनती है। हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतिक इस मेले में दोनों समुदाय के लोग आनंदित हैं। मेले का आनंद लेते हुए जमकर खरीदारी की जा रही है। विशाल झूले आसमान छूते नजर आ रहे हैं।मौत का कुआं रोमांच से भर दे रहा है। जादू-टोना के खेल बच्चों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

नगर पंचायत चुनाव के दूसरे दिन अध्यक्ष पद के लिए छः उम्मीदवारों कटाई नाजीर रसीद

सरिया : नगर निकाय चुनाव के मध्य नजर उम्मीदवारों ने नामांकन के दूसरे दिन बड़की सरैया नगर पंचायत में अध्यक्ष पद के छः दावेदारों ने नाजीर रशीद कटवाया। जबकि वार्ड पार्षद के लिए वार्ड 1 से 6 तक के लिए खोले गए काउंटर से आज 12 अभ्यर्थियों ने नामांकन पर्चा खरीदा। वहीं वार्ड 7 से 12 तक के लिए खोले गए काउंटर से आज 14 लोगों ने नाजीर रशीद कटवाए। इस संबंध में निर्वाचि सह अनुमंडल पदाधिकारी संतोष गुप्ता ने बताया कि किसी भी अभ्यर्थियों ने अब तक नामांकन पर्चा दाखिल नहीं किया है।

जोश, जुनून और जीत की गूंज के साथ रंभा शैक्षणिक संस्थान का वार्षिक खेलकूद समारोह संपन्न

जमशेदपुर : रंभा शैक्षणिक संस्थान समूह का दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद समारोह 2026 विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा, अनुशासन, ऊर्जा और खेल भावना का भव्य उत्सव बनकर उभरा। संस्थान परिसर में जैसे ही रंग–बिरंगे गुब्बारे आकाश की ओर उड़े और मशाल प्रज्वलित हुई, पूरा वातावरण उत्साह, उमंग और प्रतिस्पर्धा की भावना से सराबोर हो गया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर एनएसएस प्रोग्राम को–ऑर्डिनेटर, कोल्हान विश्वविद्यालय एवं वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. दारा सिंह गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि समारोह की अध्यक्षता संस्थान अध्यक्ष राम बचन जी ने की। अपने प्रेरक संबोधन में डॉ. दारा सिंह गुप्ता ने कहा कि खेलकूद न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करता है, बल्कि मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाकर आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करता है। आज खेल के क्षेत्र में करियर की असीम संभावनाएँ हैं और विद्यार्थियों को इस दिशा में गंभीरता से आगे बढ़ना चाहिए। अध्यक्ष राम बचन जी ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में कहा कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब वे शिक्षा के साथ–साथ खेल के मैदान में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। खेल अनुशासन, टीम भावना और संघर्ष की सीख देता है, जो जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की कुंजी है। खेल महोत्सव के पहले दिन इनडोर एवं आउटडोर दोनों प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 100 मीटर दौड़, डिस्कस थ्रो, स्किपिंग रेस, जैवलिन थ्रो, हाई जंप, लॉन्ग जंप एवं कबड्डी जैसी रोमांचक स्पर्धाओं में विद्यार्थियों ने दमखम दिखाते हुए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हर मुकाबले में जोश, मेहनत और जीत का जज्बा साफ झलकता रहा। समारोह को सफल बनाने में प्राचार्या डॉ. कल्याणी कबीर के कुशल नेतृत्व में सभी व्याख्याता गणों का सराहनीय योगदान रहा। विशेष रूप से असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सतीश चंद्र, दीपिका महतो, डॉ. दिनेश कुमार यादव, डॉ. किशन कुमार शर्मा, संध्या, मोनीषा संतरा एवं शीतल कुमारी की सक्रिय भूमिका उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का सशक्त एवं प्रभावशाली संचालन डॉ. गंगाभोला एवं डॉ. सुमन लता ने किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ देशभक्ति और गर्व के वातावरण में हुआ।

पारगामा में बंटी ग्रुप द्वारा आयोजित कुंदन कुमार नाइट, दर्शकों पर छाया संगीत का जादू

ईचागढ़ : कुकडू प्रखंड क्षेत्र के पारगामा में श्री श्री सार्वजनिक सरस्वती पूजा बंटी ग्रुप द्वारा आयोजित सुप्रसिद्ध पुरुलिया सिंगर कुंदन कुमार नाईट का उद्घाटन आजसू पार्टी के केन्द्रीय महासचिव हरेलाल महतो, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक कुमार साहू, वरिष्ठ पत्रकार अरुण माझी, भाजपा मंडल अध्यक्ष भरत चन्द्र महतो, मुखिया लालू मांझी, पूर्व पंसस मनोरंजन सिंह सरदार, पंसस प्रतिनिधि महेंद्र नाथ सिंह आदि ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। वहीं आजसू केन्द्रीय महासचिव हरेलाल महतो ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह का आयोजन से क्षेत्र आपसी भाईचारा और एकता कायम होता है। उन्होंने कहा कि इस तरह का आयोजन सबों के सहयोग से प्रति वर्ष हो ,ऐसा कामना करता हूं। वहीं पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक कुमार साहू ने कहा कि सुदुरवर्ती गांव में कुंदन कुमार नाईट का आयोजन सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष ओर भव्य आयोजन किया जाएगा। वहीं खचाखच भरे भीड़ के बीच कुंदन कुमार एवं कलाकारों ने अपनी जलवा दिखाते हुए लोगों का जम कर मनोरंजन कराया। बंगला गीत एवं नृत्य से लोग रोमांचित हुए एवं दर्शक भी झुमके को मजबुर हुए।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–37/2025–.26

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पदनाम :– कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :– दिनांक 06.02.2026 के अपराह्न 1.00 बजे तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक 06.02.2026 को 3.00 बजे अपराह्न तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 07.02.2026 को अपराह्न 3.30 बजे
5. परिमाण विपत्र विक्री का स्थान :– 1) कार्यपालक अभियंता, या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा भवन प्रमण्डल, हजारीबाग में। 2) अधीक्षण अभियंता, या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा भवन अंचल, हजारीबाग में।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :– 01)) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।

क्र. सं.	कार्यकानाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र कामूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Construction of Strong Room and Counting Hall ,Barricading and Brick wall Partition Located in the Campus of Agriculture Marketing Yard to Nagar Nigam By Election -2026 at Hazaribag for the year 2025-26.	2454900/-	50000/-	5000/-	15 day

निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमण्डल, हजारीबाग।

PR.NO.371995 Building(25-26):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा

अति–अल्पकालिन ई–निविदा
आमंत्रण सूचना सं० – 09/2025–26 (प्रथम आमंत्रण)

1.	विभाग का नाम	:–	पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा।
2.	विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता	:–	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,सिमडेगा।
3.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	:–	03.02.2026 के अपराहन् 11:00 बजे तक।
4.	बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	:–	09.02.2026 को अपराहन 05:00 बजे तक।
5.	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई– गवर्नेस, झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	:–	09.02.2026 को अपराहन 05:00 बजे तक।
6.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय (तकनीकी बीड)	:–	10.02.2026 को अपराहन् 05:00 बजे।
7.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम	:–	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,सिमडेगा।
8.	प्रोक्योरमेंट कार्यालय का सम्पर्क नं०	:–	06525–350233
9.	ई–प्रोक्योमेंट सेल का हेल्पलाईन नं०	:–	06525–350233

कार्य विवरणी –

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू०में)	अग्रधन की राशि (रू०में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू०में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सिमडेगा में चापाकलों की मरम्मति एवं सम्पोषण कार्य हेतु यथा आवश्यक 125 x 125 मि०मि० व्यास के हेण्ड पम्प I.M.-II & I.M.-III (65 मि०मि० एवं 50 मि०मि०) के लिए अद्यतन संशोधित IS-15500 (पार्ट– 1–7)/2004 के अनुसार स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति का कार्य वर्ष 2025–26 हेतु।	2877598.00	58000.00	5000.00	28.02.2026

निविदा की नियम एवं भार्त्त की विस्तृत जानकारी वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।
निविदा संबंधी आव यक जानकारी अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रण्मडल, सिमडेगा।

PR.NO.372023 Simdega(25-26):D

रुपये की गिरावट को इतना हल्के में मत लीजिए

भारत और यूरोपीय संघ के बीच हाल में संपन्न मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को सरकार एक ऐतिहासिक आर्थिक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर रही है। यह समझौता निःस्संदेह भारत के निर्यातकों के लिए नए अवसर पैदा करता है और दीर्घकाल में व्यापारिक संबंधों को मजबूती देने की क्षमता रखता है, किंतु इसी उत्सवधर्मी माहौल के बीच एक गंभीर आर्थिक संकेत डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये का निरंतर कमजोर होने को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। देखा जाए तो वर्ष 2013 में जहां एक डॉलर के मुकाबले रुपया लगभग 68 के स्तर पर था, वहीं जनवरी 2026 तक यह 92 (91.95 रुपये प्रति डॉलर) के करीब पहुंच चुका है। लगभग 35 प्रतिशत का यह अवमूल्यन विदेशी मुद्रा बाजार का आंकड़ा आज भारत की एक हकीकत है, जो साफ तौर पर कहता है कि ये स्थिति हमारी अर्थव्यवस्था की गहरी और संरचनात्मक कमजोरियों का दर्पण है। अब इस सच्चाई को न तो वैश्विक परिस्थितियों के बहाने ढंका जा सकता है और न ही मजबूत बुनियादी कारकों के दावों से खारिज किया जा सकता है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के बाद मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने रुपये की गिरावट को उभरते बाजारों की मुद्राओं की सामूहिक कमजोरी का हिस्सा बताया। बेशक; इसमें आंशिक सच्चाई है, वैश्विक स्तर पर डॉलर इंडेक्स 110 के आसपास बना हुआ है और अमेरिका की सख्त मौद्रिक नीति ने डॉलर को मजबूत किया है। किंतु सवाल यह है कि जब वैश्विक दबाव लगभग सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर समान है तब भारत का रुपया अपेक्षाकृत अधिक दबाव में क्यों है? यहीं से घरेलू आर्थिक चूकों की ओर ध्?यान जाता है और इनकी जांच अनिवार्य हो जाती है। पिछले डेढ़ वर्षों में भारत की विदेशी मुद्रा स्थिति कमजोर हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 के पहले आठ महीनों में विदेशी मुद्रा भंडार करीब 40 अरब डॉलर घटकर लगभग 650 अरब डॉलर रह गया। इसी दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी तेज रही। अकेले जनवरी 2026 में लगभग 5 अरब डॉलर का पूंजी बहिर्गमन दर्ज किया गया, जिसका सीधा असर रुपये पर पड़ा। हालांकि यह भी सच है कि 16 जनवरी तक विदेशी मुद्रा भंडार 701.4 अरब डॉलर के स्तर को छू गया था, जिससे भारत लगभग 11 महीनों के आयात को कवर कर सकता है। यह भंडार देश के कुल बकाया विदेशी कर्ज के करीब 94 प्रतिशत के बराबर है और वैश्विक झटकों से निपटने के लिए एक मजबूत लिक्विडिटी बफर प्रदान करता है। पर साथ में यही भंडार भारत की आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था की कमजोर नस को भी उजागर करता है। क्योंकि ये विदेशी मुद्रा जिस तेजी से आती हुई दिखती है, उतनी ही तेजी से अचानक निकासी करती हुई भी दिखी है। यानी कि इस पर भारत की अर्थव्यवस्था को अधिक भरोसा नहीं करना चाहिए। ऐसे ही यह भी एक तथ्य है कि वर्ष 2025 में भारत ने लगभग 800 टन सोने का आयात किया, जिस पर 60 अरब डॉलर से अधिक खर्च हुआ। कोयला, कच्चा तेल और उर्वरकों का आयात बिल भी लगातार बढ़ता गया। परिणामस्वरूप चालू खाते का घाटा (सीएडी) जीडीपी के 2.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, जिसे किसी भी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए खतरे का संकेत माना जाता है। सरकार निर्यात वृद्धि को रुपये की मजबूती का आधार बताती रही है। इसमें संदेह नहीं कि सेवा क्षेत्र का निर्यात प्रभावशाली रहा है। 2005 से 2024 के बीच भारत का सेवा निर्यात ढाई गुना बढ़ा और वैश्विक सेवाओं के निर्यात में उसकी हिस्सेदारी 4.3 प्रतिशत तक पहुंच गई। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल निर्यात 825.3 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर रहा, जिसमें सेवाओं का योगदान 387.6 अरब डॉलर था। दूरसंचार उपकरणों, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयों और ऑटोमोबाइल्स के निर्यात में भी वृद्धि हुई है। लेकिन इसके बावजूद वस्तु व्यापार में भारत भारी घाटे में बना हुआ है। मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट आज भी लगभग 200 अरब डॉलर के आसपास है। यही असंतुलन रुपये पर लगातार दबाव बनाए रखता है और सेवा निर्यात की सफलता इस सच्चाई को छिपा नहीं पाती। अब बात भारत और यूरोपीय संघ के बीच एफटीए की गहराई से करते हैं, जिसके तहत 97 प्रतिशत भारतीय उत्पादों को यूरोपीय बाजार में प्राथमिकता मिलेगी और 70 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर शून्य सीमा शुल्क लागू होगा।

दैनिक पंचांग

31 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

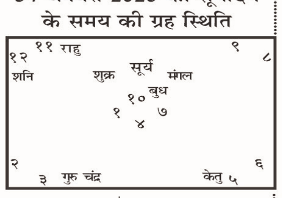

ग्रह	स्थिति
सूर्य	धनु में
चंद्र	मिथुन में
मंगल	धनु में
बुध	धनु में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	धनु में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कुंभ	07.28 बजे से
मीन	09.01 बजे से
मेष	10.32 बजे से
वृष	12.12 बजे से
मिथुन	14.10 बजे से
कर्क	16.23 बजे से
सिंह	18.40 बजे से
कन्या	20.51 बजे से
तुला	23.02 बजे से
वृश्चिक	01.17 ब.से
धनु	03.33 बजे से
मकर	05.38 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 31 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 08.26 बजे तदनन्तर चतुर्दशी 05.53 बजे प्रात: को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 01.34 बजे रात्र को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 13.34 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 08.26 बजे, गर 19.08 बजे तदनन्तर वणिज 05.53 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 12.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 17° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872606
जूलियन दिन 2461071.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान **तारीख** 11

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ– **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

भारत का निम्न मध्यम आय से उच्च मध्यम आय श्रेणी में अग्रसर होना

प्रहलाद सबनानी

भारत आज अपने आर्थिक इतिहास के एक अत्यंत महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर चुका है। पिछले कुछ दशकों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में जिस गति से परिवर्तन और विस्तार देखने को मिला है, उसने न केवल देश के आर्थिक ढांचे को सुदृढ़ किया है बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। यही कारण है कि आने वाले वर्षों में भारत के निम्न मध्यम आय श्रेणी से उच्च मध्यम आय श्रेणी में परिवर्तित होने की प्रबल संभावना व्यक्त की जा रही है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत को निम्न आय श्रेणी से बाहर निकलकर निम्न मध्यम आय श्रेणी में पहुँचने में लगभग 60 वर्षों का समय लगा। वर्ष 1962 में भारत की प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय मात्र 90 अमेरिकी डॉलर थी, जो मिश्रित वार्षिक 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2007 में बढ़कर 910 अमेरिकी डॉलर हो गई। इसी वर्ष भारत को विश्व बैंक द्वारा औपचारिक रूप से निम्न मध्यम आय श्रेणी में शामिल किया गया। यह परिवर्तन भारत की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव था, किंतु इसके पश्चात विकास की गति में जो तेजी आई, वह कहीं अधिक उल्लेखनीय सिद्ध हुई।

यदि सकल घरेलू उत्पाद के आकार पर दृष्टि डालें, तो भारत को वर्ष 2007 में एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में लगभग छह दशक लगे। इसके पश्चात मात्र सात वर्षों में, अर्थात वर्ष 2014 तक भारत का सकल घरेलू उत्पाद बढ़कर दो लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया। इसके अगले सात वर्षों में, वर्ष 2021 तक यह तीन लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुँच गया। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि केवल चार वर्षों के भीतर वर्ष 2025 में भारत ने चार लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था का आंकड़ा भी पार कर लिया। विभिन्न आर्थिक आकलनों के अनुसार आगामी दो से तीन वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद पाँच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर सकता है।

प्रति व्यक्ति आय के संदर्भ में भी भारत की प्रगति इसी प्रवृत्ति को दशार्ती है। वर्ष 2009 में भारत को प्रति व्यक्ति आय के 1,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुँचने में 62 वर्षों का समय लगा था। किंतु इसके बाद केवल दस वर्षों अर्थात वर्ष 2019 में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 2,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुँच गई। वर्तमान अनुमानों के अनुसार वर्ष 2026 तक भारत में प्रति व्यक्ति आय 3,000 अमेरिकी डॉलर और वर्ष 2030 तक 4,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकती है। इसी आधार पर यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2030 तक भारत निम्न मध्यम आय श्रेणी से निकल कर उच्च मध्यम आय श्रेणी में प्रवेश कर जाएगा, जिस श्रेणी में आज चीन और इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हैं।

विश्व बैंक द्वारा विश्व के देशों को प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के आधार पर चार श्रेणियों में विभाजित किया जाता है, जिनमें निम्न आय, निम्न मध्यम आय, उच्च मध्यम आय और उच्च आय शामिल हैं। वर्तमान परिभाषा के अनुसार किसी देश को उच्च आय श्रेणी में शामिल होने के लिए उसकी प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय 13,926 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करनी आवश्यक होती है। भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को सकल घरेलू उत्पाद में औसतन 7.5 प्रतिशत की वार्षिक संयुक्त वृद्धि दर बनाए रखनी होगी। यह वृद्धि दर अव्यावहारिक नहीं मानी जा सकती क्योंकि पिछले 23 वर्षों के दौरान भारत की औसत वार्षिक आर्थिक वृद्धि दर 8.3 प्रतिशत रही है।

इन तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि भारत आगामी कुछ वर्षों में ही प्रति व्यक्ति औसत आय 4,500 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करते हुए उच्च मध्यम आय श्रेणी में शामिल हो सकता है। इसके पश्चात वर्ष 2047 तक उच्च आय श्रेणी में प्रवेश करने के लिए भारत को प्रति व्यक्ति आय को लगभग 18,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुँचाना होगा। इसके लिए आगामी 23 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय में लगभग 8.9 प्रतिशत की संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर की आवश्यकता होगी। यदि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर ऐसी आर्थिक नीतियाँ बनाती हैं, जिनका लाभ समाज के सबसे गरीब और वंचित वर्ग तक सुनिश्चित रूप से पहुँचे तो यह लक्ष्य भी कठिन नहीं प्रतीत होता।

वैश्विक स्तर पर यदि तुलना की जाए तो 139 विकासशील और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से केवल छह देशों की अर्थव्यवस्थाएँ भारत की तुलना में अधिक तेज गति से विकास कर पाई हैं। इसके बावजूद विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत आज भी सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। छोटे देशों के सकल घरेलू उत्पाद का आकार सीमित होने के कारण उनकी प्रतिशत वृद्धि दर अधिक दिखाई देती है, किंतु जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ता है, वैसे-वैसे उच्च वृद्धि दर बनाए रखना कठिन होता जाता है। इस संदर्भ में भारत की आर्थिक उपलब्धियाँ और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं।

विश्व बैंक के आँकड़े यह भी दशार्ते हैं कि वर्ष 1990 में विश्व में निम्न आय श्रेणी के देशों की संख्या 51 थी, जो वर्ष 2024 तक घटकर 26 रह गई है। इसी प्रकार निम्न मध्यम आय श्रेणी के देशों की संख्या भी घटकर 50 रह गई है, जबकि उच्च मध्यम आय श्रेणी के देशों की संख्या बढ़कर 54 और उच्च आय श्रेणी के देशों की संख्या बढ़कर 87 हो गई है। यह परिवर्तन वैश्विक आर्थिक संरचना में हो रहे सकारात्मक बदलाव को स्पष्ट रूप से दशार्ता है।

चीन और गयाना जैसे देशों के उदाहरण इस प्रक्रिया को और अधिक स्पष्ट करते हैं। चीन वर्ष 1990 में मात्र 330 अमेरिकी डॉलर की प्रति व्यक्ति आय के साथ निम्न आय श्रेणी में था, किंतु वर्ष 2010 तक उसकी प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 4,410 अमेरिकी डॉलर हो गई और वह उच्च मध्यम आय श्रेणी में शामिल हो गया। इसी प्रकार गयाना जैसे छोटे देश ने भी कुछ ही दशकों में निम्न आय श्रेणी से निकलकर उच्च आय श्रेणी में स्थान बना लिया। इन उदाहरणों से यह सिद्ध होता है कि यदि उपयुक्त आर्थिक नीतियाँ, संसाधनों का सही उपयोग और राजनीतिक इच्छाशक्ति मौजूद हो तो तीव्र आर्थिक परिवर्तन संभव है।

आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अगले दो से तीन वर्षों में इसके तीसरे स्थान पर पहुँचने की पूरी संभावना है। अनुमान है कि वर्ष 2027-28 तक भारत की अर्थव्यवस्था पाँच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और वर्ष 2035-36 तक दस लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकती है।

इस संपूर्ण विकास यात्रा में समाज की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा समाज को दिए गए पंच परिवर्तन कार्यक्रम, जिसमें नागरिक कर्तव्यों का पालन, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण तथा कुटुम्ब प्रबोधन जैसे विषय शामिल हैं, यदि व्यापक स्तर पर अपनाए जाएँ तो भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई दिशा मिल सकती है। जब समाज, सरकार और संस्थाएँ एकजुट होकर कार्य करती हैं, तभी किसी राष्ट्र का समग्र और संतुलित विकास संभव हो पाता है।

(लेखक, आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ एवं स्तम्भकार हैं।)

भूल से भी न करें कोई भूल, सारा समाज हमारा अपना है

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल

हमारा देश इसीलिए महान है क्योंकि यहां भिन्न-भिन्न विचारधाराएं हैं। लेकिन जब बात राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता की आती है तो समूचा समाज एकजुट होता है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमारी मायावती का ये संदेश देखिए-

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, यूजीसी द्वारा देश के सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों मे जातिवादी घटनाओं को रोकने के लिए जो नये नियम लागू किये गये है, जिससे सामाजिक तनाव का वातावरण पैदा हो गया है। ऐसे वर्तमान हालात के मद्देनजर रखते हुये सुप्रीम कोर्ट का यूजीसी के नये नियम पर रोक लगाने का आज का फैसला उचित। जबकि देश में इस मामले में सामाजिक तनाव आदि का वातावरण पैदा ही नहीं होता, अगर यूजीसी नये नियम को लागू करने से पहले सभी पक्ष को विश्वास में ले लेती और जांच कमेटी आदि में भी अपर कास्ट समाज को नेचुरल जस्टिस के अन्तर्गत उचित प्रतिनिधित्व दे देती।

वास्तव में ये भावना ही हमारे भारतीय समाज को एक करती है। मायावती वो नेता हैं जो सामाजिक न्याय के नाम पर राजनीति में आईं। एक समय तक उनके कटु, तीक्ष्ण बयान भी सुने गए। लेकिन वो अपने तरह की राजनीति है। समाज ने उसे भी स्वीकारा। वो सत्ता के शीर्ष पर भी रहीं। किंतु दूसरी ओर अनुच्छेद 370 के हटाने से लेकर, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, ऑपरेशन सिंदूर और अब 'यूजीसी विवाद'- इन सबमें में राष्ट्रीयता के स्वर को मुखरता से रखा है। क्योंकि वो जानती हैं कि देश प्रथम की भावना के साथ ही समाज चल सकता है। राजनीति अपनी जगह है। सत्ता अपनी जगह है लेकिन सबसे श्रेष्ठ होती है राष्ट्रीय एकता। मायावती जी ने उसी भाव और प्रतिबद्धता को बारंबार समाज के बीच प्रकट किया है। यही हमारे देश की सुंदरता है।

वहीं, सर्वोच्च नियामक संस्था सुप्रीम कोर्ट बारंबार ये बताता है कि संविधान निमार्ताओं की दृष्टि का पालन हर किसी को करना पड़ेगा। उन लोगों से बारंबार निवेदन है जो सुप्रीम कोर्ट के यूजीसी गाइडलाइन को लेकर दिए गए निर्णय को अपने-अपने चश्मे से देख रहे हैं।

यूजीसी की गाइडलाइन का 'जातीय चश्मे' से समर्थन और विरोध करने वालों से निवेदन है कि कृपया इसे अहं का विषय न बनाएं। ये न तो किसी जाति या वर्ग की जीत है और न किसी की हार। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय 'सत्यमेव जयते' के ध्येय वाक्य पर आधारित है। ये समूचा समाज हमारा अपना है। किसी के साथ कोई भेदभाव स्वीकार नहीं किया जा सकता। जो व्यक्ति, दल या नेता- 'आरक्षित और अनारक्षित वर्ग' के नाम पर विद्वेष और विभाजन फैलाए, उन्हें पहली फुर्सत में हमें और आपको ही नकारना होगा।

आप और हम ये समझें कि जहां भी सामाजिक विभाजन की बात आएगी। अलगाव की बात आएगी। हम सब हर उस व्यक्ति और विचार के खिलाफ खड़े होंगे। जो हमारी एकता को तोड़ना चाहते हैं। ये हमारा प्रथम कर्तव्य है।

यूजीसी की नई गाइडलाइन का विरोध इसीलिए है क्योंकि ये संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। ये गाइडलाइन सामाजिक समरसता को तोड़ने वाली और वर्ग के आधार पर विभाजन फैलाने वाली थी। सुप्रीम कोर्ट के यूजीसी की नई गाइडलाइन पर अभी लगाए गए स्टे और टिप्पणी ने ये बताया है कि कोई भी नियम, कानून, दिशा-निर्देश सामाजिक एकता, सुरक्षा और भेदभाव दूर करने के लिए लाए जाते हैं, न कि विभाजन फैलाने के लिए। अशांति और उपद्रव के फैलाने के लिए।

जाति या वर्ग के नाम पर जो लोग उन्माद फैला रहे हैं। एक-दूसरे को अगर जाने-अनजाने किसी भी रुप में आहत कर रहे हैं तो कृपया ये न करें। क्योंकि अगर हम अपनी जातीय पहचान और जातीय दंभ के नाम पर समाज को बांटेंगे तो ये देश को और समाज को बांटने वाला होगा। सही का साथ, गलत का विरोध करना ही चाहिए।

दूषित राजनीति, स्वार्थी तत्व और भारत विरोधी गैंग तैयार बैठी है कि कब हम और आप कोई चूक करें। फिर वो देश में अशांति और वैमनस्य फैलाने में जुट जाएं। सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्णय के बाद से एक गैंग सक्रिय हो गई है। टूलकिट शुरू हो गई है कि जातीय आधार पर लोगों की भावनाओं को हवा दी जाए। किसी को बड़ा और किसी को छोटा बनाने की पुरजोर कोशिशें जारी हो गई हैं। लच्छेदार शब्दों, इमोशनल ढंग से संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करने का अभियान भी बड़ी चतुराई से शुरू हो चुका है। क्योंकि वो ये चाहते हैं कि विभाजन की चिंगारी से समाज को झुलसने के लिए छोड़ दिया जाए। अतएव सावधानी और सतर्कता रखिए।

ये समय 'शब्दों और बौद्धिक युद्ध' का है। देश और समाज के शत्रु घात लगाए बैठे हैं कि कब आपको उद्वेलित किया जाए। कब जातिगत आधार पर समाज को निशाना बनाया जाए। एक-दूसरे को नीचा दिखाने के लिए सोशल मीडिया में कंटेट भी खूब सकुर्लेट किए जा रहे हैं। हम सबकी जो शाश्वत पहचान भारतीय होने की है। हिन्दू होने की है। उसे कमतर दिखाने और जातीय पहचान को बड़ा दिखाने का अभियान भी शातिर बदमाश शुरू कर चुके हैं।

युवाओं से विशेष निवेदन है कि धैर्य के साथ काम करें। आपका समर्थन और विरोध अपनी जगह हो सकता है। आक्रोश और उत्साह अपनी जगह है। लेकिन हम कहीं भी कोई ऐसी बात न कहें, न लिखें, न किसी की ऐसी बात सुनें जो किसी भी प्रकार के विभाजन को हवा देने वाली हो। क्योंकि स्वार्थी राजनीति, विभाजन फैलाने वाले लोग हमें आपस में लड़ा देंगे। इसमें उनके स्वार्थ होंगे। उसमें वो कामयाब हो जाएंगे। लेकिन समाज में अगर भेदभाव या जातीय विभाजन की खाई बनी तो उसे पाटने में न जाने कितना समय लग जाएगा। इससे व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की हानि होनी तय है। क्या हम ये स्वीकार करेंगे?

संपूर्ण हिन्दू समाज हमारा अपना समाज है। संविधान और कानून की परिभाषा में हम - ST/ SC/ OBC/ GENERAL/ EWS – आदि की कैटेगरी में गिने जा सकते हैं। हमारी अलग-अलग जातीय पहचानें हो सकती हैं। लेकिन हम ये याद रखें कि हम सबकी एक विराट पहचान हिन्दू होने की है। ये पहचान राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी हिन्दू होने की है। हमारे बीच में सहमतियां-असहमतियां हो सकती हैं। हम अपनी समस्याओं के हल अपने बीच मिल, बैठकर निकालेंगे। लेकिन कभी भी विचलित नहीं होंगे। उत्तेजना में भेदभाव या विभाजन की बातें नहीं आने देंगे। चाहे ये बात यूजीसी प्रकरण की हो या दूसरी बातों की। हम ये ध्यान रखें कि सामाजिक समस्याओं का हल कोई भी सरकार और प्रशासन नहीं ला सकते हैं। समाज की समस्याओं का हल समाज को ही खोजना पड़ेगा। हम सब भारत माता की संतानें हैं, ये कभी न भूलें। हम ये ध्यान रखें कि अगर हम संगठित हैं, सशक्त हैं तो हमारा राष्ट्र सशक्त और सर्वसमर्थ है। अब तय हमें करना है कि हम देश और समाज को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शिक्षा में समता या नई असमानता: यूजीसी नियमों पर न्यायिक विराम

ललित गर्ग

नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता के नाम पर लागू किए गए नए नियमों ने देश के शैक्षिक और सामाजिक परिदृश्य में एक बार फिर गहरी हलचल पैदा कर दी है। जिस नीति को "समता", "समान अवसर" और "समावेशी शिक्षा" की भावना से जोड़कर प्रस्तुत किया गया, वह व्यवहार में आते ही एक वर्ग विशेष के तीव्र विरोध, व्यापक असंतोष और सामाजिक तनाव का कारण बन गई। स्थिति इतनी विकट हुई कि सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप कर इन नियमों पर अंतरिम रोक लगानी पड़ी। यह रोक न केवल सरकार की नीति-निर्माण प्रक्रिया पर एक प्रश्नचिह्न है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिशयोक्तिपूर्ण और असंतुलित प्रयोग देश को किस दिशा में ले जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते। अदालत ने प्रथम दृष्टया यह माना कि यूजीसी के नए नियमों में स्पष्टता का अभाव है और यही अस्पष्टता उन्हें विवादास्पद बनाती है। यह रोक सरकार को आत्ममंथन का अवसर देती हैकृएक ऐसा अवसर जिसे राजनीतिक टकराव के बजाय सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रश्न यह है कि जो सरकार बार-बार ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्व की बात करती रही है, वह शिक्षा संस्थानों जैसे विचार-निर्माण के केंद्रों में ऐसे नियम क्यों लाई, जिनसे जातिगत पहचान और वर्गीय विभाजन की रेखाएँ और गहरी होने की आशंका पैदा हो गई। भारत का सामाजिक इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि जाति के नाम पर की गई किसी भी नीति ने, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही कल्याणकारी क्यों न रहा हो, समाज को भीतर ही भीतर विभाजित किया है। आरक्षण जैसी संवैधानिक व्यवस्था सामाजिक न्याय के लिए लाई गई थी, लेकिन इसके लंबे प्रयोग ने देश को ऐसे घाव भी दिए हैं, जिनका उपचार आज तक पूर्ण रूप से नहीं हो सका। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में जातिगत आधार को और उभारने वाली किसी भी पहल को लेकर स्वाभाविक रूप से आशंका उत्पन्न होती है।

शिक्षा संस्थान केवल डिग्री बांटने की फैक्ट्रियां नहीं होते; वे समाज की दिशा तय करने वाली प्रयोगशालाएं होते हैं। यहां तैयार होने वाला छात्र केवल नौकरीपेशा व्यक्ति नहीं, बल्कि भविष्य का नागरिक होता है। यदि यही परिसर अविश्वास, वर्ग-संघर्ष और परस्पर शंका के केंद्र बन जाएं, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर उठा विरोध इसी आशंका का प्रकटीकरण है। यह भी विचारणीय है कि समानता और समता के बीच का अंतर नीति-निर्माण में किस हद तक समझा गया। समानता का अर्थ है सबके साथ एक जैसा व्यवहार, जबकि समता का अर्थ है परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संतुलित अवसर देना। यदि समता के नाम पर ऐसे प्रावधान किए जाएं जो एक नए प्रकार की असमानता को जन्म दें, तो वह नीति अपने उद्देश्य से भटक जाती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी बिंदु की ओर संकेत करती है कि नियमों का उद्देश्य भले ही सकारात्मक रहा हो, लेकिन उनकी संरचना और भाषा ने विवाद और भ्रम को जन्म दिया। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पूरे मामले में राजनीतिक रंग तेजी से हावी होता गया। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इसे अपने-अपने हितों के चश्मे से देखना शुरू कर दिया, वोट बैंक की राजनीति से इसे देखा जाने लगा जबकि यह विषय मूलतः शिक्षा सुधार और सामाजिक संतुलन से जुड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कई अवसरों पर यह कहते रहे हैं कि शिक्षा को राजनीति से मुक्त रखा जाना चाहिए और नीतियां दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर बननी चाहिए। फिर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यूजीसी द्वारा बनाए गए इन नियमों में उस दूरदर्शिता और संतुलन का अभाव क्यों दिखा? लगता है कि यूजीसी ने जल्दबाजी में बिना सोचे समझे इसे लागू कर दिया,यदि यूजीसी ने व्यापक संवाद, सभी पक्षों से परामर्श और संभावित दुरुपयोग की आशंकाओं का पूर्व आकलन किया होता, तो शायद यह स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती। नीति बनाते समय केवल कानूनी वैधता पर्याप्त नहीं होती; सामाजिक स्वीकार्यता और नैतिक संतुलन भी उतने ही आवश्यक होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने आदेश के माध्यम से यही संकेत दिया है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी बदलाव से पहले उसके दूरगामी प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

नए नियमों की सबसे बड़ी कमजोरी एवं त्रासदी यही रही कि वे आरक्षित और सामान्य वर्गों को एक-दूसरे के सामने खड़ा करके विद्रोह एवं विरोध में खड़ा कर दिया। यह विभाजनकारी प्रवृत्ति न केवल शिक्षा के वातावरण को दूषित करती है, बल्कि उस राष्ट्रीय एकता की अवधारणा को भी कमजोर करती है, जिसकी बात हम संविधान में करते हैं। किसी भी नीति का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह समाज को जोड़ती है या तोड़ती है। यदि वह अविश्वास और टकराव को बढ़ावा देती है, तो उस पर पुनर्विचार अनिवार्य हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक को किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

सूडोकु नवताल- 7691

★★★★☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7690 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

www.tezraftarlive.com
Follow as on Email-navbiharjh@gmail.com
रांची संस्करण

एक नजर

टाटा स्टील ओएमक्यू डिवीजन की पुष्प और सब्जी प्रदर्शनी शुरू

पश्चिमी सिंहभूम : नोआमुंडी में टाटा स्टील के ओएमक्यू डिवीजन की ओर से आयोजित 35 वीं वार्षिक पुष्प और सब्जी प्रदर्शनी का शुभारंभ शुक्रवार को एमई स्कूल मैदान में हुआ। दो दिवसीय इस आयोजन का उद्घाटन वाइस प्रेसिडेंट (रॉ मटीरियल्स) संदीप कुमार और विशिष्ट अतिथि ज्योति कुमार ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की शुरूआत में ओएमक्यू डिवीजन के जनरल मैनेजर देवाशीष जेना ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन लोगों को बागवानी और कृषि के प्रति जागरूक करने के साथ हरित और सतत जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। उद्घाटन के बाद अतिथियों ने प्रदर्शनी स्टॉलों का भ्रमण कर प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की। मौके पर टाटा स्टील के कई वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, स्थानीय नागरिक, किसान और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे।

उप विकास आयुक्त ने ईवीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण

धनबाद : उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने शुक्रवार को कोहिनूर मैदान स्थित ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ईवीएम कक्ष का सील, सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरे, अग्निशमन यंत्र सहित पूरे परिसर का निरीक्षण किया। साथ ही रख-रखाव एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद उन्होंने बताया कि यह मासिक रूटीन निरीक्षण है। निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार प्रत्येक माह ईवीएम वेयर हाउस की स्थिति का निरीक्षण करना होता है। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, निर्वाचन शाखा के सागर कुमार (भजोहरि), राकेश कुमार, रजाक अंसारी, सजल मंडल सहित अन्य कर्मी मौजूद थे।

सरना विद्यालय में आगजनी, पहली कक्षा का कमरा जलकर खाक

पूर्वी सिंहभूम : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के बागुनहातु स्थित उत्क्रमित मध्य सरना विद्यालय में गुरुवार देर रात अज्ञात असामाजिक तत्वों ने आग दी। इससे स्कूल की पहली कक्षा जलकर खाक हो गया। कमरे में रखी सभी किताबें, कॉपियां, शिक्षण सामग्री और डेस्क-बेंच जलकर राख हो गया। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी, इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार ठाकुर ने बताया कि देर रात को पड़ोस में रहने वाले कंचन दत्ता का उन्हें फोन आया था, लेकिन किसी कारणवश वे कॉल रिसीव नहीं कर सके। सुबह लगभग छह बजे जब उन्होंने वापस फोन किया तो कंचन दत्ता ने बताया कि स्कूल में आग लग गई थी और मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी कमरे की चाबी मांग रहे थे ताकि आग को पूरी तरह बुझाया जा सके। सूचना मिलते ही प्रधानाध्यापक स्कूल पहुंचे तो देखा कि कक्षा एक का पूरा कमरे में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया है। बच्चों के लिए रखी नई किताबें, टीचिंग मैटेरियल, रजिस्टर, ब्लैकबोर्ड के आसपास का हिस्सा और सभी डेस्क-बेंच पूरी तरह नष्ट हो गए। आग इतनी भीषण थी कि कमरे की खिड़कियों के लोहे तक गर्म होकर टेढ़े हो गए हैं। प्राथमिक जांच में आगजनी की आशंका जताई जा रही है। प्रधानाध्यापक ने बताया कि इस विद्यालय में पहले भी कई बार चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। चोर स्कूल से पंखे और अन्य सामान चुरा ले गए थे। शाम ढलते ही कुछ युवक विद्यालय परिसर में बैठकर अड्डेबाजी करते हैं, जिससे असामाजिक गतिविधियों की आशंका बनी रहती है।

रामगढ़ पुलिस अधीक्षक ने की महत्वपूर्ण बैठक अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पतरातू : रामगढ़ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने आज पतरातू स्थित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के कार्यालय में एसडीपीओ गौरव गोस्वामी सहित सभी थाना प्रभारी और ओपी प्रभारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में उन्होंने सभी थाना और ओपी पुराने कांडों की समीक्षा की और लंबित कांडों को शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। एसपी अजय कुमार ने संगठित आपराधिक गिरोह पर नकेल कसने के लिए छापेमारी करने का निर्देश दिया, ताकि क्राइम पर कंट्रोल किया जा सके। उन्होंने कहा कि पतरातू स्थित निमार्णाधीन ओवर ब्रिज में फायरिंग करने वाले अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की जाएगी। इसके लिए एसडीपीओ गौरव गोस्वामी के नेतृत्व में अभियान चलाया जा रहा है। अपराधी शीघ्र ही सलाखों के पीछे होंगे। बैठक में पुलिस इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह, पतरातू थाना के पुअनि शिवलाल कुमार गुप्ता, बासल थाना प्रभारी कैलाश कुमार, भुरकुंडा ओपी प्रभारी उपेंद्र कुमार, भदानी नगर ओपी प्रभारी अख्तर अली, बरकाकाना ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा, पतरातू थाना के एसआई अफजल हुसैन, एएसआई जसीमुद्दीन अंसारी और आईओ आदि शामिल थे। इस बैठक के माध्यम से रामगढ़ पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अपराधियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहने और अपराध पर कंट्रोल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। रामगढ़ पुलिस की इस कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस की इस पहल से आम जनता में सुरक्षा की भावना बढ़ी है और अपराधियों के खिलाफ लड़ाई में पुलिस की यह एक महत्वपूर्ण कदम है। एसपी अजय कुमार ने कहा कि रामगढ़ पुलिस अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएगी। उन्होंने कहा कि अपराधियों को संरक्षण देने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने कहा कि रामगढ़ पुलिस आम जनता के साथ है और उनकी सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर है। बैठक के बाद एसडीपीओ गौरव गोस्वामी ने कहा कि रामगढ़ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपराधियों को शीघ्र ही सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। रामगढ़ पुलिस की इस कार्रवाई से आम जनता में खुशी है। लोगों का कहना है कि पुलिस की इस पहल से अपराधियों में खौफ पैदा होगा और रामगढ़ सुरक्षित होगा।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर रामगढ़ में भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : शुक्रवार को पूरा देश महात्मा गांधी की पुण्यतिथि को श्रद्धा पूर्वक मनाने में जुटा है, रामगढ़ के थाना चौक में स्थित दामोदर नदी के तट पर स्थित गांधी जी की समाधि स्थल पर एक विशेष सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों ने भाग लिया और गांधी जी के आदर्शों को याद किया। सभा का आयोजन मुक्ति धाम संस्था द्वारा किया गया था, जिसका उद्देश्य गांधी जी के आदर्शों को बढ़ावा देना और लोगों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर रामगढ़ की विधायक ममता देवी ने कहा, गांधी जी के संदेश आज भी प्रासंगिक हैं। हमें हिंसा का मार्ग छोड़कर अहिंसा का मार्ग अपनाना चाहिए। हमें हमेशा सत्य का साथ देना चाहिए और झूठ का विरोध करना चाहिए। हमें अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखना चाहिए, तब जाकर राज्य और देश का विकास होगा। उपायुक्त फैज हक अहमद मुमताज ने कहा, महात्मा गांधी केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक रहे हैं। उन्होंने अहिंसा के रास्ते पर चलने के लिए पूरी दुनिया को रास्ता दिखाया है। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने कहा, गांधी जी के संदेश आज भी प्रासंगिक हैं। हमें उनके संदेशों को अपनाने की जरूरत है, जैसे कि स्वदेशी, अहिंसा और स्वच्छता। हमें उनके दिखाएं रास्ते पर चलना चाहिए और आने वाली पीढ़ी को भी प्रेरित करना चाहिए। सभा के दौरान लोगों ने गांधी जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों को याद किया। इसके अलावा, भोले बाबा की शिवलिंग की स्थापना की गई और पुष्पांजलि किया गया। इस सभा में रामगढ़ की विधायक ममता देवी, जिला के उपयुक्त फैज हक अहमद मुमताज, पुलिस अधीक्षक अजय कुमार, डीडीसी आशीष अग्रवाल, एनडीसी रविंद्र कुमार गुप्ता सहित मुक्तिधाम संस्था रामगढ़ के राजकुमार अग्रवाल, कमल बगड़िया, प्रेम किशोर द्विवेदी, मधु गुप्ता सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

महापौर के लिए सात और अध्यक्ष पद के लिए चार नामांकन पत्रों की हुई बिक्री

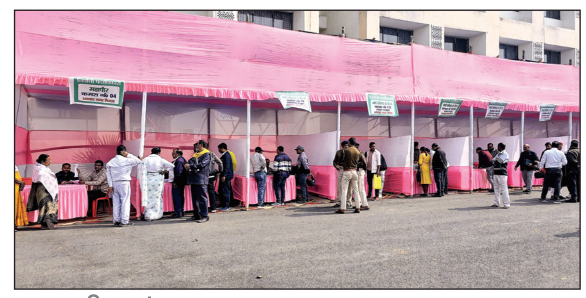

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : नगर निकाय चुनाव में धनबाद नगर निगम क्षेत्र में महापौर के पद के लिए शुक्रवार को सात नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। वहीं चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष पद के लिए चार नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। महापौर के पद के लिए आज दो प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया। जबकि चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद तथा धनबाद नगर निगम के वार्ड पार्षद के लिए एक भी प्रत्याशी ने नामांकन नहीं किया। आज धनबाद नगर निगम के वार्ड एक से पांच तक 14, वार्ड 6 से 10 तक सात, वार्ड 11 से 15 तक 9, वार्ड 16 से 20 तक 7, वार्ड 21 से 25 तक 10, वार्ड 26 से 30 तक आठ, वार्ड 31 से 35 तक 9, वार्ड 36 से 40 तक पांच, वार्ड 41 से 45 तक 11, वार्ड 46 से 50 तक छह एवं वार्ड संख्या 51 से 55 तक 17 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। प्रत्याशियों के मार्गदर्शन के लिए नामांकन पत्रों के बिक्री काउंटर पर स्पष्ट साइन बोर्ड के साथ विशेष काउंटर बनाए गए हैं। वहीं नामांकन के लिए मुख्य प्रवेश द्वार एवं भवन के अंदर स्पष्ट दिशा निर्देश के साथ साइन बोर्ड लगाए गए हैं।

रामगढ़ में मां तारा के भव्य मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ शहर के बाजार समिति के पीछे स्थित महुआ जारा में मां तारा का भव्य मंदिर बनाया गया है। इस मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का शुभारंभ 27 जनवरी से हो चुका है। रामगढ़ में मां तारापीठ का यह पहला मंदिर है, जो श्रद्धालुओं के लिए एक पवित्र स्थल बनने जा रहा है। 27 जनवरी से चल रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह के तहत शुक्रवार को मंदिर परिसर से एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा बाजार समिति के पीछे से आरंभ होकर शहर के गोला रोड, थाना चौक होते हुए दामोदर नदी पहुंची। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल थीं, जो मां तारा के जयकारे लगाते हुए चल रही थीं। दामोदर नदी घाट पर विधिवत रूप से पूजा अर्चना करने के उपरांत कलश में जल भर गया। पुणे दामोदर नदी से आरंभ होकर कलश यात्रा मंदिर परिसर में पहुंचकर संपन्न हो गई। कलश यात्रा में भजन कीर्तन गायक चंदन चौधरी और प्रिया की मधुर आवाज ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। शोभायात्रा में मुख्य रूप से अभिमन्यु प्रसाद कुशवाहा, जय प्रजापति, मनोज राम, दिनेश कुशवाहा, मुकेश कुशवाहा, धीरज राम, किशोर कुशवाहा, दिलीप अग्रवाल, मुरारी अग्रवाल, नीता देवी, रिया देवी, आरती देवी शामिल थीं। मंदिर के पुजारी पुरुषोत्तमानंद तीर्थनाथ ने जानकारी देते हुए बताया कि 31 जनवरी से 8 फरवरी तक श्रीमद् देवी भागवत महापुराण का आयोजन किया गया है। इसके बाद 9 फरवरी को विशाल भंडारा एवं प्रसाद वितरण और पूर्ण होती की जाएगी। यज्ञ आचार्य संदीप तिवारी अयोध्या वाले होंगे। कथा वाचक श्री सिद्धिदात्री मां पीतांबरा शक्तिपीठ स्वामी ब्रह्मा डापुरी महाराज जलगांव महाराष्ट्र वाले होंगे। श्रीमद् भागवत कथा की प्रवक्ता विनीता कुमारी वृंदावन वाली होंगी।

पलामू में भ्रष्टाचार और अपराध चरम पर : देवेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के युवा नेता देवेश तिवारी ने जिले में बिगड़ती कानून-व्यवस्था, संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को लेकर राज्य सरकार और जिला प्रशासन पर आरोप लगाया है। देवेश ने कहा कि जिले में मौजूदा समय में भय और अराजकता का माहौल है। संगठित अपराध लगातार बढ़ रहा है और पुलिस-प्रशासन की निष्क्रियता के कारण जिले में जंगलराज 2.0 जैसी स्थिति उत्पन्न हो चुकी है। देवेश शुक्रवार को शहर के ब्लू बर्ड होटल में प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि नीति आयोग ने पलामू को आकांक्षी जिला घोषित किया है। बावजूद इसके आज भी जिले में उच्च शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और खेलकूद से जुड़ी आधारभूत संरचनाओं का घोर अभाव है। उन्होंने कहा कि पलामू का शायद ही कोई विभाग ऐसा हो, जहां बिना रिश्वत के काम संभव हो। जब कोई जनप्रतिनिधि या सामाजिक कार्यकर्ता भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाता है, तो उसे झूठे मामलों में फंसा दिया जाता है। देवेश ने कहा कि पिछले दो माह में प्रतिदिन औसतन 3 से 5 लोगों की मौत सड़क हादसों में हुई है, जिनमें 15 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की संख्या सबसे अधिक है। उन्होंने ब्लाइंड स्पॉट्स की पहचान और सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन की उदासीनता पर भी सवाल उठाए। देवेश ने कहा कि अब वे इस मुद्दे को लेकर राज्यपाल और मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। यदि इसके बाद भी हालात नहीं सुधरे, तो केंद्र सरकार के समक्ष औपचारिक शिकायत दर्ज कराएंगे। देवेश ने कहा कि जिले में कितने चारपहिया वाहनों को ब्लैक शीशा लगाने की अनुमति दी गई है, इसकी सूची सार्वजनिक करने, आशुतोष तिवारी बनाम सदर सीओ अमरदीप बलहोत्रा मामले में गठित जांच समिति की रिपोर्ट सामने लाने और हिस्ट्रीशीटर, संगठित अपराधियों और भू-माफियाओं के साथ पुलिस-प्रशासन की सांठगांठ की जांच करने की मांग की।

नम्रता बनी कांग्रेस समर्थित मेयर उम्मीदवार, कई संगठनों का समर्थन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी के पुत्री नम्रता त्रिपाठी कांग्रेस पार्टी की ओर से मेदिनीनगर नगर निगर में मेयर पद के लिए उम्मीदवार घोषित की गई हैं। जेलहाता स्थित होटल आरडीएस रमाडा में कांग्रेस सहित विभिन्न संगठनों की बैठक में यह निर्णय लिया गया। व्यवसायी संघ सहित अन्य संगठनों ने अपना समर्थन दिया। कांग्रेस की पलामू जिलाध्यक्ष विमला कुमारी ने शुक्रवार को नम्रता के पार्टी समर्थित उम्मीदवार बनाने की जानकारी दी और उन्हें हर तरह की मदद की बात कही। बैठक की शुरूआत में पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने कहा कि पिछले दिनों टाउन हॉल में व्यवसायी संघर्ष मोर्चा की बैठक में निगम चुनाव में बेहतर और सशक्त उम्मीदवार देने का निर्णय लिया गया था। बैठक में नम्रता के नाम पर मुहर लगाई गयी। नम्रता 03 फरवरी को नामांकन करेंगी। पूर्व मंत्री त्रिपाठी ने मेयर के कार्यकाल की चर्चा करते हुए कहा कि पांच वर्ष के दौरान 1150 करोड़ रुपए कहां खर्च हुए, पता नहीं चला। सरकारी राशि की केवल बंदरबांट की गई। यदि इतने पैसे उन्हें दिए गए होते मेदिनीनगर को नवी मुंबई बनाकर दिखा देते। उन्होंने कहा कि उनके विधायक बनने की राह में रोड़े अटकाए गए, लेकिन वे चाहते हैं कि नम्रता मेयर बनकर मेरी तरह ईमानदारी से निगम और क्षेत्रवासियों का सर्वांगीण विकास करे। वहीं कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार घोषित होने पर नम्रता ने कहा कि जिस उम्मीद से उन्हें उम्मीदवार बनाया गया है, जीतने पर वे खरा उतरने का भरपूर प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि जनता एक बार अवसर दे तो विकास कर के दिखाएंगी। बैठक में व्यवसायी संघ के गणेश गिरी, झारखंड क्रांति मंच के शत्रुघ्न कुमार शत्रु, प्रो. महेन्द्र राम, दीनानाथ तिवारी, रामाशीष पांडेय, बलराम तिवारी, मिथिलेश सिंह, रेखा सिंह, अनिल सिंह, भोला पांडेय, परमदेव सिंह, विनोद तिवारी ने समर्थन की घोषणा की। मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सत्यानंद दुबे, मीठे सिंह, जीशान खान सहित बड़ी संख्या में बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

रामगढ़ में नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 का आगाज

रामगढ़ : नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत शुक्रवार को नामांकन प्रक्रिया की शुरूआत हुई। अध्यक्ष पद के लिए 2 और वार्ड पार्षद पद के लिए 86 अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन पत्र खरीदा। अध्यक्ष पद के लिए सरिता देवी और उमा कुमारी ने नाम निर्देशन पत्र खरीदा, जिससे इन दोनों के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है। सरिता देवी ने अपने समर्थकों के साथ पहुंचकर नामांकन पत्र खरीदा, वहीं उमा कुमारी ने भी अपने पति और समर्थकों के साथ नामांकन पत्र खरीदा। वार्ड पार्षद पद के लिए वार्ड नंबर 11 से फरहद अनिशा, वार्ड नंबर 10 से दिव्या कुमारी और वार्ड नंबर 26 से अरुण कुमार महतो ने नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया। इन तीनों नेताओं ने अपने-अपने वार्ड में विकास और जनकल्याण के मुद्दे पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। नामांकन प्रक्रिया के दौरान जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंदोबस्त किए थे। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद थे। नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। नामांकन प्रक्रिया के बाद अब उम्मीदवारों का पर्चा जांचा जाएगा। इसके बाद उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित की जाएगी। चुनाव आयोग ने उम्मीदवारों के लिए नामांकन प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 में कुल कितने उम्मीदवार मैदान में उतरेंगे, इसका पता नामांकन प्रक्रिया के बाद लगेगा। लेकिन इतना तय है कि यह चुनाव काफी रोमांचक होने वाला है।

राधा गोविंद विश्वविद्यालय में शहीद दिवस का हुआ आयोजन

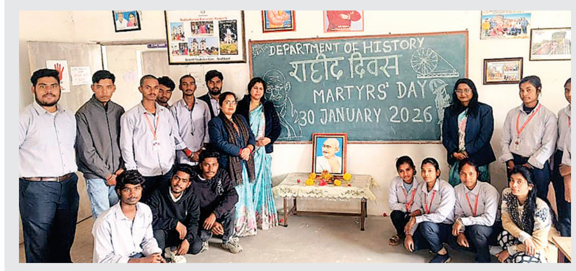

रामगढ़ : राधा गोविंद विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा 30 जनवरी 2026 को शहीद दिवस का गरिमामय और भावपूर्ण आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सहित देश के सभी अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, बलिदान की भावना तथा नैतिक मूल्यों का विकास करना था। कार्यक्रम की शुरूआत शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर की गई, जिसमें उपस्थित सभी पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने श्रद्धा के साथ भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने अपने संबोधन में शहीदों के आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान करते हुए कहा, आज के युवाओं को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को समझना चाहिए। शहीदों का बलिदान हमें एक मजबूत, नैतिक और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देता है। विश्वविद्यालय की सचिव प्रियंका कुमारी ने अपने विचार रखते हुए कहा, इश्तरीख विभाग द्वारा आयोजित इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों में राष्ट्रीय चेतना, देशभक्ति और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि ने शहीदों के योगदान को स्मरण करते हुए कहा, श्हमें उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज और राष्ट्र के निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। विभागाध्यक्ष डॉ. पूनम ने अपने संबोधन में कहा, 30 जनवरी केवल एक तिथि नहीं, बल्कि सत्य, अहिंसा और बलिदान की अमर स्मृति का दिन है। महात्मा गांधी केवल एक व्यक्ति नहीं थे, बल्कि वे एक विचारधारा हैं, जो आज भी समाज को दिशा प्रदान करती है।

डीएवी पब्लिक स्कूल में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

चितरपुर : डीएवी पब्लिक स्कूल, सीसीएल, रजरप्पा में 30 जनवरी 2026 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर शहीद दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। यह दिवस पूरे देश में महात्मा गांधी सहित स्वतंत्रता संग्राम के उन सभी वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए मनाया जाता है, जिन्होंने भारत की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के शिक्षकों एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों द्वारा महात्मा गांधी के चित्र तथा अमर जवान स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर पूरा वातावरण श्रद्धा, सम्मान एवं देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत रहा। पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात शिक्षकों द्वारा महात्मा गांधी के प्रिय भजनों में से एक रघुपति राघव राजा राम का मधुर सामूहिक गायन किया गया। भजन से वातावरण शांत, आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायक बन गया, जिससे उपस्थित सभी लोगों को गांधीजी के सत्य, अहिंसा और सद्भाव के संदेश की गहन अनुभूति हुई। इस अवसर पर विद्यालय के संस्कृत शिक्षक रमेश्वर शर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी के जीवन दर्शन, उनके आदर्शों तथा स्वतंत्रता संग्राम में उनके अमूल्य योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने सत्य, अहिंसा एवं एकता जैसे गांधीवादी सिद्धांतों की आज के समय में प्रासंगिकता पर बल देते हुए सभी से इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन महात्मा गांधी के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने तथा शांति, एकता और राष्ट्रीय अखंडता बनाए रखने की सामूहिक शपथ के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने महात्मा गांधी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया और उनके सपनों का भारत बनाने का आह्वान किया।

दामाद ने ससुर, पत्नी और साली पर चाकू से किया हमला, ससुर की मौत

पलामू : पलामू के छतरपुर थाना क्षेत्र के लठैया के गम्हरिया गांव में पत्नी के मायके से ससुराल नहीं जाने के बाद कहा सुनी में दामाद ने चाकू से पत्नी, ससुर और साली पर हमला कर दिया। इस घटना में ससुर की मौत हो गई, जबकि पत्नी-साली गंभीर रूप से घायल हो गई। दोनों को इलाज के लिए मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। घटना के बाद से आरोपित दामाद फरार है। घटना गुरुवार देर रात हुई। ससुर की पहचान गम्हरिया गांव निवासी सुनील यादव के रूप में हुई है। घायलों में पूजा देवी और उसकी बहन कविता कुमारी शामिल हैं। आरोपित दामाद हैदरनगर थाना क्षेत्र के सोबा बरेवा का लवकुश यादव बताया गया है। जानकारी के अनुसार लवकुश यादव गुरुवार शाम ससुराल गम्हरिया गांव आया था। पत्नी को अपने साथ घर ले जाना चाहता था। वह जाने को तैयार नहीं थी। इसी बात को लेकर रात में दोनों के बीच कहा सुनी हुई। अचानक लव कुश हमलावर हो गया और चाकू से पत्नी पर वार करने लगा। चिखने चिल्लाने की आवाज सुनकर ससुर सुनील यादव बीच बचाव करने लगे। लव कुश ने उन्हें भी चाकू मारा। इसी क्रम में उसकी साली कविता कुमारी भी मौके पर पहुंची और पिता और बहन को बचाने की कोशिश की। आक्रोशित लवकुश ने उसे भी चाकू मार दिया। घटना को अंजाम देने के बाद दामाद मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस रात में ही मौके पर पहुंच गई थी। चाकू लगने से गंभीर हुए ससुर सुनील की मौके पर मौत हो गई। हालांकि इसके बाद भी उन्हें एमएमसीएस लाया गया जहां, उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

एक नजर

दो अलग-अलग बाइक दुर्घटनाओं में दो घायल, एक रेफर

साहिबगंज : बोरियो थाना क्षेत्र के पंडरिया गांव में छोटा साहेब मुर्मू (18) बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं चसगांव निवासी मांझी हेंब्रम (25) बोरियो-बरहेट मुख्य पथ के जिरूल होण्डा शो रूम के पास बाइक से गिर कर घायल हो गया। दोनों घायलों को बोरियो थाना पुलिस के गस्ती पेट्रोलिंग दल के एएसआई देव नारायण साहू के द्वारा बोरियो सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने दोनों घायलों युवक का प्राथमिक उपचार किया। जहां गंभीर रूप से घायल छोटा साहेब मुर्मू को बेहतर ईलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज रेफर कर दिया गया।

माइनिंग मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत माइनिंग एक्ट मामले में 7 साल से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गरम घाट से गिरफ्तार किया है।पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि वर्ष 2018 में अवैध परिवहन में केस दर्ज किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए जिरवाबाड़ी थाना के एसआई सुबोधन मरांडी के नेतृत्व में कटिहार व पूर्णिया के इलाकों में छापेमारी अभियान चलाया। प्रमोद का लोकेशन गरमघाट पर मिलने के बाद उसे हिरासत में लिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि युवक को पूछताछ के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

सीडीएससीओ की टीम ने ब्लड बैंक का किया निरीक्षण

साहिबगंज: सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ओगेर्नाइजेशन, ईस्ट जॉन कोलकाता की विशेष टीम ने शुक्रवार को सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक का निरीक्षण किया। टीम ने ब्लड बैंक में उपलब्ध रक्त संग्रह, जांच प्रक्रिया, भंडारण व्यवस्था, एक्सपायरी डेट, तापमान नियंत्रण, उपकरणों की कार्यशीलता, साफ-सफाई एवं रिकॉर्ड संधारण सहित हर बिंदु पर बारीकी से निरीक्षण किया। टीम ने यह भी देखा कि रक्त संग्रह एवं वितरण की प्रक्रिया ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट व केंद्र सरकार से निर्धारित मानक के अनुरूप है या नहीं। साथ ही ब्लड बैंक कर्मियों से आवश्यक दस्तावेज, लाइसेंस एवं रजिस्टर की भी जांच की। जांच टीम के साथ ड्रग इंस्पेक्टर चंदन कुमार सहित डॉक्टर मोहन मुर्मू, प्रधान सहायक प्रवीण कुमार मौजूद थे।

चोरी के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: तालझारी थाना क्षेत्र के सकरीगली के एक किराना दुकान में हुये चोरी मामले में कांड के अप्राथमिकी अभियुक्त विशाल कुमार चौधरी उर्फ विशाल कुमार को थाना पुलिस ने समदानाला सकरीगली से गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। जिसकी जानकारी देते हुए थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय ने बताया की सकरीगली के किराना दुकान में चोरी हुई थी जिसको लेकर थाना कांड संख्या 12/26 दर्ज किया गया। मामले में समदानाला सकरीगली के विशाल कुमार चौधरी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

साहिबगंज में डीसी ने जिला स्तरीय कृषि मेला का उद्घाटन किया, किसानों को लाभकारी योजनाओं से अवगत कराया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : संयुक्त जिला कृषि भवन परिसर, साहिबगंज में आयोजित जिला स्तरीय कृषि मेलाझसह फल एवं सब्जी प्रदर्शनी 2025-26 का विधिवत उद्घाटन उपायुक्त साहिबगंज, हेमंत सती ने किया। उद्घाटन समारोह में जिले के दूर-दूर से आए किसान, महिला किसान, प्रेस एवं मीडिया प्रतिनिधि, एनजीओ और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि यह मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि यह किसानों को कृषि, उद्यान, भूमि संरक्षण, मत्स्य, पशुपालन, जेएसएलपीएस और अन्य संबंधित विभागों की योजनाओं और नवीनतम तकनीकों से परिचित कराने का मंच है। उन्होंने बताया कि इस बार मेला इस तरह आयोजित किया गया है कि सभी विभागों की योजनाएँ और गतिविधियाँ एक ही स्थान पर किसानों तक पहुँचें और उनका अधिकतम लाभ सुनिश्चित हो। उन्होंने यह भी साझा किया कि पिछले वर्षों के मुकाबले इस बार मेले में महिला किसानों की भागीदारी अधिक रही है, जो कृषि के क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी का स्पष्ट संकेत है। उपायुक्त ने किसानों को प्रेरित करते हुए कहा कि सरकार की योजनाएँ–बीज, खाद, सिंचाई, कृषि यंत्र, पशुपालन, उपज खरीद और अनुदान–सभी किसानों के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे मेले में लगे सभी स्टॉलों का अवलोकन करें, योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करें और उनके लिए लाभकारी योजनाओं का आवेदन करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केवल पौधा देखने तक सीमित न रहकर, किसान नई तकनीक और विभागीय योजनाओं का ज्ञान लेकर जाएं, ताकि उनकी कृषि गतिविधियां और आय बढ़ सके। उपायुक्त ने उपस्थित किसानों से आग्रह किया कि कल भी अधिक से अधिक किसान आएं और अपने साथ अन्य किसानों को भी लाएं, जिससे जागरूकता और लाभ का दायरा बढ़े। यह मेला 31 जनवरी 2026 को भी जारी रहेगा। सभी किसान भाई-बहन अधिक से अधिक संख्या में आएँ और इसका पूरा लाभ उठाएं।

एसपी ने क्राइम मीटिंग में माघी मेला में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल प्रखंड में 31 जनवरी से 6 फरवरी तक राजकीय माघी पूर्णिमा मेला में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी। राजमहल में शुक्रवार को हुई क्राइम मीटिंग में इस विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। अध्यक्षता करते हुए एसपी अमित कुमार सिंह ने कहा कि मेला में किसी भी हाल में सुरक्षा की कोई चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मेला में बैरिकेडिंग, जांच, पुलिस सहायता केंद्र, सीसीटीवी व ड्रोन से निगरानी, पुलिस बलों की तैनाती सहित अन्य व्यवस्था पर चर्चा की गई। मिली जानकारी के अनुसार सिंधी दलान परिसर एंव पुराने थाना भवन में खोया पाया केंद्र व मेला क्षेत्र में कई पुलिस सहायता केंद्र बनाया गया है। श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से बचाने के लिए बैरिकेडिंग व गोताखोरों की नियुक्ति की गई है। सुरक्षा की दृष्टिकोण से ड्रोन के माध्यम से निगरानी की जा रही है। सीसीटीवी से भी गड़बड़ी फैलाने वालों पर नजर रखी जाएगी। बताया जा रहा है कि मेला में सुरक्षा के लिए 109 दंडाधिकारी, दुमका, देवघर, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ एवं साहिबगंज जिले के 100 से अधिक पुलिस पदाधिकारी, 500 से अधिक पुलिस बल, एनडीआरएफ की 30 सदस्सीय टीम को सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया है। मेला क्षेत्र में 24 घंटे कंट्रोल रूम कार्यरत रहेगा।

शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराएं मैट्रिक व इंटर परीक्षा : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में आगामी 03 फरवरी से प्रारंभ होने वाली मैट्रिक एवं इंटर परीक्षा की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, सभी परीक्षा केंद्र अधीक्षक, स्टैटिक मजिस्ट्रेट सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती ने बताया कि जिले में मैट्रिक परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या 7989 है। जबकि, इंटर परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या 4502 है। जिले में मैट्रिक परीक्षा को लेकर कुल 21 केंद्र एवं इंटर परीक्षा के लिए 08 केंद्र बनाया गया है। प्रश्न पत्रों एवं उत्तर पुस्तिकाओं को रखने के लिए संबंधित प्रखंड के राष्ट्रकृत बैंक एवं कोषागार को चिन्हित किया गया है। वहीं उपायुक्त ने परीक्षा संचालन को लेकर कड़े निर्देश देते हुए कहा कि प्रश्न पत्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रश्न पत्र एवं उत्तर पुस्तिकाओं को सीसीटीवी निगरानी में सुरक्षित रखा जाए। साथ ही सभी परीक्षा केंद्रों पर बिजली, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, पेयजल सहित आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उपायुक्त ने कहा कि परीक्षा का संचालन पूरी तरह सीसीटीवी निगरानी में किया जाएगा। प्रश्न पत्र ले जाने वाले दंडाधिकारी एवं पुलिस बल अपने-अपने प्रखंड के स्ट्रांग रूम से समय पर प्रश्न पत्र एवं उत्तर पुस्तिकाएं प्राप्त कर परीक्षा प्रारंभ होने से एक घंटे पूर्व संबंधित परीक्षा केंद्र तक पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे।

आदिवासी महाकुंभ में जुटेंगे लाखों श्रद्धालु, गंगा तट पर जाहेरथान व मांझीथान का निर्माण शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल उत्तरवाहिनी गंगा तट पर 31 जनवरी से सात दिवसीय राजकीय माघी पूर्णिमा मेला लगेगा। इसकी तैयारी में प्रशासनिक पदाधिकारी जुटे हैं। विदिन व सफाहोड़ समाज के आदिवासी श्रद्धालु अपने धर्म गुरुओं के साथ गंगा तट के आसपास क्षेत्र में अखाड़ा का निर्माण कर रहे हैं, विदिन समाज की ओर से गंगा तट पर अस्थायी मांझी व जाहेरथान का भी निर्माण धर्म गुरु अभिराम मरांडी की देखरेख में की जा रही है. वहीं, सफाहोड़ आदिवासी अपने धर्मगुरु जीवन मरांडी, बुद्ध मुर्मू, मनमय मरांडी, राम बाबा व बड़कू मुर्मू की देखरेख में अखाड़ा का निर्माण कर रहे हैं। प्रशासन की ओर से भी आदिवासी श्रद्धालुओं के ठहरने को लेकर पंडाल का निर्माण गंगा तट व मेला क्षेत्र में कराया जा रहा है। माघी पूर्णिमा मेला में आदिवासी व गैर आदिवासी श्रद्धालु लाखों की संख्या में गंगा तट पर बनाये जा रहे अस्थायी मांझी व जाहेरथान, माघी पूर्णिमा मेल पर गंगा स्नान करते हैं। आदिवासी श्रद्धालु अपने धर्म गुरुओं के साथ गंगा स्नान व गंगा पूजन के बाद लोटा में जल लेकर अखाड़ा में पहुंचकर भींगे कपड़े में ही पूजा करते हैं। गुरु शिष्य की निष्ठा व मां गंगा के प्रति आस्था यहां देखने को मिलती है। मरांग बुरु रूपी भगवान शिव व भगवान श्रीरामचंद्र की भी पूजा-अर्चना की जाती है। वेद से जुड़ा है। विदिन धर्म अभिराम विदिन समाज सुसर बैसी धर्म गुरु अभिराम मरांडी ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी लाखों की संख्या में विदिन समाज के श्रद्धालु झारखंड के अलावा पश्चिम बंगाल, बिहार व पड़ोसी देश नेपाल के श्रद्धालुओं का जुटान 31 जनवरी से 6 फरवरी के बीच होगा. एक साथ सामूहिक रूप से उत्तरवाहिनी गंगा स्नान के बाद मांझीथान व जाहेरथान में जलाभिषेक किया जायेगा। कहा कि आदिकाल से विदिन समाज सनातन धर्म के प्रति सच्ची श्रद्धा के साथ पूजा कर रहे हैं।

पीएचडी विभाग के लापरवाही से पाइप से पानी बहकर घरों में घुसा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : इन दोनों जिला प्रशासन के द्वारा पेयजल योजना को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक पर बैठक करते आ रहे हैं फिर भी आम जनता का हाल बेहाल है। वही नगरपालिका क्षेत्र अंतर्गत सदर प्रखंड कार्यालय स्थित हटिया परिसर में पीएचडी के द्वारा पानी का पाइप बिछाया गया था जो अचानक शुक्रवार की सुबह करीब 6:00 बजे पाइप से पानी बहने लगा। चारो तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा था। वही पानी गरीब जनता के घर में पानी प्रवेश हो जाने से आम जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में पूर्व वार्ड पार्षद के पति मोहम्मद चुन्नू खान ने बताया कि पीएचडी विभाग के द्वारा यह पानी का पाइप बिछाया गया था। जो बिछाने के बाद पाइप का छेद बंद नहीं किया था। जिस कारण से पानी चलते ही इस छेद से पानी निकलना शुरू हो गया। देखते ही देखते पानी घर में प्रवेश हो गया जिससे घर में रखें अनाज पूर्ण तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। इसकी जानकारी पीएचडी विभाग को दिया गया, लेकिन खबर भेजे जाने तक ना ही पानी बंद हुआ है ना ही कोई कर्मचारी यहां पहुंचा है यह तो जिला प्रशासन की साफ उदासीनता दशार्ती है। आखिर गरीब जनता जाए तो जाए कहां यह बात भी सोचने वाली है। समाचार लिखे जाने तक पानी बह ही रहा था।

शहीद दिवस पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को किया नमन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में शहीद दिवस के अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार एवं सिविल सर्जन डॉ सुरेन्द कुमार मिश्रा तथा उपाधीक्षक, सदर अस्पताल डॉ मनीष कुमार ने सर्वप्रथम सदर अस्पताल परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इसके पश्चात कुष्ठ रोग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने एवं समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट जागृति के तहत स्पर्श कुष्ठ जागरूकता रथ को समाहरणालय परिसर से उपायुक्त मनीष कुमार, सिविल सर्जन डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्रा तथा उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ. मनीष कुमार द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि कुष्ठ रोग के प्रति समाज में जागरूकता लाने के उद्देश्य से 30 जनवरी से 14 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जागरूकता रथ के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आमजनों को कुष्ठ रोग से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने, इसके प्रारंभिक लक्षणों की पहचान एवं समय पर उपचार के लिए जागरूक किया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि जागरूकता रथ जिले के सभी प्रखंडों में भ्रमण कर लोगों को कुष्ठ रोग के लक्षणों की जानकारी देगा तथा रोग की पहचान होते ही निःशुल्क मल्टी ड्रग थेरेपी (एमडीटी) लेने के लिए प्रेरित करेगा। साथ ही लोगों को आवश्यक सावधानियों के पालन, समय पर जांच कराने एवं नियमित उपचार के माध्यम से कुष्ठ रोग को पूर्णतः ठीक किए जाने की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कुष्ठ रोग पूरी तरह से उपचार योग्य बीमारी है तथा समय पर इलाज से इससे होने वाली विकलांगता को रोका जा सकता है। समाज में जागरूकता ही इस रोग के उन्मूलन का सबसे प्रभावी माध्यम है। उपायुक्त ने आमजनों से अपील की कि कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्तियों के प्रति किसी प्रकार का भेदभाव न करें तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में सहयोग करें। इसके उपरांत उपायुक्त ने सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एमटीसी सेंटर का जायजा लिया तथा मरीजों से संवाद कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। इस क्रम में उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार वाहन के धक्के से टूटा तोरण द्वार

साहिबगंज: बोरियो संथाली ब्लॉक गेट के समीप सिदो-कान्हू तोरण द्वार में अहले सुबह अज्ञात वाहन के जोरदार टक्कर मार देने से गेट क्रेक कर गया। तोरण द्वार गिरने की स्थिति में पहुंच गया था। बिजली का हाई टेंशन तार भी टूट कर गिर गया। बिजली तार गिरने से अफरा-तफरी मच गयी। वाहन का आवागमन करीब 10 मिनट तक बंद रहा। तोरण द्वार के क्रेक होने की सूचना स्थानीय प्रशासन बीडीओ नागेश्वर साव एवं थाना प्रभारी रोहित कुमार को ग्रामीणों द्वारा दी गयी। तत्काल ग्रिड से बिजली काटी गयी। बिजली मिस्त्री द्वारा टूटे बिजली तार को हटाया गया। बीडीओ नागेश्वर साव ने तत्काल त्वरित कारवाई करते हुए जेई को जेसीबी को मंगा कर क्षतिग्रस्त सिदो-कान्हू तोरण द्वार को तोड़ कर हटाने का आदेश दिया।

साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर शहीद दिवस पर स्वतंत्रता सेनानियों को दी श्रद्धांजलि

साहिबगंज: शहीद दिवस के अवसर पर पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर मंडल के विभिन्न रेलवे प्रतिष्ठानों में श्रद्धा और सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के नेतृत्व में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ शाखा अधिकारी एवं कर्मचारी डीआरएम कार्यालय प्रांगण में एकत्रित हुए और शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा। साहिबगंज रेलवे स्टेशन, सहित प्रमुख रेलवे स्टेशनों में भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा दो मिनट का मौन रखकर देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले वीर सपूतों को नमन किया गया। इस अवसर पर मालदा मंडल द्वारा राष्ट्र की एकता, अखंडता तथा स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को स्मरण करते हुए राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई गई।

ग्रामीणों ने अवैध मिट्टी उत्खनन व परिवहन को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

साहिबगंज: राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिणी बेगमगंज गांव के स्थानीय सैकड़ों लोगों ने गंगा किनारे से हो रहे अवैध मिट्टी उत्खनन व परिवहन पर रोक लगाने की मांग को लेकर शुक्रवार को माजेदटोला बड़ा पुल के पास विरोध प्रदर्शन किया है। विरोध प्रदर्शन कर रहे फारुख मोहम्मद शेख, सामजद शेख,कौशर आलम,मुजम्मिल शेख,शमसेर शेख, अहमद रेजा, आलमगीर शेख, नूर अलम शेख, जब्बार शेख, इमादुर शेख, जाल्ली शेख, अफसर शेख, यासीन शेख, सहित अन्य लोगों का कहना है कि थाना क्षेत्र के श्रीधर दियारा पंचायत के 10 नंबर कालोनी के दक्षिण पूर्व दिशा एंव दोगाछी में गंगा नदी के किनारे से बड़े पैमाने पर अवैध रूप से मिट्टी उत्खनन किया जा रहा है। इस धंधे में मिट्टी उत्खनन करने में प्रतिदिन 150 से 200 ट्रैक्टर लगे रहते हैं। जहां सड़कों पर मिट्टी लदा ट्रैक्टर-ट्रॉली के दौड़ने से काफी धूल उड़ती है, जिससे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। ट्रैक्टर के परिचालन से आवागमन बाधित हो गया है। बच्चों को स्कूल आने-जाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। सड़कों पर दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। ट्रैक्टर ओवरलोडेड होने के कारण उड़ती धूल से जहां फसलों को नुकसान हो रहा है तो वहीं पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। मिट्टी उत्खनन से गंगा किनारे उपजाऊ भूमि भी बर्बाद हो रही है। साथ ही दियारा क्षेत्र के नदी किनारे जमीन का भौगोलिक बनावट को भी प्रभावित कर रहा है। इसके अलावा मिट्टी की अवैध उत्खनन करने से झारखंड सरकार को सालाना लाखों रूपए का राजस्व का भी नुकसान हो रहा है। वहीं सड़क पर ट्रैक्टर ट्राली के अंधाधुंध चलने के कारण समय से पहले सड़क जर्जर होकर गड्ढे में तब्दील हो जाते हैं,जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है। इसी तरह मिट्टी उत्खनन किया जाए तो भविष्य में और जान मार की क्षति पहुंच सकती है। 5 मार्च 2025 को सड़क पर ओवरलोडेड मिट्टी लदा ट्रैक्टर के चपेट में आने से एक मासूम बच्ची की जान चली गई।ग्रामीणों ने अवैध मिट्टी उत्खनन पर रोक लगाने की मांग की है। साथ ही इस धंधे में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। जिसको लेकर क्षेत्र में आक्रोश है।

प्रशासन, कोल कंपनी व कोल माइंस क्षेत्र के ग्रामीणों के बीच त्रिपक्षीय वार्ता संपन्न

पाकुड़ : जिला प्रशासन के पहल पर बीते गुरुवार को महीने भर से ग्रामीण एवं डी बी एल कोल कंपनी के बीच चल रहे गतिरोध को दूर करने को लेकर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आलूबेड़ा डाक बंगला मैदान में जिला प्रशासन, स्थानीय कोल कंपनी एवं परियोजना से प्रभावित विस्थापित गांव के ग्रामीणों के बीच त्रिपक्षीय वार्ता हेतु एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त बैठक में जिला प्रशासन के तरफ से अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, सिविल एसडीओ साइमन मरांडी, जिला भू अर्चन पदाधिकारी अजय बराइक, जिला खनन पदाधिकारी नितेश कुमार, अंचलाधिकारी औसफ अहमद खान, सीडीपीओ महेशपुर विजय कुमार, थाना प्रभारी मदन शर्मा सहित पीएसपीसीएल के एजेंट राकेश कुमार सिंह, डीबीएल कोल कंपनी के प्रोजेक्ट हेड सह एबीपी बृजेश कुमार, वरीय महाप्रबंधक मनोज कुमार सिन्हा, वरीय समन्वय प्रबंधक संजीव कुमार सिंह समेत आलूबेड़ा के सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे। विदित हो कि पछुवाड़ा सेंट्रल कोल माइंस से विस्थापित व प्रभावित ग्रामीण अपने विभिन्न मांगो को लेकर पूर्व में भी कोयले का उत्खनन व परिवहन ठप कर चुके हैं। इसके बाद जिला प्रशासन की पहल पर गुरुवार को यह त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि केंद्रीय कॉल ब्लॉक के लिए पूर्व में ही जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है और दोबारा अधिग्रहण कर नए सिरे से जमीन का मुआवजा देने का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए ग्रामीण किसी के बहकावे में ना आए ना ही कोई अनुचित कार्य करें कंपनी के अधिकारियों ने भी ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि अगले तीन माह के भीतर क्षेत्र में विद्यालय और अस्पताल का जो पूर्व में बने हुए हैं उसे भवन का मरम्मत कर सभी आवश्यक सुविधाएं ग्रामीणों को दी जाएगी, साथ ही अस्पताल में दो चिकित्सकों की नियुक्ति की जाएगी।

राज्यपाल के कंधे पर हाथ रखकर चलने लगे नीतीश

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर सलामी के दौरान हाथ जोड़कर खड़े रहे CM

पटना। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को पटना के गांधी घाट में राजकीय समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान महात्मा गांधी को सलामी दी गई। सलामी के दौरान मुख्यमंत्री हाथ जोड़े खड़े रहे।सलामी से पहले नीतीश कुमार राज्यपाल साथ-साथ गांधी घाट में जाते दिखे। इसे दौरान मुख्यमंत्री ने पहले राज्यपाल आरिफ मोहम्मद को नमस्कार किया फिर उनके कंधे पर हाथ रख दिया। इसके बाद नीतीश कुमार राज्यपाल के कंधे पर हाथ रखकर चलने लगे। कार्यक्रम में पहुंचने पर नीतीश कुमार ने राज्यपाल को इशारों में कुर्सी भी ऑफर की। राज्यपाल ने फिर नमस्कार किया और कुर्सी पर बैठ गए। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा समेत कई मंत्री, जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। सभी ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महात्मा गांधी के सिद्धांतों और विचारों पर चलते हुए देश का नेतृत्व कर रहे हैं। सबका साथ, सबका विकास का मंत्र गांधी जी के विचारों से प्रेरित है और आज उसी के जरिए देश और समाज को आगे बढ़ाने का काम किया जा रहा है।' भू-माफियाओं के खिलाफ सिर पर कफन बांधकर निकला हूं राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में व्याप्त गड़बड़ियों पर सख्त रुख अपनाते हुए उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा, 'हम भू-माफियाओं के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रहे हैं। मैं जिस क्षेत्र से चुनाव लड़ा हूं। वहां अपराधियों से लड़कर चुनाव जीता है। भू-माफियाओं को साफ संदेश देना चाहता हूं कि मैं सिर पर कफन बांधकर इस लड़ाई में उतरा हूं। मैंने अटल जी के विचारों को अपना आदर्श माना है। इसी प्रेरणा से वह बिना किसी डर और दबाव के भू-माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं और आगे भी यह अभियान जारी रहेगा।' भू-माफिया के साथ खड़े अधिकारी बख्शे नहीं जाएंगे विजय कुमार सिन्हा ने दो टूक कहा कि उनके अभियान का जो भी विभागीय अधिकारी या कर्मचारी विरोध करेगा, वह भू-माफिया, दलाल और बिचौलियों के लिए काम करने वाला माना जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता के हित में काम करने वाले कर्मियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। गलत काम पर कार्रवाई तय भूमि सुधार जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान एक अंचल अधिकारी (सीओ) को निलंबित किए जाने के सवाल पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी पदाधिकारी गलत करेगा, प्रमाण मिलने पर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वह जल्द ही जनता के बीच जाकर भूमि सुधार जनसंवाद कार्यक्रम करेंगे और अगला कार्यक्रम मिथिलांचल क्षेत्र के दरभंगा में आयोजित किया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

महिला की मिली लाश, हाथ-पैर बंधा था

समस्तीपुर। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चकनूर रहमतपुर गांव के पास बूढी गंडक नदी में एक महिला की लाश मिली है। शव के हाथ-पैर बंधे हुए है।बड़ी संख्या में मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। हालांकि किसी ने भी महिला की पहचान नहीं की। महिला के हाथ में इंट्राकेट भी लगा हुआ था। संभावना जताई जा रही है कि महिला की मौत जहरीले पदार्थ खाने से हुई है उसका उपचार करने का प्रयास किया गया है। लेकिन मौत होने के बाद शव का हाथ पैर बांधकर बूढी गंडक नदी में फेंक दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाने की पुलिस ने नदी से शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। रहमतपुर घाट के पास लोगों ने आज सुबह बूढी गंडक नदी में महिला का शव उपलाता हुआ देखा। हल्ला होने पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी मुफस्सिल पुलिस को दी।मुफस्सिल थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अजीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। शव को नाव से जाकर बाहर खींचा गया, तो शव के साथ पत्थर भी बांधा हुआ था। हाथ और पांव को भी साड़ी से बांधा गया था। जिससे पहली नजर में यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। पत्थर खोलकर महिला के शव को नदी से बाहर निकाला गया। शव देखने से लग रहा है कि इसकी मौत 24 से 48 घंटे पहले हुई होगी। शव सड़ा नहीं था।संभावना यह भी जताई जा रही है कि महिला के शव को किसी दूसरे स्थान से लाकर यहां पर फेंका गया है। महिला के बाएं हाथ में इंट्राकैट लगा हुआ था । जबकि, हाथ पांव को साड़ी से बांधा गया था। शव निकालने के लिए कर्मी जब नदी के अंदर गए, तो उसके शरीर में पत्थर भी बांधा हुआ मिला है। शव की अभी पहचान नहीं हो पाई है। मामले की जांच की जा रही है। शरीर पर कहीं जख्म के निशान नहीं है। हाथ में इंट्राकैट होने के कारण यह भी संभावना जताई जा रही है कि नशीली पदार्थ खाने के बाद महिला का कहीं पर उपचार कराया गया है, मौत हो जाने के बाद शव को लाकर फेंक दिया गया।

गयाजी के फायरिंग रेंज में बम ब्लास्ट; नाबालिग की मौत

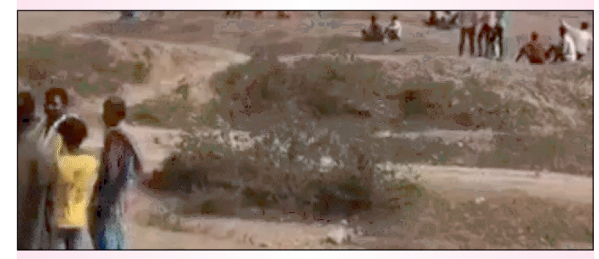

गयाजी। फायरिंग रेंज में बम का गोला चुनने गए दो नाबालिगों में से एक की मौत हो गई। जबकि, दूसरा घायल है। जख्मी को इलाज के लिए मगध मीडियल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। मामला बाराचट्टी थाना क्षेत्र के बमेंर पंचायत के देवरी डुमरी का है। सौरभ (15) की मौत हो चुकी है, जबकि मुकेश कुमार गंभीर रूप से जख्मी है। मरने व घायल होने वाले दोनों लड़के नाबालिग हैं। बाराचट्टी पुलिस मामले की जांच में अपने स्तर से जुट गई है। फायरिंग रेंज में गुरुवार से फायरिंग प्रैक्टिस चल रही थी। राजगीर से सीआरपीएफ की टुकड़ी प्रैक्टिस कर रही थी। इन्होंने तीन दिनों के लिए फायरिंग रेंज को बुक किया था। फायरिंग रेंज भारतीय सेना का है। सीआरपीएफ ने एक ही दिन में फायरिंग प्रैक्टिस पूरी कर ली और वापस चली गई थी। सीआरपीएफ का कहना है कि फायरिंग शुरू होने के पहले रेंज से जुड़े आसपास के गांव के लोगों को विधिवत इत्तला किया गया था कि प्रतिबंधित रेंज में न जाएं। इसके बावजूद सेना या सीआरपीएफ की ओर से विस्फोट किए गए बम गोला व ग्रेनेट के वेस्टेज चुनने के लिए रेंज में लोग चले जाते हैं। जिससे जानलेवा दुर्घटना हुई है। थानाध्यक्ष अमरेंद्र किशोर ने बताया कि फायरिंग रेंज प्रतिबंधित है। रेंज में जाने की अनुमति आम जनता को नहीं है। मुकेश व सौरभ फायरिंग रेंज में कबाड़ चुनने गए थे। तभी बम फट गया। इससे दुर्घटना हुई है। मुखिया संजीव ने बताया कि जिस बम के गोला से दुर्घटना हुई है। उसकी तस्वीर सीआरपीएफ को भेजी गई। उनसे जानकारी ली गई, तो उन्होंने बताया कि उनकी प्रैक्टिस ग्रेनेट की थी, न की गोला की। मुखिया ने बताया कि गांव के लोग वेस्टेज से तांबा निकलते हैं। उसी दौरान अक्सर विस्फोट होता है।

मारपीट का फरार आरोपी गिरफ्तार

गया। जिले के बेलागंज थाना पुलिस ने मारपीट के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी ननकू यादव को गिरफ्तार किया है। ननकू यादव राम कृत यादव के पुत्र हैं और उन्हें थाना क्षेत्र के कबीरपुर गांव से पकड़ा गया। थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडे ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी ननकू यादव के खिलाफ बेलागंज थाना कांड संख्या 617/25 दर्ज है। यह मुकदमा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 191(2)(3), 190, 126, 115(2), 109 एवं 352 के तहत पंजीकृत किया गया था। पुलिस के अनुसार, इस मामले में आरोपी घटना के बाद से ही फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस को सफलता मिली। आरोपी को उसके गांव से गिरफ्तार करने के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

गयाजी में सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस का अभियान

गयाजी। यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने और सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया है। एस.डाइव अभियान के तहत पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों ने शहर से लेकर प्रमुख मार्गों तक बड़े स्तर पर वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान चौक-चौराहों पर पुलिस की मौजूदगी साफ दिखी। आने-जाने वाले हर छोटे-बड़े गाड़ी को रोक कर कागजात की जांच की गई। अभियान का मकसद साफ था कि सड़क पर अनुशासन कायम रहे। नियम तोड़ने वालों पर लगाम लगाया जा सके। साथ ही अपराध नियंत्रण को और प्रभावी बनाना अभियान का मुख्य उद्देश्य था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हाल के दिनों में यातायात नियमों की अनदेखी और सड़क हादसों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए यह अभियान जरूरी है।गाड़ी जांच के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया चालकों को रोका गया। चारपहिया वाहनों में सीट बेल्ट की जांच हुई। ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण और बीमा कागजात देखे गए। जिन गाड़ी में अनियमितता पाई गई, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। कई जगहों पर जुमार्ना भी वसूला गया।संग्ध वाहनों-व्यक्तियों की भी जांचपुलिस की टीमों ने संवेदनशील इलाकों पर विशेष नजर रखी। संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की भी जांच की गई। एसएसपी का कहना है कि गाड़ी जांच सिर्फ चालान काटने तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा पैदा करना भी है। सड़क पर नियमों का पालन हो, यही सबसे बड़ी जरूरत है। पुलिस ने साफ किया है कि एस.डाइव अभियान आगे भी जारी रहेगा। यह कोई एक दिन की कार्रवाई नहीं है। नियमित अंतराल पर ऐसे अभियान चलाए जाएंगे। आम लोगों से भी अपील की गई है कि वे यातायात नियमों का पालन करें। हेलमेट और सीट बेल्ट का इस्तेमाल करें। कागजात पूरे रखें।

सूतिहरा गांव में तड़के सुबह घर में भीषण आग लगी

मुजफ्फरपुर। जिले के मुसहरी प्रखंड की मनिका हरिकेश पंचायत के सूतिहरा गांव में शुक्रवार तड़के भीषण अग्निकांड हुआ। वार्ड संख्या 13 में हुई इस घटना में सुकन महतो का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग की चपेट में आने से घर में बंधी एक दुधारू गाय, उसका बछड़ा और छह बकरियां भी जल गईं।पीड़ित परिवार के अनुसार, आग इतनी भीषण थी कि घर में रखा अनाज, राशन और अन्य सभी घरेलू सामान भी नष्ट हो गए। दुधारू गाय के कान में सरकारी पहचान वाला पीला टैग लगा हुआ था, जो उसकी पहचान के लिए महत्वपूर्ण था। गुरुवार रात सोने के बाद तड़के आग की चपेट में आए सुकन महतो के पुत्र विनय कुमार ने बताया कि गुरुवार रात करीब 10 बजे खाना खाने के बाद सभी सो गए थे। शुक्रवार तड़के लगभग तीन बजे आग लगने की आवाज सुनकर उनकी नींद खुली। बाहर निकलकर देखा तो घर धू-धू कर जल रहा था और मवेशी भी आग की लपटों में घिर चुके थे।ग्रामीणों ने तत्काल अग्निशमन विभाग, मुसहरी को सूचना दी। हालांकि, अग्निशमन वाहन के मौके पर पहुंचने के बाद उसमें तकनीकी खराबी होने के कारण चालू करने और पानी भरने में आधे घंटे लग गए, जिससे आग बुझाने में देरी हुई। तब तक सारा सामान जलकर नष्ट हो चुका था। इस घटना ने सरकारी अग्निशमन व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अग्निकांड की सूचना मिलते ही पूर्व जिला परिषद सदस्य मुक्तेश्वर प्रसाद, मुकेश, डॉ. सुनील, तरुण पासवान, मुखिया और पंचायत राजस्व अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। अंचल अधिकारी महेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि पंचायत राजस्व अधिकारी को जली हुई संपत्ति का सर्वेक्षण कर क्षति का आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं। रिपोर्ट के आधार पर पीड़ित परिवार को सरकार द्वारा निर्धारित सहायता प्रदान की जाएगी।

कोंच में सीओ- बीडीओ का जनता दरबार

गया। जिले के कोंच प्रखंड स्थित ई-किसान भवन के सभागार में शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दरबार की अध्यक्षता अंचलाधिकारी मुकेश कुमार और प्रखंड विकास पदाधिकारी विपुल भारद्वाज ने संयुक्त रूप से की।शासन के निदेर्शानुसार आयोजित इस शिविर में स्थानीय ग्रामीणों की समस्याओं को सुना गया। जनता दरबार में प्रखंड और अंचल के लगभग सभी विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे। इसका उद्देश्य समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करना था। अंचलाधिकारी ने विशेष रूप से भूमि विवादों के त्वरित निष्पादन पर जोर दिया। बैठक में सर्वाधिक आवेदन भूमि विवाद, दाखिल-खारिज (म्यूटेशन), परिमार्जन और जमीन की मापी से संबंधित प्राप्त हुए। सीओ मुकेश कुमार ने राजस्व कर्मियों को निर्देश दिया कि वे जमीन से जुड़े इन मामलों की जांच कर जल्द से जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जनता दरबार में प्रधानमंत्री आवास योजना और ग्रामीण आवास से जुड़े कई मामले भी सामने आए। ग्रामीणों ने आवास की किस्तों के भुगतान और सूची में नाम जोड़ने संबंधी शिकायतें प्रखंड विकास पदाधिकारी विपुल भारद्वाज के समक्ष रखीं। प्राप्त हुए कई मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया।

80 की स्पीड में नहर में गिरी कार,इंजीनियर-कर्मचारी की मौत

मुजफ्फरपुर। 80 की स्पीड में एक कार नहर में जा गिरी। हादसे में बिजली विभाग के खए सन्नी कुमार और स्टाफ अफजल कुमार की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसा एक पुल पर हुआ। गाड़ी की स्पीड ज्यादा होने की वजह से ड्राइवर ने स्टीयरिंग से कंट्रोल खो दिया और पुल की रेलिंग से टकरा कर नहर में गिर गया। हादसा देर रात हुआ। गाड़ी रातभर नहर में पड़ी रही। नहर में पानी ज्यादा था। पानी के प्रेशर की वजह से वो गेट नहीं खोल पाए। गाड़ी के अंदर ही दम घुटने से दोनों की मौत हो गई। सन्नी की मार्च में शादी थी। वो 3 भाइयों में सबसे छोटा था। हादसा देवरिया थाना क्षेत्र में एकमा चौक स्थित वैशाली नहर में हुआ। गुरुवार देर रात खए सन्नी कुमार स्टाफ अफजल कुमार के साथ कहीं जा रहे थे। इसी दौरान रात करीब 1-2 बजे के आसपास उनकी कार वैशाली नहर में जा गिरी। रात का वक्त था, इसलिए मदद नहीं मिल पाई। सन्नी और अफजल गाड़ी के साथ रातभर नहर में ही रहे। सुबह जब गांव वालों ने नहर में पड़ी कार देखी तो आसपास के लोगों को मदद के लिए बुलाया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के आने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। क्रेन की मदद से कार को निकाला गया नहर में पानी ज्यादा था, इसलिए सन्नी और अफजल गाड़ी के गेट नहीं खोल पाए। कार के अंदर ही दम घुटने से उनकी मौत हो गई। सुबह क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला गया। फ्रंट सीट पर सन्नी और पीछे वाली सीट पर अफजल की बॉडी पड़ी मिली। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। रातभर गाड़ी से निकलने की कोशिश करते रहे

समस्तीपुर में भूमि सुधार कर्मचारी संघ की बैठक

समस्तीपुर। बिहार राज्य भूमि सुधार कर्मचारी संघ ने अपनी 9 सूत्री मांगों को लेकर एक बैठक का आयोजन किया। महासंघ भवन कार्यालय परिसर में हुई इस बैठक में जिले भर के राजस्व कर्मचारियों ने भाग लिया और सरकार के खिलाफ आंदोलन करने का निर्णय लिया। यह बैठक बिहार राज्य भूमि सुधार कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष मुन्ना शेखर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कर्मचारियों ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य सरकार का ध्यान उनकी समस्याओं की ओर आकर्षित करना है। वेतन वृद्धि, पदोन्नति और सेवा शर्तों में सुधार की है मांग कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में वेतन वृद्धि, पदोन्नति और सेवा शर्तों में सुधार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वे लंबे समय से इन मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अब तक उन पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है।बैठक में उपस्थित कर्मचारियों ने सरकार से अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को नहीं माना गया, तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। जिलाध्यक्ष बोले- संघ बिहार सरकार से बातचीत के लिए तैयार है जिला अध्यक्ष मुन्ना शेखर ने कहा कि संघ सरकार के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन यदि उनकी मांगों को अनदेखा किया गया तो आंदोलन ही एकमात्र विकल्प होगा। उन्होंने कर्मचारियों की एकजुटता पर जोर दिया। कर्मचारियों ने इस बैठक में अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ निर्णायक आंदोलन के लिए तैयार रहने का संकल्प लिया।

महिला की मिली लाश, हाथ-पैर बंधा था

समस्तीपुर। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चकनूर रहमतपुर गांव के पास बूढी गंडक नदी में एक महिला की लाश मिली है। शव के हाथ-पैर बंधे हुए है।बड़ी संख्या में मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। हालांकि किसी ने भी महिला की पहचान नहीं की। महिला के हाथ में इंट्राकैट भी लगा हुआ था। संभावना जताई जा रही है कि महिला की मौत जहरीले पदार्थ खाने से हुई है उसका उपचार करने का प्रयास किया गया है। लेकिन मौत होने के बाद शव का हाथ पैर बांधकर बूढी गंडक नदी में फेंक दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाने की पुलिस ने नदी से शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। रहमतपुर घाट के पास लोगों ने आज सुबह बूढी गंडक नदी में महिला का शव उपलाता हुआ देखा। हल्ला होने पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी मुफस्सिल पुलिस को दी।मुफस्सिल थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अजीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। शव को नाव से जाकर बाहर खींचा गया, तो शव के साथ पत्थर भी बांधा हुआ था। हाथ और पांव को भी साड़ी से बांधा गया था। जिससे पहली नजर में यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। पत्थर खोलकर महिला के शव को नदी से बाहर निकाला गया। शव देखने से लग रहा है कि इसकी मौत 24 से 48 घंटे पहले हुई होगी। शव सड़ा नहीं था।संभावना यह भी जताई जा रही है कि महिला के शव को किसी दूसरे स्थान से लाकर यहां पर फेंका गया है। महिला के बाएं हाथ में इंट्राकैट लगा हुआ था । जबकि, हाथ पांव को साड़ी से बांधा गया था। शव निकालने के लिए कर्मी जब नदी के अंदर गए, तो उसके शरीर में पत्थर भी बांधा हुआ मिला है। शव की अभी पहचान नहीं हो पाई है। मामले की जांच की जा रही है। शरीर पर कहीं जख्म के निशान नहीं है। हाथ में इंट्राकैट होने के कारण यह भी संभावना जताई जा रही है कि नशीली पदार्थ खाने के बाद महिला का कहीं पर उपचार कराया गया है, मौत हो जाने के बाद शव को लाकर फेंक दिया गया।

समस्तीपुर में विश्व कुष्ठ जागरूकता दिवस पर कार्यक्रम

सदर अस्पताल की नर्स ने निकाली जागरूकता रैली, कहा- इलाज संभव है

समस्तीपुर में विश्व कुष्ठ जागरूकता दिवस के मौके पर सदर अस्पताल से कुष्ठ जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व जिला वेक्टर पदाधिकारी डॉ विजय कुमार कर रहे थे। इस रैली में सदर अस्पताल और एएनएम कॉलेज की नर्सो ने भाग लिया। लोगों को बताया गया कि कुष्ठ छुआ छूत की बीमारी नहीं है। अब यह लाइलाज भी नहीं रहा। नियमित उपचार करने पर यह ठीक हो जाता है। इस मौके पर जिले के नए सिविल सर्जन डॉ निर्मल कुमार भी शामिल हुए। सदर अस्पताल से निकाला गया जुलूस शहर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए जुलूस कलेक्ट्रेट परिसर पहुंची। इसे सदर अस्पताल से निकाला गया था। जहां महात्मा गांधी की प्रतिमा पर लोगों ने माल्यार्पण किया। इसके बाद जुलूस फिर से वापस सदर अस्पताल पहुंची । जहां स्वास्थ्य कर्मियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित किया और देश से कुष्ठ को भगाने का संकल्प लिया। सिविल सर्जन ने बताया कि जिले में कुष्ठ को लेकर लगातार काम किए जा रहे हैं। आज से 15 दिनों के लिए कुष्ठ रोगी खोज अभियान की शुरूआत की जा रही है। यह अभियान लगातार 15 दिनों तक चलेगा। जिसमें स्वास्थ्य कर्मी जिले के विभिन्न गांव में पहुंचकर कुष्ठ रोगियों को लक्षण के हिसाब से चिन्हित करेंगे। चिन्हित किए गए कुष्ठ रोगियों की जांच कराई जाएगी। इसके बाद अगर उनमें कुष्ठ के लक्षण मिलते हैं, तो सदर अस्पताल से उन्हें दवा उपलब्ध कराया जाएगा। ताकि दवा का सेवन कर वह पूरी तरह सेठीक हो सके। जिला वेक्टर पदाधिकारी ने बताया कि महात्मा गांधी की आज पुण्यतिथि है। इस तिथि को कुष्ठ निवारण दिवस के रूप में मना रहे हैं। महात्मा गांधी का सपना था कि पूरे देश से कुष्ठ का निवारण हो। महात्मा गांधी के सपना को पूरा करने के लिए आज स्वास्थ्य कर्मियों की ओर से जागरूकता रैली निकाली है। रैली के माध्यम से लोगों को बताया गया है कि कुष्ठ अब लाइलाज बीमारी नहीं रहा इसकी दवा उपलब्ध है। नियमित रूप से दवा का सेवन करने से यह ठीक हो जाता है। सदर अस्पताल में सिविल सर्जन डॉक्टर निर्मल कुमार चौधरी के अलावा उपाधीक्षक डॉक्टर गिरीश कुमार, वेक्टर पदाधिकारी डॉ विजय कुमार, डॉक्टर पवन कुमार समेत बड़ी संख्या में सदर अस्पताल के डॉक्टर और गर्मियों ने भाग लिया।

मनोरंजन जगत में श्रिया सरन के 25 साल पूरे, साझा किए अनुभव

मनोरंजन जगत में जानी-मानी अभिनेत्री श्रिया सरन ने अपने 25 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने इतने लंबे करियर में इंडस्ट्री में आए कई बड़े बदलावों को महसूस किया है। श्रिया सरन ने इस मौके पर अपने सफर, तकनीकी बदलावों और आज के दौर की चुनौतियों पर खुलकर बात की। श्रिया ने बताया कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब फिल्म सेट्स का माहौल आज से बिल्कुल अलग था। उस समय इस्तेमाल होने वाली लाइट्स बेहद तेज होती थीं, जो आंखों को चुभती थीं और कई बार कलाकारों के लिए असहज स्थिति पैदा कर देती थीं। कैमरे भारी हुआ करते थे और तकनीक भी सीमित थी। शूटिंग के दौरान कलाकारों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता था और कैमरे की आवाज सुनकर ही यह अंदाजा लगता था कि सीन शुरू हो चुका है। उस दौर में काम करना ज्यादा मेहनत और धैर्य की मांग करता था। उन्होंने कहा कि आज तकनीक ने फिल्म इंडस्ट्री को पूरी तरह बदल दिया है। अब सॉफ्ट लाइट्स का इस्तेमाल होता है, जिससे आंखों पर दबाव नहीं पड़ता।

कैमरे पहले से कहीं ज्यादा हल्के और एडवांस हो गए हैं, जिससे शूटिंग न सिर्फ आसान बल्कि तेज भी हो गई है। इन बदलावों का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ है कि कलाकार अब तकनीकी परेशानियों से हटकर अपने अभिनय पर ज्यादा ध्यान दे पाते हैं और काम का माहौल भी पहले से ज्यादा आरामदायक हो गया है। श्रिया सरन ने इंडस्ट्री के वर्किंग सिस्टम में आए बदलावों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पहले कलाकारों को केवल एक मैनेजर के जरिए काम संभालना पड़ता था, लेकिन अब एजेंसियों का दौर है। आज कलाकारों को कई लोगों से तालमेल बैठाना पड़ता है। नई पीढ़ी के लोग नई सोच और नई जानकारी के साथ आते हैं, जो पुरानी पीढ़ी के लिए भी सीखने का मौका होती है। ऐसे में समय के साथ खुद को बदलना और नई चीजों को अपनाना बेहद जरूरी हो गया है। अपने 25 साल के करियर के उतार-चढ़ाव को याद करते हुए श्रिया ने कहा कि इतने लंबे सफर में भावनात्मक रूप से कई तरह के दौर आते हैं। कभी सब कुछ अच्छा लगता है, तो कभी इंसान खुद को अकेला और कमजोर महसूस करता है। ऐसे समय में अपने आसपास सही और सकारात्मक लोगों का होना बहुत जरूरी होता है, जो आपको संभालें और आगे बढ़ने की ताकत दें।

माही विज फिर चर्चा में

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस माही विज एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई नई सीरीज़ या शो नहीं, बल्कि अपनी बेटी तारा के लिए किया गया खास तोहफा है। पति और अभिनेता जय भानुशाली से तलाक के बाद माही ने जिस मजबूती और आत्मनिर्भरता के साथ अपनी जिंदगी को आगे बढ़ाया है, वह कई महिलाओं के लिए मिसाल बन चुकी है। तलाक के बाद माही को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हर आलोचना का जवाब अपनी उपलब्धियों से दिया। पहले खुद के लिए नई कार खरीदी, फिर अपने नए घर की झलक फैंस के साथ साझा की और अब उन्होंने अपनी नन्हीं बेटी तारा को करीब 50 लाख रुपये की लग्जरी मिनी कूपर कार गिफ्ट कर सबका ध्यान खींच लिया है। बताया जा रहा है कि यह कार तारा का सपना थी, जिसे माही ने पूरा किया। सोशल मीडिया पर कार के साथ तस्वीरें वायरल होते ही फैंस माही की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कई यूजर्स ने उन्हें 'स्ट्रॉन्ग सिंगल मदर' और 'इंस्पिरेशन' बताया।

रानी ने कहा था, मेहनत करेंगे तो बहुत आगे जाएंगे: रणबीर कपूर

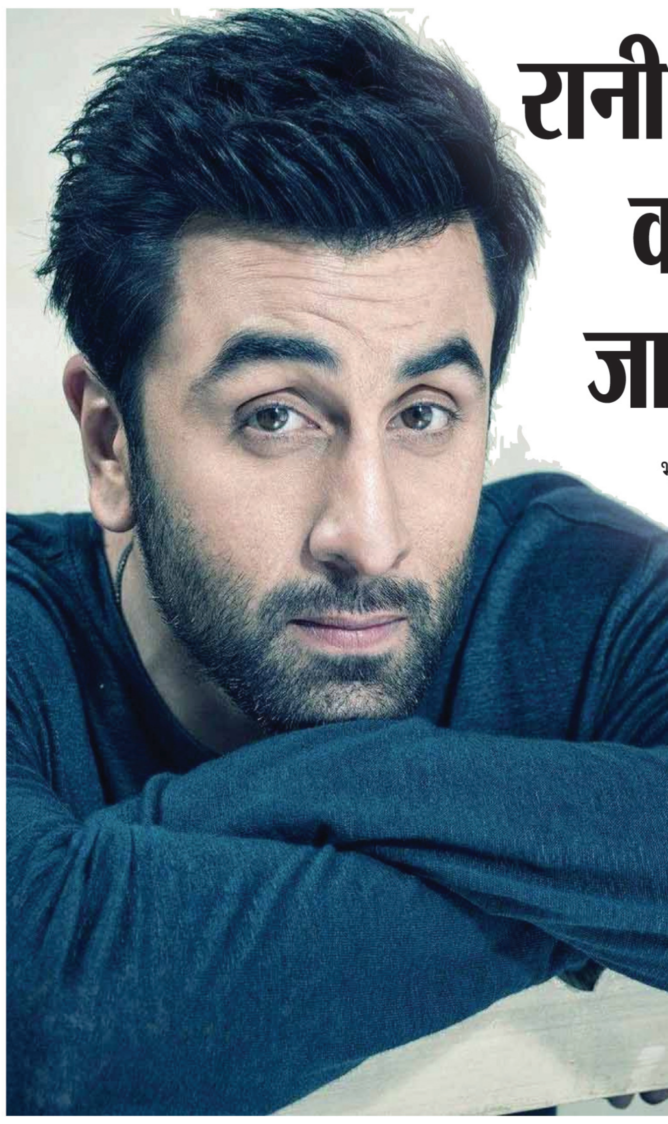

पूरा भारतीय फिल्म उद्योग एकजुटता के साथ अभिनेत्री रानी मुखर्जी के सिनेमा में 30 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है। यह जश्न रानी की चर्चित और दमदार फ्रेंचाइज़ी 'मर्दानी' की तीसरी फिल्म 'मर्दानी 3' के साथ मनाया जा रहा है, जो इन दिनों जबरदस्त चर्चा में है। इस जश्न में शामिल होकर रणबीर कपूर को भी बेहद खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। रणबीर और रानी का रिश्ता सिर्फ सह-कलाकारों का नहीं, बल्कि सम्मान, प्रेरणा और भरोसे से भरा रहा है। रानी, रणबीर कपूर की डेब्यू फिल्म 'सांवरिया' में उनकी को-स्टार थीं और करियर की शुरुआत में उन्होंने रणबीर को जो आत्मविश्वास दिया, उसे वह आज भी नहीं भूले हैं। रणबीर कपूर ने रानी मुखर्जी को याद करते हुए कहा कि 'सांवरिया' के दौरान रानी पहली शख्स थीं जिन्होंने उनसे कहा था कि अगर वह मेहनत करेंगे तो बहुत आगे जाएंगे।

रणबीर के मुताबिक, उस समय जब उन्हें सबसे ज्यादा सहारे और भरोसे की जरूरत थी, रानी के शब्दों ने उन्हें भीतर से मजबूत बनाया। उन्होंने कहा कि वह रानी को सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेत्री के तौर पर ही नहीं, बल्कि एक इंसान के रूप में भी बहुत करीब से जानते हैं। उनकी गरिमा, आकर्षण और अभिनय प्रतिभा ने उन्हें हमेशा प्रभावित किया है। रणबीर का मानना है कि रानी मुखर्जी भारतीय सिनेमा की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्हें पीढ़ियां याद रखेंगी।

उन्होंने कहा कि रानी की 30 साल की आइकॉनिक विरासत का जश्न मनाने के लिए पूरे इंडस्ट्री का एक साथ आना वाकई खास है। रानी ने अपने किरदारों और फिल्मों के चयन से न सिर्फ खुद को अलग पहचान दी, बल्कि स्क्रीन पर महिलाओं को दिखाने का नजरिया भी बदला है। रणबीर ने यह भी कहा कि रानी का सिनेमा हमेशा लोगों को खुशी देने और समाज को कुछ सोचने पर मजबूर करने वाला रहा है। इस बीच, रानी मुखर्जी की 'मर्दानी 3' ने इंटरनेट पर तहलका मचा रखा है। यह फिल्म महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दे को फिर से मजबूती से उठाती है। इस बार कहानी देशभर में कम आय वर्ग से आने वाली 8-9 साल की मासूम बच्चियों के अपहरण के भयावह सच को सामने लाएगी।

अपनी सेहत को लेकर मजेदार किस्सा सुनाया ऋतिक रोशन ने

हाल ही में बॉलीवुड फिल्म निर्माता गोल्डी बहल की बर्थडे पार्टी में बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन को बैसाखी के सहारे चलते देखा गया था, जिसके बाद फैंस उनकी सेहत को लेकर चिंतित हो गए थे। अब अभिनेता ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी वजह साफ कर दी है। ऋतिक ने बताया कि उनके बाएं घुटने में अचानक दर्द उभर आया, जिससे चलने-फिरने में दिक्कत होने लगी। उन्होंने लिखा कि उनके शरीर के हर हिस्से में जैसे कोई 'ऑन/ऑफ' बटन लगा हो। कभी बायां पैर जवाब दे देता है, तो कभी कंधा या दायां टखना अचानक काम करने से मना कर देता है। ऋतिक ने इसे सिर्फ शारीरिक नहीं, बल्कि एक तरह की मनोदशा भी बताया। अपने खास अंदाज में उन्होंने लिखा, 'कभी मेरे बाएं पैर को बैसाखी की जरूरत पड़ती है, तो कभी बायां कंधा और दायां टखना एक्टिव हो जाते हैं या अचानक बंद हो जाते हैं। लगता है मेरे शरीर के हर हिस्से की अपनी अलग ही मर्जी है।' ऋतिक ने अपनी हालिया शूटिंग से जुड़ा एक मजेदार किस्सा भी शेयर किया। उन्होंने बताया कि एक गंभीर सीन के दौरान उनका डायलॉग था 'क्या आप डिनर के लिए घर आना चाहेंगे?' लेकिन उनकी जुबान 'डिनर' शब्द बोलने से मना कर रही थी। ऐसे में उन्होंने हर टेक में चतुराई से 'डिनर' की जगह 'लंच' कहना शुरू कर दिया, क्योंकि शुक्र था कि 'लंच' शब्द अभी भी बोला जा सकता था।

उन्होंने आगे लिखा कि पहली बार गलत शब्द निकलने पर हैरानी हुई, लेकिन जब वही गलती दोबारा हो गई तो उन्होंने सलमान खान स्टाइल में हाथ उठाकर रीटेक का इशारा किया, ताकि इसे महज एक छोटी सी चूक साबित किया जा सके। ऋतिक ने अपनी इन शारीरिक परेशानियों को हल्के-फुल्के और आत्मस्वीकृति वाले अंदाज में पेश किया, जिससे फैंस भी राहत महसूस कर रहे हैं। गौरतलब है कि बीते शनिवार को बैसाखी के सहारे चलते हुए उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद से ही उनके चाहने वाले परेशान थे। बता दें कि ऋतिक रोशन अक्सर सोशल मीडिया पर फैंस से खुलकर जुड़ते हैं। इस बार उन्होंने अपनी सेहत से जुड़ी परेशानियों को ईमानदारी और मजाकिया अंदाज में साझा किया है।

सोहा अली ने जताया पति पर प्यार

बॉलीवुड के सबसे सादगी भरे और पसंदीदा कपल्स में शुमार सोहा अली खान और कुणाल खेमू आज अपनी शादी की 11वीं सालगिरह मना रहे हैं। इस खास मौके पर सोहा अली खान ने अपने पति कुणाल खेमू के लिए एक भावुक और प्यार से भरा पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसने फैंस का दिल जीत लिया है। सोहा ने अपनी शादी के सफर को याद करते हुए लिखा कि कुणाल से शादी करना उनके जीवन का सबसे अच्छा फैसला रहा है। उन्होंने पति के साथ बिताए पलों, दोस्ती, समझ और सपोर्ट को अपने रिश्ते की सबसे बड़ी ताकत बताया। पोस्ट के साथ शेयर की गई तस्वीरों में कपल की शानदार केमिस्ट्री साफ झलक रही है। सोहा और कुणाल ने 25 जनवरी 2015 को शादी की थी। शादी के बाद दोनों ने न सिर्फ अपने प्रोफेशनल करियर में संतुलन बनाए रखा, बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ को भी हमेशा लाइमलाइट से दूर और सादगी से जिया। दोनों एक बेटी इनाया के माता-पिता हैं और अक्सर फैमिली मोमेंट्स सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। सोहा के इस पोस्ट पर फैंस और सेलेब्स जमकर प्यार लुटा रहे हैं। कई लोगों ने कपल को 'रियल रिलेशनशिप गोल्स' बताया है।

'बॉर्डर 2' देखने का अमीषा पटेल को बेसब्री है इंतजार

हाल ही में अभिनेत्री अमीषा पटेल ने 'बॉर्डर 2' को लेकर अपनी खुशी और उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा कि फिल्म को लेकर वह बेहद उत्साहित हैं और खास तौर पर तारा सिंह जैसे आइकॉनिक किरदार की झलक देखकर उन्हें काफी रोमांच महसूस हो रहा है। अमीषा ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी समेत सभी कलाकारों ने शानदार काम किया होगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह फिल्म और उसके गानों को बड़े पर्दे पर महसूस करने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रही हैं। फिल्म की तुलना को लेकर अमीषा पटेल ने साफ राय रखी। उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी तक 'बॉर्डर 2' नहीं देखी है, लेकिन 1997 की 'बॉर्डर' जरूर देखी है। इसके बावजूद जिस तरह से दर्शक इस नई फिल्म को पसंद कर रहे हैं, उससे साफ है कि पूरी टीम ने बेहतरीन काम किया है। उन्होंने 'गदर' और 'गदर 2' का उदाहरण देते हुए कहा कि शुरुआत में दोनों फिल्मों की तुलना हुई थी, लेकिन 'गदर 2' की सफलता के बाद सभी ने माना कि वह अपने आप में एक अलग और शानदार फिल्म है।

अमीषा के मुताबिक फिल्मों की तुलना करना सही नहीं होता, क्योंकि इससे गलत धारणाएं बनती हैं और हर फिल्म को अपनी पहचान के साथ देखा जाना चाहिए। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी 'बॉर्डर 2' में नई कहानियों और नए चेहरों को शामिल किया गया है। फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भारतीय सेना के जवानों के किरदार में नज़र आ रहे हैं, जबकि मोना सिंह, सोनम बाजवा, मेधा राणा और अन्या सिंह अहम भूमिकाओं में दिखाई दे रही हैं। 23 जनवरी को रिलीज़ हुई इस फिल्म के गाने भी दर्शकों के बीच खासे लोकप्रिय हो रहे हैं और उन्हें नॉस्टेल्जिया का एहसास दिला रहे हैं। 'बॉर्डर 2' को गुलशन कुमार और टी-सीरीज के बैनर तले बनाया गया है।

फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता हैं। बता दें कि सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के बाद फिल्म 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छी कमाई कर रही है और दर्शकों का दिल जीतने में भी सफल साबित हो रही है। 1997 में आई सुपरहिट और यादगार फिल्म 'बॉर्डर' की इस सीक्वल ने न सिर्फ पुरानी यादों को ताज़ा किया है, बल्कि नई पीढ़ी के दर्शकों को भी देशभक्ति के जज़्बे से जोड़ दिया है। आम दर्शकों से लेकर फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग तक, हर तरफ फिल्म की चर्चा और तारीफ हो रही है।

फिटनेस का शानदार नमूना पेश किया अक्षरा सिंह ने

अपनी फिटनेस और मेहनत का भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने फिर शानदार नमूना पेश किया है। अभिनेत्री अपनी फिटनेस को लेकर बेहद गंभीर हैं और नियमित रूप से जिम में एक्सरसाइज करती हैं। उन्होंने अपनी कुछ नई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं, जिनमें वे अपनी टोंड और फिट बॉडी फ्लॉन्ट करती नजर आईं। उनकी यह फिटनेस जर्नी फैंस के लिए मोटिवेशन का स्रोत बनी हुई है। इस बार भी उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वे लटकते हुए पुल-अप्स और हैंगिंग लेग रेज करती दिख रही हैं। कुछ तस्वीरों में वे ओपन जिम में एक्सरसाइज करती दिख रही हैं, तो कुछ में उनके मजबूत आर्म्स, टाइट एब्स और संपूर्ण फिट बॉडी साफ नजर आ रही है। स्पोर्ट्सवियर में उनका लुक एनर्जेटिक और आकर्षक लग रहा है। तस्वीरों को देखकर फैंस अंदाजा लगा सकते हैं कि अक्षरा फिटनेस को कितनी गंभीरता से लेती हैं। पोस्ट में उन्होंने सिर्फ एक इमोजी का इस्तेमाल किया है, लेकिन फैंस कमेंट सेक्शन में उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। अक्षरा सिंह ने सत्यमेव जयते से डेब्यू किया था और इसके बाद उन्होंने भोजपुरी सिनेमा में कई हिट फिल्में दी हैं, जिनमें सत्या, सरकार राज, मां तुझे सलाम, धड़कन, तबादला, सत्य, प्रेम विवाह, साथिया, दिलेर, सौगंध गंगा मैया के शामिल हैं। इसके अलावा वे टीवी शो बिग बॉस ओटीटी, सर्विस वाली बहू, पोरस और काला टीका में भी नजर आ चुकी हैं। अभिनेत्री जल्द ही निरहुआ के साथ फिल्म सात फेरे चार वचन और अम्बे है मेरी मां में दिखाई देंगी। दोनों फिल्मों की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब ट्रेलर रिलीज का इंतजार है।

हिंदी सिनेमा अपनी जड़ों से हो गया है दूर: प्रकाश राज

नेशनल अवॉर्ड विनर प्रकाश राज एक बार फिर से अपने बयान को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। उनका मानना है कि मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा अपनी जड़ों से दूर हो गया है, और ज्यादा से ज्यादा नकली और पैसे पर फोकस हो गया है। प्रकाश ने हिंदी सिनेमा की खुलकर आलोचना की। रिपोर्ट के अनुसार, प्रकाश ने कहा, अभी के समय में, मुझे लगता है कि मलयालम और तमिल सिनेमा बहुत अच्छी फिल्में बना रहे हैं... दूसरी ओर, हिंदी सिनेमा अपनी जड़ों से भटक गया है। सब कुछ सुंदर, शानदार, प्लास्टिक जैसा दिखता है, जैसा कि आप मैडम तुसाद म्यूजियम में देखते हैं। हमारे (साउथ सिनेमा) पास अभी भी दिखाने के लिए कहानियां हैं; तमिल के नए युवा डायरेक्टर दलित मुद्दों पर बात कर रहे हैं और इससे बहुत उम्मीद मिलती है। इंडस्ट्री ने दर्शकों के साथ अपना कनेक्शन खो दिया है।

प्रकाश राज ने आगे कहा, मल्टीप्लेक्स आने के बाद, बॉम्बे फिल्म इंडस्ट्री सिर्फ मल्टीप्लेक्स के लिए फिल्में बनाने लगी, क्योंकि वे अच्छा चल रही थीं। वे उस पेज 3 कल्चर में चले गए, और इसके साथ ही ग्रामीण राजस्थान और बिहार से उनका कनेक्शन खत्म हो गया... आज, सब कुछ पैसे और दिखावे के बारे में है -- रील्स, पेज 3 कवरेज, और जोरदार सेल्फ-प्रमोशन। मुझे लगता है कि इस चक्कर में इंडस्ट्री ने दर्शकों के साथ अपना कनेक्शन खो दिया है। बता दें कि प्रकाश राज आखिरी बार हिंदी फिल्म तेरे इश्क में में दिखे थे। इस मूवी में उनके साथ धनुष और कृति सेनन लीड रोल में थे। इस मूवी में उन्होंने धनुष के पिता का किरदार निभाया था।

प्रकाश राज अब जल्द ही पॉलिटिकल एक्शन ड्रामा जना नायकन में नजर आएंगे। यह एक्टर के तौर पर विजय की आखिरी फिल्म होगी। प्रकाश राज हिंदी के अलावा कन्नड़, तमिल, मलयालम, इंग्लिश और मराठी फिल्मों के लिए काम करते हैं। वो 5 बार नेशनल अवॉर्ड जीत चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में 400 से ज्यादा फिल्में की हैं। एक्टर प्रकाश राज ने साउथ से लेकर बॉलीवुड तक अपनी एक्टिंग का दम दिखाया। प्रकाश अपनी शानदार फिल्मों जैसे सिंघम, दबंग 2 और वांटेड के लिए जाने जाते हैं। प्रकाश अपने बेबाक बयानों के लिए भी जाने जाते हैं।

भारत- न्यूजीलैंड के बीच आज होगा पांचवां और अंतिम टी20

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले ही शुरुआती तीन मैच जीतकर सीरीज जीत ली है। ऐसे में उसपर कोई दबाव भी नहीं रहेगा। भारतीय टीम को चौथे टी20 में लक्ष्य का पीछा करते हुए हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में टीम अपनी इस कमजोरी को इस मैच में दूर करना चाहेगी। भारतीय टीम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन इस सीरीज में अच्छा रहा है पर सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन अब तक सीरीज में असफल रहे हैं। सैमसन अब अपने घरेलू मैदान पर बड़ी पारी खेलकर अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप से पहले लय हासिल करना चाहेंगे। इसी कारण सभी की नजरें उनपर रहेंगी। वहीं अगर सैसमन इस मैच में रन नहीं बना पाते हैं तो विश्कप में उन्हें टीम में शायद ही जगह मिले। इससे पहले चौथे टी20 मैच में भारतीय टीम ने पांच मुख्य गेंदबाजों को ही खिलाया था और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे से गेंदबाजी नहीं करवाई। भारतीय टीम ये मैच हार गयी है। ऐस में अंतिम मैच में एक बार फिर गेंदबाजी संयोजन में बदलाव किया जा सकता है। इस मैच में एक बार फिर रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को अवसर मिल सकता है। ऑलराउंडर अक्षर पटेल नागपुर में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उंगली में चोट लगने के बाद से नहीं खेले हैं उन्हें भी फिट होने पर इस मैच में जगह मिल सकती है।

अब तक सीरीज में किये प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम इस सीरीज में जीत की प्रबल दावेदार बनी हुई है। वहीं दूसरी ओर कीवी टीम भी इस मैच ो जीतकर विश्वकप से पहले अपनी लय और मनोबल को बढ़ाना चाहेगी।, पिछले मैच में उसके गेंदबाज और बल्लेबाज सफल रहे थे जिससे उसका हौंसला बढ़ेगा।

विशाखापत्तनम में भारतीय टीम के केवल शिवम दुबे ही कीवी गेंदबाजों के सामने टिक पाये थे। यहां के मैदान की बात करें तो

इसमें बड़े स्कोर बने हैं। भारतीय टीम ने यहां खेले गए अपने चार टी20 मैचों में से तीन जीते हैं, जिसमें 2017 में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीता गया एक मैच भी शामिल है। वहीं मेहमान टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा, हम जानते हैं कि भारतीय टीम को हराने के लिए क्या करने की जरुरत है। ऐसे में यहां एक रोमांचक मुकाबला होना तय है। सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट के टीम में शामिल होने से भी न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी बेहतर हुई है। टीम को हालांकि अपनी गेंदबाजी बेहतर करनी होगी। इस मैच में कीवी टीम फिट होने पर अपने मुख्य तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन को भी शामिल कर सकती है।

टीम इस प्रकार है

भारत = सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह , वरुण चक्रवर्ती

न्यूजीलैंड = मिशेल सेंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, टिम सीफर्ट, रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी।

ऑस्ट्रेलियाइ ओपन : गैडेकी और पीयर्स ने मिश्रित युगल खिताब जीता

मेलबर्न (एजेंसी)। स्थानीय खिलाड़ी ओलिविया गैडेकी और जॉन पीयर्स की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस के मिश्रित युगल का खिताब जीत लिया है। गैडेकी और पीयर्स की जोड़ी ने खिताबी मुकाबले में फ्रांस की क्रिस्टीना म्लाडेनोविक और मैनुअल गिनार्ड को 4-6, 6-3, 10-8 से हराया। गैडेकी और पीयर्स साल 1988-89 में जाना नोवोत्ना और जिम पुघ के बाद मिश्रित युगल खिताब बरकारार रखने वाली पहली जोड़ी बन गईं है। ये जोड़ी साल 1963-64 में मार्गरेट कोर्ट और केन फ्लेचर के बाद अपने घरेलू स्लैम में लगातार खिताब जीतने वाली पहली ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी है। गैडेकी ने ट्रॉफी के एक समारोह में इस जीत पर खुशी जतायी है।

इस जीत के साथ ही पीयर्स ने तीसरा मिश्रित युगल खिताब जीता है। इससे पहले उन्होंने साल 2022 में स्टॉर्म सैंडर्स के साथ अमेरिकी ओपन भी जीता था। वहीं उन्होंने साल 2017 में फिनलैंड के हेनरी कोंटिनेन के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल जीता था। इसके अलावा मैथ्यू एब्डेन के साथ जोड़ी बनाकर 2024 पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। दूसरी ओर ये गैडेकी का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले उन्होंने साल 2025 में पीयर्स के साथ मेलबर्न पार्क में जीत हासिल की थी।

डिकॉक के शतक से दक्षिण अफीका ने दूसरे टी20 में वेस्टइंडीजी को सात विकेट से हराया

सुपरस्पोर्ट पार्क (एजेंसी)। क्विंटन डिकॉक की शतकीय पारी की सहायता से मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने यहां दूसरे अंतरराष्ट्रीय टी20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने चार विकेट पर 221 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले इस लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीक ने डिकॉक की आक्रामक पारी की सहायता से 17.3 ओवर में ही 225 रन बनाकर हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने इस जीत के साथ ही 220 से ज्यादा रनों का सबसे तेजी से पीछा करने का रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इससे पहले कोई भी टीम इतने कम ओवरों में इतना स्कोर नहीं बना पायी है। वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय में ये दूसरी बार है जब दक्षिण अफ्रीका की टीम इतने बड़े लक्ष्य का पीछा कर पायी है। साल 2023 में दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज टीम के खिलाफ 259 रन के लक्ष्य का पीछा कर जीत दर्ज की थी। दक्षिण अफ्रीका की इस जीत के हीरो डिकॉक रहे। डिकॉक ने 49 गेंदों में 10 छक्के और 6 चौके लगाकर 115 रन बनाये। डिकॉक ने पारी की शुरुआत के साथ ही हमले शुरु कर दिये। उनका रेयान रिकेल्टन ने भी नाबाद 77 रन बनाकर अच्छा साथ दिया। उन्होंने केवल 36 गेंदों में तीन छक्के और 9 चौके लगाकर 77 रन बनाकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डिकॉक और रिकेल्टन के बीच 162 रन की साझेदारी हुई। ये इस पारी में किसी भी विकेट के लिए दक्षिण अफ्रीका की ओर से चौथी सबसे बड़ी पार्टनरशिप का रिकॉर्ड है. डिकॉक का यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरा शतक है! मैच के बाद डिकॉक ने बताया कि 44 गेंदों में यह शतक उन्होंने उधार लिए बल्ले से बनाया। डिकॉक ने कहा, ' वह अपना बल्ला घर पर ही भूल गये थे। इसके बाद उन्होंने डेवाल्ड ब्रेविस से बल्ला मांगा था।' डिकॉक ने 2024 टी20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ब्रेक ले लिया था। इससे पहले वेस्टइंडीज की टीम ने ब्रैंडन किंग के 49 और सिमरन हेटमायर के 75 रनों की सहायता से दूसरे विकेट के लिए 62 गेंदों में ही 126 रन की मजबूत साझेदारी बनायी। वहीं शेरफेन रदरफोर्ड ने 24 गेंदों में नाबाद 57 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से स्पिनर केशव महाराज ने 4 ओवर में 2 विकेट लेकर 22 रन दिए।

अंडर-19 विश्व कप : भारत-पाकिस्तान के सुपर सिक्स मुकाबले से तय होगी सेमीफानल की टीमें

बुलवायो (एजेंसी)। आईसीसी अंडर-19 विश्वकप सुपर सिक्स मुकाबले में भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच एक फरवरी को यहां के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में मुकाबला होगा। इसमें जीत के साथ ही दोनो ही टीमें सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगी। इस प्रतियोगिता के दूसरे दौर में क्वालीफाई करने वाली 12 टीमों में से पांच टीमें सेमीफाइनल से पहले ही बाहर हो गयी है। वहीं अब ग्रुप 1 से ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, श्रीलंका और वेस्ट इंडीज जबकि जबकि ग्रुप 2 से भारत, इंग्लैंड और पाकिस्तान ग्रुप 2 सेमीफाइनल की दौड़ में शामिल हैं। भारत और इंग्लैंड दोनो ही टीमें छह-छह अंक लेकर शीर्ष पर हैं पर बेहतर रन रेट के कारण भारतीय टीम पहले जबकि इंग्लैंड दूसरे नंबर पर है। पाकिस्तान चार अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

अगर भारतीय टीम जीतती है या मैच का कोई परिणाम नहीं निकलता है तो पाकिस्तान टीम पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो जाएग। वहीं अगर पाकिस्तान बड़ी जीत हासिल करता है, तो भारतीय टीम के भी बाहर होने की संभावना है। हालांकि, अगर उनकी जीत का अंतर बहुत बड़ा नहीं होता, तो भारत और इंग्लैंड दोनों ही क्वालीफाई कर जाएंगे। ग्रुप 2 की तीनों दावेदार टीमों के सुपर सिक्स चरण में अभी एक-एक मैच होना है। ऐसे में इंग्लैंड का मुकाबला न्यूजीलैंड से 30 जनवरी को होगा। भारत और इंग्लैंड सेमीफाइनल की दौड़ में आगे हैं, वहीं पाक की संभावनाएं इंग्लैंड और न्यूजीलैंड मैच के परिणाम पर निर्भर रहेंगी। अगर इंग्लैंड न्यूजीलैंड को हरा देता है तो वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वहीं अगर भारतीय टीम पाकिस्तान को हराया देती है या बारिश के कारण मैच रद्द होता है तो भी इंग्लैंड नॉकआउट में पहुंच जाएगी। वहीं पाकिस्तान के पास भी अवसर हैं पर लेकिन इसके लिए उन्हें बड़ी जीत हासिल करनी होगी। वहीं अगर इंग्लैंड कीवी टीम से हार जाती है तो इंग्लैंड के नेट रनरेट में गिरावट आएगी और ऐसे में उनहें भारत और पाक मैच के परिणाम पर निर्भर रहना होगा। ऐसे में पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड हो पीछे छोड़ सकती है।

एमबापे के दो गोल के बावजूद हारा रियाल मैड्रिड, बार्सिलोना आगे बढ़ा

लंदन । स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबापे के दो गोल के बावजूद रियाल मैड्रिड को चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में बेनफिका से 4-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच से पहले रियाल मैड्रिड 36 टीमों की तालिका में तीसरे स्थान पर था लेकिन अब वह नौवें स्थान पर खिसक गया जो अंतिम 16 में सीधे प्रवेश पाने से एक स्थान नीचे है। बेनफिका की तरफ से यूक्रेन के गोलकीपर अनातोली ट्रूबिन ने इंजरी टाइम के आठवें मिनट में गोल किया। इससे बेनफिका गोल अंतर के आधार पर 24वें स्थान पर पहुंच गया और उसने प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित कर ली। अनातोली ने जब गोल किया तब रियाल मैड्रिड नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रहा था। इससे कुछ मिनट पहले ही राउल असेंसियो और रोड्रिगो को लाल कार्ड दिखाए गए थे। स्पोर्टिंग लिस्बन ने एथलेटिक बिलबाओ के खिलाफ 3-2 से जीत हासिल की, जिससे रियाल मैड्रिड शीर्ष आठ से बाहर हो गया। स्पोर्टिंग ने अप्रत्याशित रूप से लिवरपूल, टॉटेनहम, बार्सिलोना, चेल्सी और मैनचेस्टर सिटी के साथ शीर्ष आठ में जगह पक्की कर ली। तालिका में शीर्ष पर काबिज आर्सेनल ने कैरात अल्माटी को 3-2 से हराकर लगातार आठवीं जीत दर्ज कीं। वह और दूसरे स्थान पर काबिज बायर्न म्यूनिख पहले ही मार्च में शुरू होने वाले राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए थे।

सीमित ओवरों के क्रिकेट में जगह बनाना चाहते हैं सरफराज

मुंबई । बल्लेबाज सरफराज खान घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अब भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाये हैं। सरफराज का सपना सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम में जगह बनाना है। उन्हे अब तक टेस्ट क्रिकेट में कुछ अवसर मिले जिसमें उनका प्रदर्शन अच्छा रहा। इसके बाद भी उन्हें बाहर कर दिया गया। अब इस क्रिकेट का लक्ष्य अपने प्रदर्शन से वापसी करना है। इस क्रिकेटर ने कहा कि वह अपने प्रदर्शन और फिटने को बेहतर करने पर ध्यान दे रहे हैं। साथ ही कहा कि वह भारतीय टीम के लिए सीमित ओवरों के क्रिकेट में खेलना चाहते हैं और उसी को देखते हुए तेजी से रन बनाने पर ध्यान दे रहे हैं।' आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम में शामिल किये जाने से भी वह उत्साहित हैं। साथ ही अपने को सौभाग्यशाली मानते हैं। उन्हें धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने से भी खुशी हुई है. इस बल्लेबाज ने कहा, 'मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं सीएसके के लिए खेल पाऊंगा। मेरा सपना इस पीढ़ी के दिग्गज खिलाड़ियों के साथ खेलने का था।' उन्होंने कहा, 'विराट भाई के साथ मैंने आरसीबी में खेला। रोहित भाई के साथ कभी नहीं खेला था और मुझे नहीं लगा था कि मौका मिलेगा पर फिर टेस्ट टीम में उनके साथ खेला।' उन्होंने कहा, 'धोनी भाई के संन्यास के बाद लगा था कि उनके साथ खेलने का मौका नहीं मिलेगा पर नीलामी के पहले दौर में किसी के बोली नहीं लगाने के बाद सीएसके ने उन्हें शामिल किया है। जिससे उन्हें अब उनके साथ खेलने का अवसर मिल जाएगा।'इस क्रिकेटर ने कहा , 'मैं हमेशा वर्तमान में रहने की कोशिश करता हूं। अतीत में कुछ नहीं कर सकता और मुझे नहीं पता कल क्या होगा।' घरेलू क्रिकेट में कुछ समय तक उनकी फॉर्म ठीक नहीं थी, लेकिन उन्होंने धैर्य रखा, अपनी फिटनेस और खेल पर काम किया जिससे अब वह फिर से रन बना रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपनः कार्लोस अल्काराज ने एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर फाइनल में जगह बनाई

मेलबर्न (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को यहां पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर पहली बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई। इस तरह से 22 साल के अल्काराज चारों ग्रैंड स्लैम पर प्रतियोगिताओं के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। अब उनका लक्ष्य करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनना होगा।

अल्काराज को पांव में ऐंठन और खिंचाव के कारण पिछले साल के उपविजेता ज्वेरेव की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन आखिर में वह पांच घंटे 27 मिनट में 6-4, 7-6 (5), 6-7 (3), 6-7 (4), 7-5 से जीत हासिल करने में सफल रहे। स्पेन के खिलाड़ी अल्काराज ने अच्छी शुरुआत की लेकिन पहले दो सेट जीतने के बाद वह अगले दो सेट में टाइब्रेकर में हार गए। ज्वेरेव पांचवें और निर्णायक सेट में एक समय मैच के लिए सर्विस कर रहे थे लेकिन अल्काराज ने ब्रेक प्वाइंट लेकर वापसी की और फिर इसके बाद जर्मनी के अपने प्रतिद्वंद्वी को मौका नहीं दिया।

अल्काराज का फाइनल में मुकाबला दो बार के मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर या 10 बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता नोवाक जोकोविच से होगा, जो 25वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने की कोशिश कर रहे हैं। अल्काराज ने जिस तरह से शुरुआत की थी उससे लग रहा था कि वह आसानी से जीत हासिल कर लेंगे लेकिन तीसरे सेट के नौवें गेम में वह लंगड़ाने लगे और ऐसा लग रहा था कि उन्हें दाहिने पैर के ऊपरी हिस्से में कोई समस्या है।

जब अपने प्रतिद्वंद्वी को इलाज के लिए तीन मिनट का ब्रेक दिया गया, तो ज़्वेरेव स्पष्ट रूप से परेशान दिखे। तब तीसरी वरीयता प्राप्त यह खिलाड़ी टूर्नामेंट के एक अधिकारी से बात कर रहा था। अल्काराज ने इसके बाद 6-5 से बढ़त बना दी जिसके बाद उन्हें फिर से अपने पांव की मालिश करवानी पड़ी। ज्वेरेव हालांकि इस सेट को टाइब्रेकर तक खींचने में सफल रहे जिसमें उन्होंने जीत दर्ज की। चौथे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला लेकिन ज्वेरेव टाइब्रेकर में फिर से कामयाब रहे और इस तरह से उन्होंने मैच को बराबरी पर ला दिया।

चार घंटे से अधिक का समय बीतने के बाद मैच पांचवें सेट में पहुंचा। अल्काराज ने पांचवें सेट के पहले गेम में अपनी सर्विस गंवा दी। इस सेट के छठे गेम में रोमांच तब चरम पर पहुंच गया जब अल्काराज ने ड्रॉप शॉट को लेने के लिए दौड़ लगाई और पूरी गति से स्लाइड करते हुए फोरहैंड विनर शॉट लगाया। इससे दर्शक खुशी से झूम उठे। अल्काराज ने आखिर में पांचवें सेट में 5-4 पर ज़्वेरेव की सर्विस तोड़ी और फिर पहले मैच प्वाइंट को भुनाकर फाइनल में प्रवेश किया।

भारत की ईशारानी बरुआ थाईलैंड मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में पहुंची

पटुमवान (थाईलैंड) (एजेंसी)। भारत की ईशारानी बरुआ ने चीनी ताइपे की शटलर सुंग को हराकर थाईलैंड मास्टर्स 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। बैडमिंटन रैंकिंग में 48वें स्थान पर काबिज 22 वर्षीय भारतीय शटलर ने गुरुवार को खेले गये मुकाबले में 34वें स्थान पर काबिज ताइपे की प्रतिद्वंद्वी सुंग को 21-13, 14-21, 21-14 से हराकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में अगले दौर में जगह बनाई। पहला गेम बेहद करीबी रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ी 11-11 के स्कोर पर बराबरी पर थे, जिसके बाद भारतीय शटलर ने 14-13 की बढ़त बना ली। इसके बाद ईशारानी ने अपनी रफ्तार बढ़ाते हुए लगातार सात अंक जीतकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सुंग ने वापसी का प्रयास किया, जो एक बार फिर 13-13 के स्कोर तक बराबरी पर रहा। इस बार, ताइपे की शटलर ने शानदार वापसी करते हुए अगले आठ में से सात अंक जीतकर गेम को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। हालांकि, तीसरा गेम पूरी तरह से भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी के नाम रहा, जो इससे पहले 2023 गुवाहाटी मास्टर्स में सुंग से हार गई थी। इससे पहले दोनों के बीच केवल एक ही मुकाबला हुआ था। महिला एकल के एक अन्य मुकाबले में देविका सिहाग ने दूसरे राउंड में चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग को 32 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 21-14 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। 51वीं रैंकिंग पर काबिज अनमोल खरब को महिला एकल मुकाबले में हुआंग यू-सुन से 10-21, 21-19, 21-19 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, महिला एकल खिलाड़ी श्रीयांशी वालीशेट्टी को करुपथेवन लेटशाना ने 17-21, 22-20, 19-21 से हराया।

आइसलैंड क्रिकेट ने उड़ाया पीसीबी का मजाक, हम विश्वकप में उसके जगह लेने तैयार

नई दिल्ली । टी20 विश्वकप क्रिकेट में भाग लेने को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अभी तक फैसला नहीं किया है हालांकि उसने अपनी टीम घोषित कर दी है। पीसीबी ने कहा था कि वह इस टूर्नामेंट से बाहर भी रह सकता है। इसी को लेकर अब आइसलैंड क्रिकेट ने पीसीबी पर व्यंग्य कसा है। आइसलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में लिखा कि अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट से हटने का फैसला करता है, तो वे उसकी जगह लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसमें ये भी कहा है कि अगर 2 फरवरी तक फैसला हो जाए तो वे तत्काल ही श्रीलंका पहुंच सकते हैं। पाक को चिढ़ाते हुए आइसलैंड क्रिकेट ने केफलाविक से कोलंबो तक की यात्रा योजनाओं का स्क्रीनशॉट भी साझा किया। साथ ही इस पोस्ट में आखिरी समय पर बुलाए जाने पर आने वाली व्यावहारिक परेशानियों को भी मजाकिया अंदाज में दिखाया गया। यहां तक कि उन्होंने अपने ओपनिंग बल्लेबाज की 卐अनिद्रा卐 का भी जिक्र कर दिया, जिसने प्रशंसकों को पीसीबी पर हंसने का अवसर जरुर मिल गया है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश के विश्वकप से नाम वापस लेने पर उसकी जगह पर स्कॉटलैंड को शामिल किया था। तब पीबीबी ने बांग्लादेश बोर्ड का समर्थन करते हुए कहा कि वह भी विश्वकप से बाहर रह सकता है।

मनप्रीत सिंह समेत तीन प्लेयर्स पर बड़ी कार्रवाई, प्रो लीग के संभावित खिलाड़ियों की सूची से किया बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह समेत तीन खिलाड़ियों को प्रो लीग के आगामी सत्र से पहले संभावित खिलाड़ियों की सूची से बाहर के फैसला पर भले ही कइयों को हैरानी हुई हो लेकिन सूत्रों के अनुसार यह फैसला पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ही 'अनुशासनात्मक' कारणों से ले लिया गया था। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थी कि किसी भारतीय खिलाड़ी के सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैचों का हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की के (412) रिकॉर्ड की बराबरी से रोकने के लिए मनप्रीत को बाहर किया गया है।

मनप्रीत इस रिकॉर्ड से एक मैच दूर हैं। टीम के करीबी सूत्रों ने हालांकि बताया कि मनप्रीत सिंह, दिलप्रीत सिंह और गोलकीपर कृशन बहादुर पाठक को बाहर करने का फैसला पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ही ले लिया गया था। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका में सात से दस दिसंबर 2025 के बीच दो टेस्ट और एक नुमाइशी मैच खेले थे। सूत्रों ने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अनुशासनहीनता का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया था जब एक खिलाड़ी टीम बैठक से गायब था और बाद में पता चला कि उसे मनप्रीत, दिलप्रीत और पाठक ने कथित तौर पर प्रतिबंधित पदार्थ वाली च्युइंग गम खिलाई थी जिससे वह बेहोश हो गया और पूरी रात उसे संभालना पड़ा। अगली सुबह वह टीम बैठक में भी नहीं जा सका।'

उन्होंने आगे कहा, 'खिलाड़ियों ने अपने साथी खिलाड़ी को प्रतिबंधित पदार्थ खिलाने के लिए बाद में माफी मांगी लेकिन टीम बैठक में तब ही उन्हें आगामी शिविर से बाहर रखने का फैसला सुना दिया गया था।' यह भी पता चला है कि कोच क्रेग फुल्टोन की ओर से घटना की कोई लिखित रिपोर्ट हॉकी इंडिया को नहीं दी गई है। राउरकेला में अगले महीने होने वाले प्रो लीग के आगामी सत्र के लिए हॉकी इंडिया ने गुरुवार को संभावित खिलाड़ियों की सूची जारी की जिसमें कोच ने कहा कि कार्यभार प्रबंधन के लिये कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है।

राउरकेला में 10 से 15 फरवरी तक होने वाले FIH प्रो लीग मैचों से पहले एक से सात फरवरी तक यह शिविर आयोजित किया जाएगा। मनप्रीत की सह कप्तानी में रांची रॉयल्स टीम हॉकी इंडिया लीग के फाइनल में पहुंची थी और टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन भी काबिले तारीफ रहा जिससे उन्हें बाहर किए जाने को लेकर सवाल उठने लाजमी हैं। वहीं कृशन और दिलप्रीत ॥ढुरुजीतने वाली कलिंगा लांसर्स टीम का हिस्सा थे। दो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता टीमों के सदस्य और 33 वर्षीय पूर्व भारतीय कप्तान मनप्रीत 15 वर्षों में पहली बार शिविर के लिए संभावित खिलाड़ियों की सूची में जगह नहीं बना पाए हैं।

पीटी उषा के पति वी. श्रीनिवासन का निधन

नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद पीटी उषा के पति वी. श्रीनिवासन का आज सुबह निधन हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीनिवासन आज सुबह अपने आवास पर अचानक ही बेहोश हो गये। उन्हें तत्काल करीब के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रधानमंत्री, खेलमंत्री के अलावा भारतीय ओलंपिक संघ के अधिकारियों और खिलाड़ियों ने भी श्रीनिवासन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुख की इस घड़ी में उषा से फोन पर बात कर उन्हें सांत्वना दी। प्रधानमंत्री ने इस अपूरणीय क्षति पर शोक व्यक्त करते हुए परिवार को धैर्य और शक्ति देने की कामना की। गौरतलब है कि 67 साल के श्रीनिवासन केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षाबल (सीआईएसएफ) में उप अधीक्षक रहे थे। इस दंपति का एक बेटा है, जिसका नाम उज्ज्वल है। वहीं केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी श्रीनिवासन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने उषा और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। साथ ही ईश्वर से इस कठिन समय को सहने की शक्ति परिवार देने की प्रार्थना की है। उषा दिग्गज एथलीट रही है। एशियाई खेलों सहित कई अन्य स्पर्धाओं में उन्होंने स्वर्ण पदक जीते हैं।

दिल्ली में राशन कार्डधारियों को नोटिस जारी.... मांगी जा रही ये सारी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने उन राशन कार्डधारियों को नोटिस जारी किया है जिनके पास जमीन के साथ घर और अपनी गाड़ी भी है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा जारी जांच अभियान के बाद इसतरह के लोगों को मैसेज के जरिए नोटिस जारी किया जा रहा है। उनसे जवाब देने को कहा गया है। अगर वह ऐसा नहीं करते हैं, तब उनका राशन कार्ड रद्द किया जाएगा। हालांकि दिल्ली सरकारी राशन डीलर्स संघ ने सरकार के इस तरह जारी नोटिस पर सवाल उठाकर सीएम रेखा गुप्ता को चिट्ठी भी लिखी है। रेखा सरकार की तरफ से जारी नोटिस में उनकी गाड़ी, घर की जानकारी के साथ ही उनके आय के बारे में भी जानकारी मांगी गई है। साथ ही राशन कार्ड के लिए न्यूनतम सालाना एक लाख की आय को लेकर राजस्व विभाग की ओर से जारी आय प्रमाण पत्र भी जमा करने को कहा गया है। यह आय प्रमाण पत्र अनिवार्य किया गया है। अगर वह ऐसा नहीं करते हैं,तब उनका अगले महीने से राशन कार्ड रद्द हो जाएगा। दिल्ली में बीते दिनों राशन कार्ड धारकों को लेकर चले जांच अभियान के दौरान आठ लाख से अधिक लोग अपात्र मिले हैं। राशन डीलर संघ के मुताबिक दिल्ली सरकार का यह जांच अभियान ठीक है लेकिन इसतरह के लोगों को नोटिस दिया जा रहा है जिनका दिल्ली में कोई जमीन नहीं है। उनके मुताबिक दिल्ली में बहुत से लोग बाहर से आकर रहते हैं। उनकी गांव में थोड़ी बहुत जमीन है। इस बात को आधार बनाकर उन्हें नोटिस जारी किया जा रहा है।

क्रिप्टो निवेश के नाम पर 1.80 करोड़ की ठगी, 26 लोगों को बनाया शिकार

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान के जोधपुर जिले में क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर बड़े स्तर की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने मोटे मुनाफे का लालच देकर 26 लोगों से करीब 1.80 करोड़ रुपए हड़प लिए और बाद में ऑफिस बंद कर फरार हो गए। इस संबंध में जोधपुर के थाने में न्यायालय परिवाद के जरिए मामला दर्ज कराया गया है। पीड़ित सिद्धपा भीमराय पडशेटी, निवासी सालोटगी, जिला बीजापुर (कर्नाटक) ने रिपोर्ट में बताया कि वर्ष 2022 में उन्होंने यूट्यूब पर 'केपमोर अपेक्स' नामक कंपनी का वीडियो विज्ञापन देखा था। इसमें अजय आर्य नामक व्यक्ति क्रिप्टो ट्रेडिंग में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का दावा कर रहा था और ट्रेडिंग ट्रेनिंग देने की बात वीडियो में की जा रही थी। विज्ञापन में दिए गए नंबर पर संपर्क करने पर आरोपी अजय ने खुद को श्रीगंगानगर निवासी बताकर देश के कई शहरों में कंपनी के ऑफिस होने का दावा किया। आरोपी ने भरोसा दिलाया कि निवेश करने वालों को तय समय में अच्छा रिटर्न मिलेगा। उसके झांसे में आकर पीड़ित और उसके परिचितों ने करीब सवा साल के दौरान नकद और ऑनलाइन माध्यम से बड़ी रकम निवेश कर दी। बाद में अजय और उसके साथियों ने कर्नाटक के विजयापुरा में खोला गया ऑफिस बंद कर श्रीगंगानगर आ गए। पीड़ित का आरोप है कि बार-बार संपर्क करने पर आरोपी केवल बहाने बनाते रहे और रुपए लौटाने का झूठा आश्वासन देते रहे। कुछ समय बाद अजय घर से गायब हो गया और उसका मोबाइल भी बंद आने लगा। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने इसी तरह कई अन्य लोगों से भी करोड़ों की ठगी की और ठगी की रकम से अपने व परिवार के नाम संपत्तियां खरीदीं। रिपोर्ट के आधार पर अजय आर्य, दीपक आर्य, लजपत आर्य, सौरभ चावला, सलोनी चावला, करमजीत सिंह, बलजीत सिंह और राजेंद्र सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

लखनऊ एयरपोर्ट से सऊदी के लिए उड़ा विमान...फिर लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ एयरपोर्ट से सऊदी अरब जा रहे एक विमान की शुक्रवार को इमरजेंसी लैंडिंग हुई। उड़ान के कुछ समय बाद विमान में तकनीकी दिक्कत आ गई थी। सूत्रों के मुताबिक, जब विमान मुंबई के पास पहुंचा, तब केबिन प्रेशर में समस्या आ गई। इसके चलते कुछ यात्रियों को सांस लेने में परेशानी हुई। गंभीर हालात देखकर पायलट ने पहले मुंबई एयरपोर्ट से संपर्क कर लैंडिंग की अनुमति मांगी, लेकिन वहां से परमिशन नहीं मिली। इसके बाद पायलट ने लखनऊ एयरपोर्ट से संपर्क किया। लखनऊ से इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मिलते ही विमान वापस लौट आया। करीब 82 मिनट में विमान सुरक्षित रूप से लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा। खराबी दूर होने पर विमान जेद्दा के लिए रवाना हो गया। यह विमान सऊदिया अरबिया एयरलाइंस का था। फ्लाइट नंबर एसवी-891 जेद्दा जा रही थी। विमान में 275 यात्री, 4 पायलट और 6 क्रू मेंबर सवार हैं। जानकारी के मुताबिक, विमान का तय समय दोपहर 12:05 बजे था, लेकिन यह 12:23 बजे उड़ान भर सका। दोपहर करीब 1:45 बजे विमान को बीच रास्ते से वापस लाना पड़ा। यात्रियों को विमान से उतारा नहीं गया। इंजीनियरों ने तकनीकी खराबी दूर कर दी। विमान शाम 4:20 बजे जेद्दा के लिए रवाना हुआ।

क्या है केबिन प्रेशर- विमान में केबिन प्रेशर आर्टिफिशियल एयर प्रेशर है, जिसे हवाई जहाज के अंदर बनाए रखा जाता है। इससे जब विमान 30,000 से 40,000 फीट की ऊंचाई पर होता है, तब भी लोगों को सांस लेने में दिक्कत नहीं होती। केबिन प्रेशर उस ऊंचाई में भी 6,000-8,000 फीट की ऊंचाई के बराबर वाला एयर प्रेशर बनाकर रखता है। इससे यात्री आसानी से सांस लेते रहते हैं।

भारत में निपाह वायरस के फैलने का जोखिम कम... डब्ल्यूएचओ ने माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि भारत में निपाह वायरस के फैलने का जोखिम कम है और देश में वायरस संक्रमण के दो मामले सामने आने के बाद यात्रा या व्यापार प्रतिबंध लगाने की कोई जरुरत नहीं है। यह घटना कई एशियाई देशों द्वारा अपने क्षेत्रों में आने वाले लोगों में वायरस के लक्षणों की जांच तेज करने के बाद हुई है। चूंकि भारत पहले भी निपाह के प्रकोप को नियंत्रित करने की अपनी क्षमता दिखा चुका है, इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मान लिया है कि मानव-से-मानव संक्रमण में वृद्धि का कोई प्रमाण नहीं है।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि अन्य भारतीय राज्यों या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके फैलने की संभावना कम है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की कि पिछले साल दिसंबर से अब तक पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस रोग के केवल दो मामले सामने आए हैं। इसके बाद, केंद्र ने बंगाल सरकार के समन्वय से प्रोटोकॉल के अनुसार त्वरित और व्यापक जन स्वास्थ्य उपाय शुरू किए। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि जोखिम मूल्यांकन, निगरानी और प्रकोप से निपटने के प्रयासों में सहयोग देने के लिए भारत में राष्ट्रीय और राज्य स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर काम करना जारी रखे हुए है।

सच्चा न्याय वही है जिसमें किसी के साथ अन्याय न हो: अखिलेश

-यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर विपक्ष एक राय नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा लागू किए गए नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है। गुरुवार को सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूजीसी प्रमोशन ऑफ इक्विटी रेग्युलेशंस 2026 के प्रावधान प्रथम दृष्टया अस्पष्ट हैं और इनके दुरुपयोग की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने केंद्र सरकार और यूजीसी से 19 मार्च तक जवाब मांगा है। कोर्ट के इस फैसले के बाद राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सत्ताधारी बीजेपी ने फैसले का स्वागत करते हुए इसे संविधान, सामाजिक समरसता और सनातन मूल्यों की रक्षा से जुड़ा अहम कदम बताया। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कभी किसी के साथ भेदभाव नहीं किया और ईडब्ल्यूएस आरक्षण इसका उदाहरण है। वहीं निशिकांत दुबे ने भी विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में इस मुद्दे पर चर्चा तक नहीं की गई और सुप्रीम कोर्ट ने वही किया जो संविधान के अनुरूप है।

यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा है कि सरकार कोर्ट के आदेश का पूरी तरह पालन करेगी। बीजेपी सांसद मनन कुमार मिश्र और नेता बृजभूषण शरण सिंह ने फैसले को न्यायसंगत बताते हुए कहा कि नए नियमों से सामाजिक टकराव की आशंका थी, जिसे कोर्ट ने समय रहते रोक लगा दी है।

वहीं, विपक्षी दलों की राय इस मुद्दे पर बंटी हुई है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, बसपा सुप्रीमो मायावती और टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। अखिलेश ने कहा कि सच्चा न्याय वही है जिसमें किसी के साथ अन्याय न हो और कानून की भाषा व नीयत दोनों साफ हों। मायावती ने कहा कि नए नियमों से सामाजिक तनाव पैदा हो रहा था, इसलिए कोर्ट का फैसला सही है।

इसके उलट कांग्रेस और आरजेडी ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने आरोप लगाया कि बीजेपी असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए जाति और धर्म के नाम पर विवाद खड़ा कर रही है। आरजेडी सांसद मनोज झा ने इसे 'यथास्थिति बनाए रखने' की कोशिश बताया। इस बीच कुमार विश्वास ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि देश इस समय किसी भी तरह के बंटवारे को सहन नहीं कर सकता और सरकार को समाधान की दिशा में संवेदनशीलता दिखानी चाहिए।

माघ मेला छोड़कर गए शंकराचार्य से माफी मांगेगा प्रयागराज प्रशासन

-अविमुक्तेश्वरानंद ने रखी दो शर्त, दो बड़े अधिकारी संगम में करवाएंगे स्नान

वाराणसी (एजेंसी)। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से प्रयागराज प्रशासन माफी मांगने को तैयार है। शंकराचार्य के मीडिया प्रभारी ने बताया किया योगी सरकार ने खुद इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शंकराचार्य अचानक माघ मेला छोड़कर वाराणसी चले जाएंगे, प्रयागराज के अफसरों को यह उम्मीद नहीं थी। वे सोच रहे थे माघ पूर्णिमा एक फरवरी के स्नान के बाद शंकराचार्य जाएंगे तब तक उनको मना लेंगे। 28 जनवरी को शंकराचार्य के वाराणसी आने के बाद लखनऊ के दो बड़े अधिकारियों ने सरस्वती से संपर्क किया और पूर्णिमा पर माघ मेले में स-सम्मान स्नान कराने की बात कही है। इस पर शंकराचार्य ने दो शर्त रखी हैं। पहली- जिम्मेदार माफी मांगे, लिखित माफीनामा दें वहीं दूसरी- चारों शंकराचार्य का प्रोटोकॉल स्नान के लिए लागू किया जाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक योगी सरकार ने बताया कि शासन के कुछ अधिकारी वाराणसी आएंगे। शंकराचार्य को प्रयागराज लेकर जाएंगे। उन्हें माघी पूर्णिमा पर संगम स्नान कराएंगे। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में कंप्यूटर बाबा मौनी अमावस्या से उनके साथ हैं। मौनी अमावस्या पर ही प्रशासन और शंकराचार्य के शिष्यों के बीच विवाद और मारपीट हुई थी। शंकराचार्य के साथ वाराणसी में बैठक कर आगे की रणनीति तय कर ली गई है।

जो कंपनी देगी बिहारवासियों को नौकरी... उन पर मेहरबान रहेगी नीतीश सरकार

पटना (एजेंसी)। बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार का फोकस अब युवाओं की जॉब और रोजगार पर हो गया है। चुनाव के वक्त अगले पांच साल में राज्य के 1 करोड़ बेरोजगार युवाओं को जॉब और रोजगार देने का जो वादा सुशासन बाबू ने किया था, राज्य सरकार ने अब इसके अमलीजामा पहनाना शुरू कर दिया है। जल्द ही राज्य के युवाओं के लिए आईटी और सेवा क्षेत्र में रोजगार के बड़े मौके आने वाले हैं।

नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में बिहार वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) नीति-2026 को मंजूरी दे दी गई। इस नीति के तहत बिहार में कॉल सेंटर या ग्लोबल सेंटर स्थापित करने वाली अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय कंपनियों को नीतीश सरकार वित्तीय मदद प्रदान करेगी। ताकि यहां के युवाओं को रोजगार के मौके मिल सके और उन्हें काम की तलाश में दूसरे राज्य न जाना पड़े। उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार ने बताया कि राज्य में निवेश और रोजगार बढ़ाने के उद्देश्य से यह ऐतिहासिक फैसला हुआ है।

नई नीति के तहत, यदि कोई वैश्विक स्तर की कंपनी बिहार में अपना कॉल सेंटर या क्षमता केंद्र स्थापित करती है, तब उसके कुल पूंजीगत व्यय का 30 प्रतिशत हिस्सा अनुदान के रूप में सरकार देगी। यह अनुदान राशि अधिकतम 50 करोड़ रुपये तक हो सकती है। यदि कंपनी बिहार के मूल निवासियों को अधिक संख्या में रोजगार देती है, तब इस अनुदान की सीमा को और बढ़ाया जा सकेगा। अनुदान का लाभ केवल इंफ्रास्ट्रक्चर तक सीमित नहीं रहेगा। कंपनियों को कार्यालय का किराया, रिसर्च एंड डेवलपमेंट और अन्य परिचालन खर्चों पर भी सहायता मिलेगी।

खतरे में देहरादून की हरियाली, काटने पड़ सकते हैं 20 हजार पेड़

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के देहरादून जिले के साल के वनों पर होपलो कीट (साल बोरर कीट) के बढ़ते हमले से हरियाली खतरे में आ गई है। यह कीट साल के पेड़ों को भीतर से खोखला करता है, जिससे उनका जीवन गंभीर रूप से प्रभावित होता है। होपलो सबसे पहले पेड़ की छाल में छोटे छेद बनाकर अंडे देता है। अंडों से निकलने वाली लार्वा तने के अंदर सुरंग बनाकर हृदयकाष्ठ को खोखला करती है। इससे पेड़ का पानी और पोषक तत्वों का प्रवाह रुक जाता है, और समय के साथ पेड़ ऊपर से सूखकर कमजोर होकर गिरने लगता है। प्रभावित पेड़ों से तने में छेद, रस का रिसाव और बुरादा गिरना दिखाई देता है, जो संक्रमण के प्रमुख संकेत हैं।

उत्तराखंड वन विभाग के अनुसार देहरादून वन प्रभाग में करीब 12 हजार, कालसी में 5000 और मसूरी में 3000 से अधिक साल के पेड़ होपलो से प्रभावित हैं। तीनों प्रभागों में साल के वनों की हिस्सेदारी करीब 70 प्रतिशत है। गंभीर रूप से संक्रमित पेड़ों को कटान (कंटेनमेंट फेलिंग) के माध्यम से जंगल से बाहर निकालकर नष्ट किया जाता है, ताकि कीट का फैलाव रोका जा सके। कम प्रभावित पेड़ों में कीट आकर्षक ट्रैप, तने पर कीटनाशक पेस्टिंग और जंगल की सफाई जैसे उपाय किए जाते हैं। इतना ही नहीं वन विभाग ने समस्या के समाधान के लिए वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) की टीम से मदद मांगी है। एफआरआई ने देहरादून वन प्रभाग का निरीक्षण कर लिया है, जबकि कालसी और मसूरी में टीम का दौरा प्रस्तावित है। वरिष्ठ विज्ञानी डॉ. अरुण प्रताप के अनुसार, होपलो का ठोस उपचार नहीं है, लेकिन संक्रमित पेड़ों की पहचान और उचित कार्रवाई संक्रमण को फैलने से रोकने में मदद करती है। सालाना कटान के अनुसार हर वर्ष लगभग 2000 पेड़ इस कीट के कारण काटने पड़ते हैं। इस वर्ष होपलो कीटों का प्रकोप सामान्य से अधिक होने की आशंका है, जिससे देहरादून के साल के वनों को गंभीर नुकसान का खतरा है। वन विभाग लगातार निरीक्षण, कीट नियंत्रण और जंगल की सफाई के माध्यम से इस समस्या से निपटने की कोशिश कर रहा है।

इन खास ट्रैपों में कीट आकर्षित होकर फंसते हैं। इसके लिए साल के कुछ पेड़ों को काटकर कीटों के लिए चारा तैयार किया जाता है। कई जगह इससे 50 से 70 प्रतिशत तक कीट पकड़ने में सफलता मिलती है। यह कम प्रभावित पेड़ों के मामले में किया जाता है। इसके अलावा तने पर कीटनाशक का छिड़काव/पेस्टिंग (वैज्ञानिक निर्देश अनुसार) किया जाता है। इसमें लार्वा और वयस्क कीट मर जाते हैं। इसके अलावा जंगल की सफाई और सूखी लकड़ी हटाने की कार्रवाई भी की जाती है। क्योंकि सूखे पत्ते, टूटे तने, मरी लकड़ी आदि कीट के प्रजनन स्थान बनते हैं। इनकी सफाई संक्रमण को रोकने में बहुत मदद करती है।

हर साल 2000 पेड़ों को पड़ता है काटना

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार इस वर्ष होपलो कीटों का प्रकोप कुछ अधिक है। क्योंकि, सामान्य रूप में साल के पेड़ों में यह कीट पाए ही जाते हैं। जिस कारण एक वन प्रभाग में औसतन दो हजार के करीब पेड़ों को इस कीट रोग के कारण काटना पड़ जाता है। इस वर्ष कुछ अधिक पेड़ इस कीट की भेंट चढ़ सकते हैं।

बंगाल में सुवेंदु अधिकारी ने लगाए गंभीर आरोप कहा- वोटर्स की वेरिफिकेशन प्रक्रिया में हो रही हेराफेरी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के बीच राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने राज्य प्रशासन और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि अधिकारियों को वेरिफिकेशन प्रक्रिया में हेराफेरी करने के गैर-कानूनी आदेश दिए जा रहे हैं। उन्होंने इसे लोकतंत्र को कमजोर करने वाला एक बेशर्म गठजोड़ करार दिया है। अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक कथित व्हाट्सएप मैसेज का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए सनसनीखेज खुलासा किया। उन्होंने दावा किया कि दक्षिण 24 परगना के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) की ओर से अधिकारियों को विशेष निर्देश भेजे गए हैं। इस कथित संदेश में अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वे वेरिफिकेशन के दौरान किसी भी स्थिति में नॉट वेरिफाइड (सत्यापित नहीं) विकल्प का चयन न करें।

अधिकारी ने बताया कि प्रशासन ने हर दिन 3,000 वेरिफिकेशन का लक्ष्य पूरा करने का दबाव बनाया है, जो प्रक्रिया की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि यह आदेश सीधा और स्पष्ट रूप से चुनाव प्रक्रिया में हेराफेरी करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जानबूझकर नॉट वेरिफाइड मार्क करने से रोका जा रहा है, ताकि उन अयोग्य मतदाताओं और फर्जी प्रविष्टियों को मतदाता सूची से बाहर न किया जा सके, जिन्हें टीएमसी ने अपने वोटबैंक के रूप में सूची में शामिल करवाया है। उनके अनुसार, ममता बनर्जी सरकार भारत के चुनाव आयोग के पारदर्शी मतदाता सूची के आदेशों को धता बताने के लिए जिला प्रशासन का एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है।

सुवेंदु अधिकारी ने तंज कसते हुए कहा कि टीएमसी इस बात से डरी हुई है कि यदि निष्पक्ष जांच हुई, तो उनका लंबे समय से चला आ रहा चुनावी धोखाधड़ी का खेल उजागर हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि प्रशासनिक अधिकारों का यह दुरुपयोग केवल सत्ताधारी दल के राजनीतिक हितों को साधने के लिए किया जा रहा है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए नेता प्रतिपक्ष ने भारत के चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने आयोग से अनुरोध किया है कि वह एडीएम और उन सभी अधिकारियों के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच शुरू करे जो इन गैर-कानूनी निर्देशों को जारी करने या पालन करने में संलिप्त हैं। सुवेंदु अधिकारी ने मांग की है कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए दोषी अधिकारियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि चुनाव प्रक्रिया की शुचिता बनी रहे।

एसआईआर में फॉर्म-7 का दुरुपयोग कर वोटर लिस्ट से काटे जा रहे नाम?

-कांग्रेस ने चुनाव आयोग को लिखा पत्र, तत्काल हस्तक्षेप और स्वतंत्र जांच की मांग

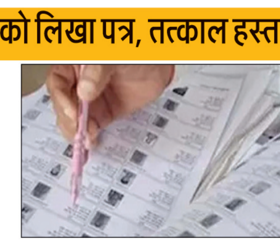

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के दौरान फॉर्म-7 के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का आरोप लगाया है। पार्टी ने चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। कांग्रेस का दावा है कि सत्तारूढ़ बीजेपी से जुड़े लोग और अज्ञात व्यक्ति टारगेट वर्गों के मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से गलत तरीके से हटाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखे पत्र में कहा है कि फॉर्म-7 का इस्तेमाल कर लाखों पात्र मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किया जा रहा है जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट में कांग्रेस के मुताबिक राजस्थान से शुरू हुई शिकायतें अब गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, असम और केरल समेत 12 राज्यों से सामने आई हैं। पार्टी का कहना है कि इससे साफ होता है कि यह मामला न तो स्थानीय है और न ही अलग-थलग है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि जांच में एक समान पैटर्न सामने आया है। इसके तहत केंद्रीकृत प्रणाली के जरिए पहले से छपे हुए फार्म-7 तैयार किए गए, जिनका इस्तेमाल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यकों और 60 साल से ज्यादा उम्र के वरिष्ठ नागरिकों जैसे विशेष समूहों के खिलाफ सामूहिक आपत्तियां दर्ज कराने में किया गया है।

कांग्रेस ने कहा कि इन फार्म को बाद में बूथ लेवल अधिकारियों को सौंपा गया। कई मामलों में फॉर्म में आपत्ति दर्ज कराने वाले व्यक्ति की पहचान, सही मोबाइल नंबर और वैध ईपीआईसी विवरण तक दर्ज नहीं पाए गए जबकि नियमों के तहत यह अनिवार्य है। पार्टी का दावा है कि जिन लोगों के नाम आपत्तिकर्ता के रूप में दर्ज थे, उनमें से कई ने सार्वजनिक रूप से किसी भी फॉर्म को जमा करने से इनकार किया। कुछ मामलों में ये लोग बीजेपी से जुड़े बूथ लेवल एजेंट पाए गए, जबकि कई पूरी तरह अज्ञात व्यक्ति निकले। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से मांग की है कि फॉर्म के दुरुपयोग की तत्काल और स्वतंत्र जांच कराई जाए, दोषियों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई हो और जिन मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं, उन्हें तुरंत जोड़ा जाए।

ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर गोवा में सोशल मीडिया का उपयोग नहीं कर पाएंगे नाबालिग

पणजी (एजेंसी)। आधुनिक समय में मोबाइल फोन और सोशल मीडिया बच्चों के जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गए हैं। छोटे बच्चे भी अपना काफी समय इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर बिता रहे हैं। इस स्थिति के कारण बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे नकारात्मक प्रभावों को देखते हुए गोवा सरकार अब एक कड़ा कदम उठाने की योजना बना रही है। राज्य सरकार आस्ट्रेलिया की तर्ज पर 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इस बात का स्पष्ट संकेत खुद राज्य के मंत्री ने दिया है, जिससे देशभर में एक नई बहस छिड़ गई है।

सरकार का प्राथमिक तर्क यह है कि बच्चों को मोबाइल की गंभीर लत, हानिकारक कंटेंट और सोशल मीडिया के कारण पैदा होने वाले मानसिक दबाव से बचाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। अधिकारियों का मानना है कि कम उम्र में सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग बच्चों के संज्ञानात्मक विकास और व्यवहार पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। हालांकि, यह फैसला अभी शुरुआती चर्चा के चरण में है और पूरी तरह लागू नहीं हुआ है, लेकिन इस प्रस्ताव ने अभिभावकों, शिक्षकों और नीति निर्माताओं के बीच हलचल पैदा कर दी है।

गोवा सरकार के अनुसार, आजकल बच्चे बहुत ही कम उम्र में मोबाइल और सोशल मीडिया के आदी हो रहे हैं। स्क्रीन के सामने घंटों बिताने से न केवल उनकी आंखों और नींद पर बुरा असर पड़ रहा है, बल्कि उनके सोचने की क्षमता भी प्रभावित हो रही है। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया पर उम्र के लिहाज से अनुपयुक्त वीडियो, गलत जानकारी और अजनबियों से होने वाले संपर्क बच्चों के लिए जोखिम भरे साबित हो रहे हैं। साइबर बुलिंग और ऑनलाइन उत्पीड़न की बढ़ती घटनाएं भी सरकार के लिए चिंता का एक मुख्य कारण हैं। इन्हीं सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को देखते हुए सरकार 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को इन डिजिटल मंचों से दूर रखने की रूपरेखा तैयार कर रही है।

गौरतलब है कि गोवा सरकार का यह विचार वैश्विक रुझानों से प्रेरित नजर आता है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर सख्त प्रतिबंध लगाकर एक मिसाल पेश की है। वहां बच्चों को इंस्टाग्राम, फेसबुक और टिकटॉक जैसे ऐप्स के इस्तेमाल की अनुमति नहीं है। ऑस्ट्रेलिया सरकार का तर्क है कि ऐसे नियमों से बच्चों का बचपन सुरक्षित रहेगा और वे आभासी दुनिया के बजाय किताबों, खेलों और अपने परिवार के साथ अधिक समय बिता सकेंगे। गोवा भी इसी मॉडल को अपनाकर बच्चों को एक स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902